● वर्ष-3
● अंक-144
रायपुर, बुधवार
24 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› ओवरफ्रेंडली लोगों से हैं परेशान...

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न

नई दिल्ली. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से नवाजा जाएगा. राष्ट्रपति की ओर से जारी बयान में उन्हें भारत रत्न देने का ऐलान किया गया है. उन्हें काफी समय से भारत रत्न देने की मांग की जा रही थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पोस्ट के जरिए कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने पर खुशी जताई है. बिहार में जननायक के रूप में उभरे कर्पूरी ठाकुर का जन्म 1924 में हुआ था. वह बिहार के पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे. कर्पूरी ठाकुर राज्य में दो बार मुख्यमंत्री और एक बार उप मुख्यमंत्री रहे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा के बाद एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा, मुझे खुशी है कि भारत सरकार ने सामाजिक न्याय के प्रतीक महान जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है और ऐसे वक्त में जब हम उनकी जन्मशती मना रहे हैं. यह प्रतिष्ठित सम्मान हाशिये पर मौजूद लोगों के लिए एक विजेता और समानता और सशक्तिकरण के समर्थक के रूप में उनके स्थायी प्रयासों का प्रमाण है. कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने का सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव में स्वागत करते हुए लिखा है कि आरक्षण विरोधियों को मन मारकर पीडीए के सामने झुकना पड़ा रहा है.

1952 में पहली बार बने थे विधायक - 1952 में हुए पहली विधानसभा के चुनाव में जीतकर कर्पूरी ठाकुर पहली बार विधायक बने और आजीवन विधानसभा के सदस्य रहे. 1967 में जब पहली बार देश के नौ राज्यों में गैर कांग्रेसी सरकारों का गठन हुआ तो बिहार की महामाया प्रसाद सरकार में वे शिक्षा मंत्री और उपमुख्यमंत्री बने.

1977 में पहली बार बने थे मुख्यमंत्री - कर्पूरी ठाकुर का संसदीय जीवन सत्ता से ओत-प्रोत कम ही रहा. उन्होंने अधिकांश समय तक विपक्ष की राजनीति की. बावजूद उनकी जड़ें जनता-जनार्दन के बीच गहरी थीं. उन्होंने 1977 में पहली बार मुख्यमंत्री का पद संभाला था. कर्पूरी ठाकुर ने सामाजिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया और बिहार की राजनीति में गरीबों और दबे-कुचले वर्ग की आवाज बनकर उभरे थे.

कर्पूरी के घर की हालत देख रो पड़े थे बहुगुणा-एक बार उप मुख्यमंत्री और दो बार मुख्यमंत्री रहने के बावजूद कर्पूरी ठाकुर रिक्शे से ही चलते थे, क्योंकि उनकी जायज आय कार खरीदने और उसका खर्च वहन करने की अनुमति नहीं देती थी।

कर्पूरी ठाकुर के निधन के बाद अविभाजित उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवंती नंदन बहुगुणा उनके गांव गए थे। बहुगुणा कर्पूरी ठाकुर की पुश्तैनी झोपड़ी देख कर रो पड़े थे। कर्पूरी ठाकुर 1952 से लगातार विधायक रहे, पर अपने लिए उन्होंने कहीं एक मकान तक नहीं बनवाया। न ही कोई जमीन खरीद सके।

पराक्रम दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मोदी बोले-

नेताजी का जीवन और उनका योगदान, युवा भारत के लिए प्रेरणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में भाग लिया। पराक्रम दिवस के अवसर पर लाल किले में आयोजित एक प्रदर्शनी का उन्होंने निरीक्षण भी किया। मोदी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर आईएनए के अनुभवी लेफ्टिनेंट आर माधवन को सम्मानित किया। इस दौरान पराक्रम दिवस की बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आजाद हिंद फौज के क्रांतिवीरों के सामर्थ्य का साक्षी रहा ये लाल किला आज फिर नई ऊर्जा से जगमग है। अमृतकाल के शुरुआती वर्ष... पूरे देश में संकल्प से सिद्धि का उत्साह... ये पल वाकई अभूतपूर्व है।

मोदी ने कहा कि कल ही पूरा विश्व, भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक ऐतिहासिक पड़ाव का साक्षी बना है। भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की ऊर्जा को, उन भावनाओं को, पूरे विश्व ने, पूरी मानवता ने अनुभव किया है। और आज हम नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जन्म-जयंती का उत्सव मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पराक्रम दिवस पर लाल किले से भारत पर्व का भी आरंभ हो रहा है। अगले 9 दिनों में भारत पर्व में गणतंत्र दिवस की झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा देश की विविधता का प्रदर्शन किया जाएगा। मोदी ने कहा कि नेताजी ने भारत की आज़ादी के लिए अपने सपनों, अपनी आकांक्षाओं की तिलांजलि दे दी। वे चाहते तो अपने लिए एक अच्छा जीवन चुन सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने सपनों को भारत के संकल्प के साथ जोड़ दिया।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये नेताजी ही थे जिन्होंने पूरी ताकत से Mother of Democracy के रूप में भारत की पहचान को विश्व के सामने रखा। जब दुनिया में कुछ लोग भारत में लोकतंत्र के प्रति आशंकित थे, तब नेताजी ने उन्हें भारत के लोकतांत्रिक अतीत को याद दिलाया। नेताजी कहते थे कि लोकतंत्र, मानव संस्था है। उन्होंने कहा कि नेताजी जानते थे कि गुलामी सिर्फ शासन की ही नहीं होती है, बल्कि विचार और व्यवहार की भी होती है। इसलिए उन्होंने विशेष रूप से तब की युवा पीढ़ी में इसको लेकर चेतना पैदा करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन और उनका योगदान, युवा भारत के लिए एक प्रेरणा है। ये प्रेरणा हमारे साथ हमेशा रहे, कदम-कदम पर रहे इसके लिए बीते 10 वर्षों में हमने निरंतर प्रयास किया है। हमने कर्तव्य पथ पर नेताजी की प्रतिमा को उचित स्थान दिया है। हमारा मकसद है- कर्तव्य पथ पर आने वाले हर देशवासी को नेताजी का कर्तव्य के प्रति समर्पण याद रहे।

हमें एक मजबूत राष्ट्र निर्माण के नेताजी के सपने को साकार करने की दिशा में काम करना है: भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को लोगों से नेताजी सुभाष चंद्र बोस के गुणों और शिक्षाओं को अपनाने का आग्रह करते हुए एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण के उनके सपने को साकार करने की दिशा में कार्य करने की सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। बोस की 127वीं जयंती पर भागवत ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में आरएसएस की एक रैली में कहा कि इस दिन केवल नेताजी को याद करना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बारासात में कहा, हमें नेताजी को न केवल स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान के लिए कृतज्ञता के कारण याद करना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी कि हम उनके गुणों, आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात करें। भागवत ने कहा, ''यदि उनके सपने अभी भी अधूरे हैं, तो उन्हें पूरा करने की जिम्मेदारी किसकी है? यदि वह देखेंगे कि वर्तमान पीढ़ी इसे हासिल करने के लिए काम कर रही है, तभी यह पूरा होगा।'' आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को नेताजी की आकांक्षाओं को साकार करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। भागवत ने कहा, ''वह जानते थे कि ये सपने सिर्फ एक पीढ़ी में पूरे नहीं हो सकते। इस पर उनके बाद की पीढ़ियों को लगातार काम करना होगा। हमें उनके भारत के सपने को हासिल करने के लिए काम करना होगा, जैसा वह चाहते थे।''

भागवत ने स्वतंत्रता सेनानियों के निस्वार्थ जीवन, संघर्ष और बलिदान के स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया तथा जनता के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में उनकी भूमिका पर जोर दिया। यह कार्यक्रम पश्चिम बंगाल में भागवत के लगातार दूसरे वर्ष का प्रतीक है, जिसमें वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों में भाग लेते रहे हैं।

ममता और अधीर की लड़ाई में राहुल का डैमेज कंट्रोल

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में कुछ महीने बाकी हैं. बीजेपी की तैयारी जोर-शोर से चल रही है. जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्र की सत्ता से हटाने के लिए विपक्ष दलों का इंडिया अलायंस आपसी मतभेद से जूझ रहा है. विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में कौन पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी यानी सीट शेयरिंग को लेकर बैठक पर बैठक हो रही है, लेकिन कुछ तय ही नहीं हो पा रहा. दिल्ली-पंजाब की सीटों को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में मतभेद बढ़ता जा रहा है.

दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेताओं के बीच कुछ भी तय नहीं हो पा रहा है. अब पश्चिम बंगाल की सीटों को लेकर भी तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच मतभेद दिखने लगे हैं. बंगाल में सीट शेयरिंग को लेकर सीएम ममता बनर्जी और लोकसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी के बीच बयानबाजी जारी है. हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की है. पश्चिम बंगाल में टीएमसी, कांग्रेस और सीपीआई (एम) इंडिया अलायंस में घटक दल हैं.

रायपुर। अयोध्या धाम में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से उनके ननिहाल में भी उत्सव का माहौल है। मकर संक्रांति से जो उत्सव शुरू हुआ है वो प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक दिन तक रहा। यह बात मुख्यमंत्री ने आज श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर राजधानी रायपुर के आकाशवाणी चौक में आयोजित महाभोग एवं प्रसादी कार्यक्रम में कही।

प्रमुख समाचार

शुभमन और दीप्ति 2023 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

हैदराबाद। बीसीसीआई के वार्षिक अवॉर्ड मंगलवार को हैदराबाद में वितरित किए गए। 2019 के बाद पहली बार बोर्ड ने खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया है। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज से पहले बीसीसीआई ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। समारोह में भाग लेने के लिए भारतीय टेस्ट टीम के सभी खिलाड़ी पहुंचे। खिलाड़ियों के साथ टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ भी पहुंचे। शुभमन गिल को साल 2023 के लिए भारत का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मोहम्मद शमी को 2019-20, रविचंद्रन अश्विन को 2020-21 और जसप्रीत बुमराह को 2021-22 के लिए यह अवॉर्ड दिया गया। महिला खिलाड़ियों में दीप्ति शर्मा को 2023 की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं। 2020 से 2022 के लिए इस अवॉर्ड को एक कर दिया गया। स्मृति मंधाना 2020-22 के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं। वहीं, 2019-20 के लिए दीप्ति शर्मा को पुरस्कार मिला। महान खिलाड़ी फारूक इंजीनियर को कर्नल सीएके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने भारत के लिए 46 टेस्ट और पांच वनडे खेले। 1961 से 1975 के बीच उन्होंने टेस्ट में 2611 रन बनाए।

लोकसभा चुनाव 16 अप्रैल को! अधिकारियों को भेजा गया लेटर

नई दिल्ली. इस साल होने वाले लोकसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान अभी नहीं हुआ है. लोकसभा के कार्यकाल के मुताबिक माना जा रहा है कि अप्रैल-मई के बीच चुनाव हो सकते हैं. इस बीच सोशल मीडिया पर एक लेटर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि 16 अप्रैल को लोकसभा के चुनाव हो सकते हैं. अब दिल्ली के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इन दावों की सच्चाई बताई है. दिल्ली के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने सोशल मीडिया में चल रही इन अटकलों और दावों को सिरे से खारिज कर दिया है. दिल्ली के चीफ इलेक्शन ऑफिसर की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर कहा गया कि मीडिया के लोग लगातार पूछ रहे हैं कि क्या दिल्ली में आम चुनाव की संभावित तारीख 16 अप्रैल है दिल्ली सीईओ ऑफिस ने लिखा, मीडिया की तरफ से सीईओ, दिल्ली आफिस के एक सर्कुलर के बारे में सवाल किए जा रहे हैं. साथ ही ये साफ करने को कहा जा रहा है कि क्या दिल्ली में #LSElections2024 के लिए वोटिंग की संभावित तारीख 16 अप्रैल 2024 है इसलिए साफ किया जाता है कि इस तारीख का जिक्र सिर्फ अधिकारियों के लिए चुनाव आयोग की चुनाव योजना के मुताबिक एक्शन प्लान बनाने के लिए किया गया है.

राजस्थान में युवा मित्र योजना बहाल करने की मांग उठाई

नई दिल्ली। राजस्थान की नवगठित विधानसभा की कार्रवाई मंगलवार को फिर शुरू हुई जहां मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के कई विधायकों ने राजीव गांधी युवा मित्र योजना, इंटर्नशिप योजना को बहाल करने की मांग की। राज्य की नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने इस योजना को बंद कर दिया है। सदन में मंगलवार को प्रश्नकाल व शून्यकाल के दौरान कई बार सत्ता पक्ष व विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोक झोंक हुई। प्रश्नकाल में विपक्ष ने सरकार की ओर से प्रश्नों के समुचित उत्तर नहीं मिलने का दावा करते हुए हंगामा किया। सदन में सरकारी भर्ती परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामलों की जांच को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष के सदस्य आमने-सामने आ गए, वहीं 'राजीव गांधी युवा मित्र योजना' को बंद किए जाने का मुद्दा भी शून्यकाल में उठा जहां कांग्रेस के कई विधायकों ने सरकार से अपना फैसला वापस लेने की मांग की। इस कार्यक्रम के तहत पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने सरकारी सेवाओं के प्रचार-प्रसार के लिए हर जिले में युवाओं को युवा मित्र के रूप इंटरर्नशिप पर रखा जिन्हें वजीफा दिया जाता था। राज्य की नई सरकार ने यह कार्यक्रम बंद कर दिया है।

कांग्रेस नेता मोइली ने मोदी के उपवास पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में नए राम मंदिर में राम लला की %प्राण प्रतिष्ठा% की अध्यक्षता करने के एक दिन बाद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने मंगलवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि उन्हें संदेह है कि क्या पीएम मोदी ने वास्तव में समारोह से पहले 11 दिनों का उपवास किया था। उन्होंने कहा कि यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया है, तो संपूर्ण गर्भगृह को अवित्र बना दिया गया है। 12 जनवरी को, प्रधान मंत्री ने 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा से पहले 11 दिवसीय अनुष्ठान (अनुष्ठान) के सभी अनुष्ठानों और नियमों का पालन करना शुरू किया। अनुष्ठान के हिस्से के रूप में, पीएम मोदी ने 12 जनवरी से उपवास रखा। इस दौरान उन्होंने सिर्फ नारियल पानी का ही सेवन किया था। अपने अनुष्ठान के हिस्से के रूप में, पीएम मोदी ने प्रतिष्ठा समारोह से पहले देश भर में उत्तर से दक्षिण तक भगवान राम से जुड़े विभिन्न मंदिरों का भी दौरा किया। उन्होंने कहा था कि मैं भावुक हूं, भाव-विह्वल हूं। मैं पहली बार जीवन में इस तरह के मनोभाव से गुजर रहा हूं।''

रेलवे के 7 कर्मचारियों पर दर्ज किया केस

नई दिल्ली। अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि सीबीआई ने 2016-23 के दौरान नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ज़ोन में परियोजनाओं से संबंधित 60 करोड़ रुपये के रिश्वत मामले में सात रेलवे कर्मचारियों और एक निजी कंपनी, भरतिया इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड पर मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे जोन के वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर संतोष कुमार को 2 करोड़ रुपये की रिश्वत के मामले में उनके परिसरों की तलाशी के बाद गिरफ्तार किया। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, तलाशी के दौरान एकत्र की गई सामग्री से पता चला कि भरतिया इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने कथित तौर पर रेलवे अधिकारियों को 60 करोड़ रुपये से अधिक की रिश्वत दी थी। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान, सीबीआई को कंपनी की परियोजनाओं से जुड़े उन अधिकारियों के नामों की एक सूची भी मिली, जिन्होंने 2016 और 2023 के बीच कथित तौर पर नकदी के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में रिश्वत प्राप्त की थी। निजी फर्म को 2016-22 के दौरान नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे से छह प्रमुख परियोजनाएं मिलीं, जिसमें स्टेशन यार्ड का निर्माण, सुरंग पोर्टलों की सुरक्षा, और सिंगल लाइन सुरंग का निर्माण, आरसीसी रिटेनिंग दीवार और बराक पर एक प्रमुख पुल की नींव शामिल थी।

पुलिस प्रणाली को आधुनिक बनाने पर काम कर रही है सरकार: शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यहां कहा कि सरकार बुनियादी ढांचे में बदलाव किए बिना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पुलिस प्रणाली को आधुनिक बनाने की बड़ी चुनौती पर काम कर रही है। नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) में बिहेवियरल फोरेंसिक पर एक सेमिनार में शाह ने कहा कि चूंकि प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है, इसलिए पुलिस को अपराधियों से दो पीढ़ी आगे रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम - के तहत सभी प्रणालियां लागू होने के बाद भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली अगले पांच वर्षों में दुनिया में सबसे उन्नत होगी। शाह ने कहा, ''जब तक हम फोरेंसिक विज्ञान को न्यायिक प्रक्रिया के सभी हितधारकों के साथ एकीकृत नहीं करते, हमें लाभ नहीं होगा।

फोरेंसिक विज्ञान का उपयोग जांच, अभियोजन और न्याय के लिए किया जाना चाहिए। अब शिक्षा में फोरेंसिक विज्ञान को अपनाकर एक कदम आगे बढ़ने का समय आ गया है।'' केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, ''ऐसे में जब हम एक मजबूत आधार के साथ आजादी के 100 साल के सफर की ओर बढ़ रहे हैं, तो मैं अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में चार चुनौतियां देख सकता हूं। बुनियादी ढांचे को बदले बिना पूरी पुलिस प्रणाली में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके इसे एक आधुनिक पुलिस प्रणाली बनाना हमारे सामने एक बड़ी चुनौती है।'' उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नयी प्रौद्योगिकियों से उत्पन्न 'हाइब्रिड' और बहुआयामी खतरे भी एक चुनौती पैदा करते हैं और हमारी प्रणाली की सुरक्षा के लिए एक नेटवर्क की पहचान करने और उसे बनाने की आवश्यकता है। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने 9,000 से अधिक वैज्ञानिक अधिकारियों और फोरेंसिक विज्ञान अधिकारियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कदम उठाए हैं, जिनकी देश को हर साल भर्ती करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, ''हमने तीन चुनौतियों पर काम किया है - एनएफएसयू के माध्यम से मानव संसाधन का निर्माण, एक तकनीकी डेटाबेस का निर्माण, डेटा एकीकरण को पूरा करना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके सॉफ्टवेयर का निर्माण और उन्हें कानूनी रूप देना।'' शाह ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली, प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक जांच को एकीकृत करना एक और बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, ''मैं (फोरेंसिक विज्ञान के) छात्रों से अनुरोध करूंगा कि वे तीन कानूनों का सूक्ष्मता से अध्ययन करें। हमने जांच, अभियोजन और न्यायिक प्रणाली में कानूनी आधार पर फोरेंसिक विज्ञान को बहुत महत्वपूर्ण स्थान दिया है और करियर के दृष्टिकोण से एक बहुत बड़ा क्षेत्र उभर कर सामने आने वाला है।'' मंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे अपराधों के रूप और तरीके बदलते हैं, पुलिस को अपराधियों से आगे रहने की जरूरत है। शाह ने कहा, ''संभवत: (स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व केंद्रीय मंत्री) के एम मुंशी ने एक बार कहा था कि पुलिस को अपराधियों से दो कदम आगे रहना चाहिए।

मैं कहना चाहूंगा कि पुलिस को अपराध और अपराधियों से दो पीढ़ी आगे रहने की जरूरत है। प्रौद्योगिकी की पीढ़ी, मानव पीढ़ी से कहीं अधिक तेज है। यदि हमारी प्रणाली अपराध से दो पीढ़ी आगे रहेगी, तो ही हम अपराध को रोकने में सफल होंगे।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी की नीति और नियमों में एकरूपता लाने के भी प्रयास किये जाने चाहिए। शाह ने कहा कि न्याय को उपलब्ध, सुलभ और किफायती बनाने के लिए प्रौद्योगिकी ही उत्तर है और नए कानून इसी को ध्यान में रखते हुए पेश किए गए हैं। उन्होंने कहा कि व्यवहार विज्ञान अपराध को रोकने में उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जितनी मजबूत प्रशासन और अच्छी न्याय प्रणाली। उन्होंने कहा कि यदि अपराध के लिए निर्धारित सजा सात साल से अधिक है, तो नए आपराधिक कानून फोरेंसिक अधिकारियों द्वारा अपराध स्थल का दौरा अनिवार्य बनाते हैं और यह प्रावधान जांच, अभियोजन के साथ-साथ न्याय प्रदान करने और सजा दर बढ़ाने में मदद करने के लिए है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, गुजरात फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी को नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी में बदलने और नए आपराधिक कानूनों को पारित करने को नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों में से एक बताते हुए कहा कि इन्हें अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा, हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र बन गए हैं और इसकी नींव पाताल से भी ज्यादा गहरी है। हमने खून की एक बूंद बहाए बिना सत्ता का हस्तांतरण देखा है और लोकतंत्र में लोगों के विश्वास पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। शाह ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले पांच वर्षों में प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एक विशाल डेटाबेस बनाने पर कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि आठ करोड़ से अधिक ई-प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और पहाड़ी क्षेत्रों के सात पुलिस थानों को छोड़कर देश के सभी पुलिस थानों को प्रौद्योगिकी के माध्यम से जोड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि शेष पुलिस थानों को जोड़ने के लिए एक समाधान पर काम किया जा रहा है।

कोंडागांव हुआ राममय, लता उसेंडी और मोहन मरकाम ने भगवान राम से मांगा आशीर्वाद

कोंडागांव। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हर्षोल्लास से संपन्न हो गई है। पूरे छत्तीसगढ़ में भी भगवान राम के आगमन पर खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर कोंडागांव में भजन कीर्तन और रामोत्सव का आयोजन किया गया। सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र राम मंदिर में दिखा। गांव से लेकर शहरों तक राम मंदिर, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर से लेकर सभी मंदिरों में भक्त जनों द्वारा भजन पूजन कीर्तन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई। लोगों ने भगवान राम से सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। झांकियों का आयोजन किया गया। गांव एवं शहर के विभिन्न मंदिरों में लाइटिंग की व्यवस्था और आतिशबाजियां की गई। कोंडागांव के मुख्य मार्ग और कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों में लाइटिंग की व्यवस्था की गई। उसके बाद मंदिरों में भजन कीर्तन के बाद भंडारे का प्रसाद वितरण किया गया।

कोंडागांव में राम झांकी का आयोजन किया गया। इस झांकी में बीजेपी विधायक लता उसेंडी शामिल हुईं। उन्होंने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों को शुभकामनाएं दी।

रामोत्सव के कार्यक्रम में पूर्व मंत्री और विधायक मोहन मरकाम भी शामिल हुए। मोहन मरकाम राम मंदिर में भक्त जनों के साथ भजन पूजन करते एवं भंडारे में प्रसाद वितरण करते नजर आ। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक दिन है। इस ऐतिहासिक दिन में वह सभी भक्तजनों के साथ इस पल का साक्षी बनना चाहते हैं। इस कार्यक्रम में भी सम्मिलित होकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने राम भगवान से आशीर्वाद मांगा एवं देश प्रदेश में खुशहाली की कामना भी की।

मानस मंडली के समूहों द्वारा भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र की विधायक लता उसेंडी भी शामिल हुईं। इस दौरान सभी पंजीकृत मानस मंडली समूहों को जिला प्रशासन की तरफ से 5000 का पुरस्कार भी दिया गया।सुबह से ही जिले के सभी मंदिरों में भजन पूजन कीर्तन के कार्यक्रम किए गए।

रामोत्सव पर रायपुर में गूंजी किलकारियां, किसी ने राम तो किसी ने रखा जानकी नाम

भगवान राम मंदिर अयोध्या की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर 22 जनवरी 2024 का दिन कई लोगों के लिए इतिहास और यादगार पल बन गया। इस दिन जिनके घरों में बच्चों की किलकारियां गूंजी। वो खुशी से झूम उठे। जय श्रीराम... जय श्रीराम के नारे लगाने लगे। किसी के घर बालक ने जन्म लिया, तो किसी के घर बालिका का जन्म हुआ। राजधानी रायपुर के अलग-अलग अस्पतालों में कुल 77 बच्चों ने जन्म लिया है। इससे लेकर परिवारों में खुशी का माहौल बना हुआ है।

माता-पिता ने अपनी खुशी बया करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए किसी ने लिखा कि मेरे घर राम आए हैं, किसी ने लिखा कि मेरे घर में रामलला का आगमन हुआ है। किसी ने नवजात शिशु का नाम राम रखा, तो किसी ने रामलला, राघवेंद्र तो किसी ने सीता और जानकी जैसे नाम दिए।

अभिभावकों का कहना है कि 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है और इसी दिन हमारे घरों में बालकों का जन्म हुआ है। बहुत ही खुशी की बात है। हम अपने बच्चा का नाम %राम% रखेंगे। किसी ने कहा कि रामलला के स्थापना के दिन हमारे घर में किलकारी गूंजी है। अपने बच्ची का नाम सीता रखेंगे। उन्होंने कहा कि हम चाहते है कि हमारा बच्चा का भी गुण भगवान राम और माता सीता की तरह हो। रायपुर जिला के अलग-अलग अस्पताल जैसे आरंग, धरसींवा, गुढ़ियारी, माना, मंदिर हसौद, उरला और अभनपुर के अस्पतालों में बच्चों ने जन्म लिया है। इसमें से आधे से ज्यादा नार्मल डिलीवरी हुई है। इसके साथ ही कई बच्चों की डिलीवरी ऑपरेशन से हुई है।

10 हजार दीपकों से जगमग हुआ ऐतिहासिक स्थल तुरतुरिया धाम

बलौदाबाजार। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरा जिला राममय हो गया। इस एतिहासिक दिन का साक्षी बना श्री राम वन गमन परिपथ में शामिल लव कुश की जन्म स्थली तुरतुरिया धाम। जहा पर शाम होते ही 10 हजार श्री राम ज्योति प्रज्वलित किए गए। जिससे पूरा तुरतुरिया धाम जगमग हो गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया था। जिसे विशेष दीपोत्सव का नाम दिया गया था। शाम होते ही दीप जलाने के लिए आसपास के ग्रामीण एवं श्रध्दालुओं बड़ी संख्या में पहुंचने लगे। वाल्मिकी आश्रम से लेकर बालमदेही नदी एवं मातागढ़ तक दीपक जलाए गए। इसके साथ ही प्रवेश द्वार, आईसीटी सेंटर, पार्किंग स्थल, गार्डन एवं अन्य स्थलों में दीपक सहित रंगबिरंगी लाईटों से पूरे स्थल को रोशनी से सजाया गया था। इस मौके पर लोगों ने उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। कई ग्रामीणों ने तो घर से ही दीपक सजाकर आये थे। इस अवसर को और विशेष बनाने जनसंपर्क विभाग द्वारा कला जत्था के माध्यम से श्री राम पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही आने वाले श्रध्दालुओं के लिए प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सिद्धांत मिश्रा, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण,बारनवापारा अभ्यारण्य अधीक्षक श्री कुदेरिया,वन विभाग एसडीओ अनिल वर्मा,गोविंद सिंह,जनपद पंचायत सीईओ हिमांशु वर्मा वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी गण सहित आसपास के ग्रामीण एवं अनेक श्रद्धालु गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में वन विभाग विशेष सहयोग रहा।

रायपुर में 7500 किलो धान से बनी श्रीराम की सबसे बड़ी रंगोली

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ राममय हो गया। इस शुभ अवसर पर प्रदेश में अनेक कार्यक्रम हुए। इसके साथ ही दीवाली की तरह घरों-घर में दीप जलाए गए और रंगोली भी बनाई गई। वहीं राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज मैदान में धान से भगवान श्रीराम की मनमोहक रंगोली बनाई गई है। यह काफी रोचक तरीके से बनाया गया है। इस रंगोली में भगवान श्रीराम का सौम्य चेहरे के दर्शाया गया है। छत्तीसगढ़ राष्ट्रवादी संघ की पहल पर इसे कलाकारों ने तैयार किया। दावा किया जा रहा है कि ये धान से बनी विश्व की सबसे बड़ी रंगोली है। इसे अंतरराष्ट्रीय रंगोली कलाकार प्रमोद साहू और उनकी टीम ने मिलकर 4 दिनों में तैयार किया है। धान से इस रंगोली को बनाने के लिए 51 कलाकारों ने कड़ी मेहनत की है। धान को अनेक रंगों में रंगकर रंगोली बनाया गया। धान और चावल के लगभग 7500 किलो से भगवान श्रीराम के रंगोली को तैयार की गई है। इसे लगभग 19600 स्केवयर फीट में तैयार किया गया है। इसके साथ ही रंगोली को विश्व रिकॉर्ड में शामिल करने के लिए आवेदन भी भेजा गया है।

वनांचल क्षेत्र में आईटीबीपी ने लगाया शिविर ग्रामीणों तक पहुंच रही सरकार की योजनाएं

खैरागढ़-छुईखदान-गंडीई। धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र कटेमा में आईटीबीपी कैम्प खुलने से था दशकों से नक्सल आतंक के साये में जी रहे ग्रामीणों को अनेक योजनाओं का अब भरपूर लाभ मिल रहा है। कैम्प बनते ही आईटीबीपी के जवानों ने कटेमा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और ज़रूरी दवाओं का वितरण किया। जिससे काफी संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए। यह कार्यक्रम 40वीं वाहिनी के कमांडेंट अनंत नारायण दत्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। साथ ही कार्यक्रम का नेतृत्व कैम्प कमांडर श्याम लाल भट्ट ने किया।

40वीं वाहिनी के चिकित्साधिकारी डॉ। रोहित तिवारी ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य एवं जानलेवा बीमारियों के प्रति जागरूक किया और 60 मच्छरदानियां भी बांटी। क्षेत्र में नया कैम्प खुलने के बाद सप्ताह भर में कटेमा गावं में आईटीबीपी का यह दूसरा मेडिकल कैम्प है। कटेमा निवासी कई दशकों से इस बीहड़ जंगल में समाज की मुख्य धारा के कटे हुए थे। लेकिन अब आईटीबीपी के सुरक्षा कैंप बनने के बाद से ही ग्रामीण समाज से जुड़ रहे हैं। कल राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर भी ग्रामीण सुरक्षा बलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विभिन्न मंदिरों में साफ़ सफ़ाई किए और हवन पूजन में कैंप में शामिल भी हुए।

आईटीबीपी लगातार राजनादगांव और खैरागढ़ ज़िले के दूरस्थ वनों में निवास करने वाले ग्रामीणों को समाज की मुख्य धारा में में जोड़ने का प्रयास कर रही है। इसी कडी में कटेमा गांव में आईटीबीपी 40वीं वाहिनीं का कैंप खुलने के बाद से ही लगातार ग्रामीणों को मुख्य धारा से जोड़ने विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं। सुरक्षा बलों की संवेदनशीलता और सतर्कता से नक्सलियों के लाल आतंक का खतरा अब धीरे धीरे शून्यता पर आ रहा है।

रामलला के आगमन पर भगवती का एलान जय श्रीराम बोलिए, फ्री में चाय पीजिए

गरियाबंद। रामलला के आगमन पर पूरे देश ने जश्न मनाया। वहीं छत्तीसगढ़ के लोगों में भी रामोत्सव पर भारी उत्साह देखने को मिला। इस पावन बेला पर सभी ने अपनी-अपनी भागीदारी निभाई। इसी कड़ी में देवभोग रोड स्थित चाय की टफरी लगाने वाली महिला भगवती देवदास उर्फ पारो ने कुछ ऐसा किया। जिसके बाद उसकी चारों तरफ प्रशंसा हो रही है।

जिसने भी यहां जय श्रीराम बोला, वो वहां से मुफ्त में चाय पिये बिना वहां से गुजर नहीं पा रहा है। सोमवार सुबह को देवभोग रोड चौराहे पर अलग ही नजारा देखने को मिला। आने-जाने वाले राहगिरों के साथ ही स्टूडेंट्स और महिलाओं को फ्री में चाय की चुस्की मिली।

जिला मुख्यालय जनपद पंचायत के समीप 13 वर्षों से एक छोटे से चाय दुकान चलाकर अपना जीवन यापन करने वाली महिला भगवती देवदास है। जिसका इस चाय की दुकान से ही गुजारा चलता है। उसने 22 जनवरी को होने वाले श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आने जाने वाले तमाम राहगीरों को एक दिन मुफ्त चाय देने का संकल्प लेते हुए सभी को मुफ्त चाय पिलाई।

चाय दुकान की संचालक भगवती उर्फ पारो ने बताया कि प्रभु श्रीराम के लिए उनकी आस्था है और उन्होंने अपने इस आस्था में यह निर्णय लिया कि वह इस पावन अवसर पर सभी ग्राहकों को एक दिन के

लिए मुफ्त चाय पिलाएगी, भगवती देवदास उर्फ पारो ने कहा ने आज सादियों का इंतज़ार ख़त्म हो रहा है मेरे प्रभु श्रीराम आ रहे हैं। मैं उतनी धनवान नहीं पर मुझसे जितना हो सके। आज मैं अपने राम जी के घर आने की खुशी में लोगों को प्रसाद के तौर पर और इस खुशी के उपलक्ष्य में मुंह मीठा करा रही हूं।

आगे कहा कि सुबह पांच बजे से सभी आने जाने वाले राहगीरों को फ्री में चाय पिला रही रही हूं। बशर्ते चाय फ्री में पीने से पहले उन्हें एक बार जय श्रीराम बोलना है। आने जाने वाले राहगिरों के साथ ही स्टूडेंट्स यह चाय की चस्की का मजा ले रहे हैं। साथ ही चाय पीने के साथ जय श्रीराम का जयकारा भी लगा रहे हैं। यह चाय की दुकान जिसमें सुबह से लेकर दुकान बंद होने तक शहर के कई छोटे बड़े जनप्रतिनिधि, पत्रकार तथा दफ्तरों के अधिकारी कर्मचारियों के जमावड़े लगे रहते हैं। भगवती के इस आस्था से आज वह चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

हत्या के विरोध में बस्तर बंद का शहर में दिखा व्यापक असर

जगदलपुर। बीजापुर के ग्राम मुवेंडी की छह माह की मासूम की गोली लगने से मौत और हसदेव के जंगल की कटाई के विरोध में सर्व आदिवासी समाज ने मंगलवार को बस्तर बंद का ऐलान किया था। बस्तर चैंबर ने भी इस बंद को अपना समर्थन दिया जिसकी वजह से इस बंद का शहर में व्यापक असर देखने को मिला। शहर के पैलेस रोड, मेन रोड, सर्किट हाउस रोड, स्टेट बैंक चौक आदि मुख्य जगहों की सारी दुकाने बंद दिखी तो वहीं ठेले-खुम्चे ने भी बंद को समर्थन देते हुए अपनी दुकानें नहीं खोलीं।

सर्व आदिवासी समाज के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने मीडिया से कहा कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 22 दिनों पहले छह माह की बच्ची की हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद इस मामले में अब तक कोई जांच होती नहीं दिख रही है। लगातार स्थानी ग्रामीण जांच की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। सर्व आदिवासी समाज में बंद बुलाते हुए इस पूरी घटना की न्यायिक जांच की मांग की है। इसके सांथ ही ठाकुर ने कहा कि लगातार आदिवासियों की पूंजी वनों को काटा जा रहा है। छत्तीसगढ़ में हसदेव के जंगलों की कटाई हो रही है। सर्व आदिवासी समाज इसका विरोध करता है और हसदेव अरण्य मामले में सरकार से खदान निरस्त करने की मांग करता है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नगर पालिका के कर्मचारियों को नहीं मिला दो माह का वेतन

कबीरधाम। नगर पालिका कवर्धा में कार्यरत स्वास्थ्य विभाग, जल प्रदाय, स्थापना, लेखा, लोक निर्माण व अन्य विभाग में कार्यरत नियमित व प्लेसमेंट कर्मचारियों को बीते दो माह से वेतन नहीं मिला है। इसे लेकर बीते हफ्ते बुधवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया था। सात दिन बाद भी इन कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला। इससे नाराज कर्मचारियों ने मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय में ताला लगाकर विरोध किया है। साथ ही जमकर नारेबाजी की। नगर पालिका सीएमओ से मुलाकात कर वेतन प्रदान करने की मांग की। नगर पालिका के सीएमओ नरेश कुमार वर्मा ने सभी कर्मचारियों के साथ बैठक कर वेतन भुगतान नही होने के कारण व तकनीकी समस्या के बारे में संपूर्ण जानकारी दी। जल्द से जल्द वेतन प्रदान करने की बात की। सीएमओ नरेश कुमार वर्मा ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा त्याग पत्र सौंपने के बाद से शासन स्तर पर अग्रिम कार्रवाई की जा रहीं है। कर्मचारियों को वेतन भुगतान के लिए अनुमति प्रदान किए जाने शासन को पत्र लिखा गया है।

अरविंद कुमार वर्मा हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश होंगे

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल और उच्च न्यायिक सेवा अधिकारी अरविंद कुमार वर्मा की छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। भारत सरकार के कानून एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भारत की राष्ट्रपति ने अरविंद कुमार वर्मा को 2 साल की अवधि के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल अपने कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी रहेगा। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनकी नियुक्ति की सिफारिश इसी महीने 4 जनवरी को की गई थी। जस्टिस के रूप में वर्मा की नियुक्ति के साथ ही छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जजों की संख्या 16 हो जाएगी। हाई कोर्ट में जजों के कुल स्वीकृत पद 22 हैं।

मंत्री बघेल ने रामायण मानस मण्डली को किया सम्मानित

बेमेतरा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल विगत दिवस बेमेतरा जिला मुख्यालय के श्री राम मंदिर में दीपदान, गंगा आरती और रामायण मानस गायन में शामिल हुए। जिला प्रशासन द्वारा कलाजत्था के माध्यम से सभी विकासखण्डों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। श्री बघेल ने भक्तिमय गाने का आनंद लिया। उन्होंने कार्यक्रम में पंजीकृत त्रिवेणी संगम मानस मण्डली पिकरी एवं जय मां शीतला मानस मण्डली भिलौरी को 5-5 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित विकासखंड और ग्राम पंचायतों में नागरिकों के लिए एलईडी टी.व्ही. व प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रसारण की व्यवस्था कराई गई थी। इस अवसर पर विधायक श्री दीपेश साहू, कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

स्वास्थ्य और राजस्व मंत्री ने नारायण देव को दी श्रद्धांजलि

सुकमा। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने आज सुकमा पहुंचकर स्वर्गीय श्री कुमार लक्ष्मी नारायण देव को विनम्र श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर गहरी संवेदना प्रगट की। स्वर्गीय श्री देव को श्रद्धांजलि देने राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय, रायपुर ग्रामीण के विधायक श्री मोती लाल साहू और श्री अजय जामवाल भी सुकमा पहुंचे। उन्होंने स्वर्गीय श्री कुमार लक्ष्मी नारायण देव के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित की और परिवारजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। गौरतलब है कि स्वर्गीय श्री कुमार लक्ष्मी नारायण देव जगदलपुर के विधायक श्री किरण देव के पिता हैं। विगत कुछ दिनों पूर्व उनका निधन हो गया था। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जगदलपुर के विधायक प्रतिनिधि श्री सोयम मुक्का, श्री धनीराम बारसे, श्री हूंगा राम मरकाम सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

राइस मिल से धान बेचे जाने की सूचना मिलते ही खाद्य टीम पहुंची औचक जांच पर

अंबिकापुर। समर्थन मूल्य में धान खरीदी के अंतिम दिनों में प्रशासन द्वारा कोचियों-बिचौलियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर श्री विलास भोस्कर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की टीम द्वारा लगातार जांच कर सख्ती के साथ अवैध धान भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को गोपनीय सूचना मिलते ही खाद्य विभाग की टीम विकासखंड सीतापुर के ग्राम पंचायत देवगढ़ के सतीश अग्रवाल द्वारा संचालित मेसर्स जय हनुमान राइस मिल पहुंची। प्राप्त सूचना के आधार पर जांच पश्चात किसानों को धान बेचने की शिकायत सही पाए जाने पर राइस मिल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। जिला खाद्य अधिकारी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि मिलर्स पर छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 एवम आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कठोर कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा नेता असीम राय हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई

■ **मुख्य आरोपी विकास पाल के लॉज पर चला बुलडोजर**

कांकेर। बीजेपी नेता असीम राय मर्डर केस में पुलिस लगातार बड़ी कार्रवाई कर रही है। कांकेर पुलिस ने इस केस में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली। उसके बाद मुख्य आरोपी विकास पाल के के लॉज पर बुलडोजर की कार्रवाई कांकेर पुलिस ने की है। जिला प्रशासन से लोगों ने इस निर्माण को गिराने की मांग की थी। बीजेपी नेताओं और लोगों ने आरोप लगाया था कि यह अवैध निर्माण है।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने लगाए जय श्रीराम के नारे- जिस वक्त बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई की जा रही थी। उस वक्त बीजेपी नेता जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। इस मर्डर कांड में विकास पाल का नाम 12 जनवरी को आया था। उसके बाद से लगातार बीजेपी नेता विकास पाल के लॉज पर अवैध निर्माण का आरोप लगा रहे थे। उसके बाद जिला प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई शुरू की।

पखांजूर तहसीलदार कुलदीप ठाकुर ने कहा निर्माण अवैध होने के कारण तोड़ा गया है। इस जमीन के लिए साल 2022 में पट्टा प्रकरण जरूर बना था। पट्टा के लिए आवेदक ने कोई रकम जमा नहीं कराई। जिससे पट्टा नहीं बना।

जिला प्रशासन ने विकास पाल को दिया था नोटिस- कार्रवाई से पहले जिला प्रशासन ने विकास पाल को नोटिस दिया था। लेकिन अतिक्रमण को लेकर विकास पाल कोई जवाब नहीं दे पाया। अब कॉम्प्लेक्स तोड़ने की कार्रवाई की गई। लॉज और होटल में रखे सभी सामान को निकाला गया। सोमवार दोपहर एक बजे तक यह कार्रवाई चलती रही। उसके बाद अवैध निर्माण को गिराया गया। जिस लॉज और कॉम्प्लेक्स को तोड़ने की कार्रवाई प्रशासन ने की है। वह नगर पंचायत पालिका नियमों के खिलाफ बना है। इसके लिए किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली गई थी। विकास पाल ने इस भूमि का पट्टा बनाने का आवेदन दिया था। लेकिन प्रकरण बनने के बाद कोई रकम जमा नहीं किया। इसलिए पट्टा नहीं बन पाया।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आवेदन आमंत्रित

कोरिया। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) बिलासपुर द्वारा जारी सहायक ग्रेड-03/कम्प्यूटर आपरेटर/प्रोसेस राईटर के पद हेतु 08 सितम्बर 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था जिसका अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2023 तक थी। सहायक ग्रेड-03/ कम्प्यूटर आपरेटर/ प्रोसेस राईटर के पद हेतु निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के अंतर्गत मान्यता प्राप्त मंडल/संस्था अथवा छत्तीसगढ़ शीघ्रलेखन मुद्रलेखन मकें 5000 की डिप्रेषन प्रति घंटा का प्रमाण पत्र संबंधी शैक्षणिक योग्यता को विलोपित कर संशोधित/शुद्धि पत्रक का विज्ञापन जारी करते हुए पात्र अभ्यर्थियों से 22 जनवरी से 27 जनवरी को शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है। विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का हुआ अयोजन

■ **बच्चों ने विभिन्न विषयों पर चित्र बनाकर दिखाया अपना हुनर**

महासमुंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विद्यार्थियों के मन से परीक्षा का तनाव कम करने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम चला रखा है। जिसे नाम दिया गया है परीक्षा पे चर्चा। इसी के तहत मंगलवार को महासमुंद के केन्द्रीय विद्यालय में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

केन्द्रीय विद्यालय महासमुंद से 10, जवाहर नवोदय विद्यालय से 10 , केन्द्रीय विद्यालय सरायपाली से 10 और विभिन्न स्कूलों से 70 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इन विद्यार्थियों को 30 थीम दिये गये थे। जैसे विकसित भारत, चंद्रयान, आदित्य एल वन, सुभाषचंद्र बोस, हंसते हुए जाइए, मुस्कुराते हुए आईए, प्रतिस्पर्धा नहीं, अनुस्पर्धा, समय आप का है सदुपयोग कीजिये, जो खेल वो खेले, अभ्यास से बढ़ेगा आत्मविश्वास, अकल को हा, नकल को ना आदि थे। जिस पर इन विद्यार्थियों को चित्रकला बनानी थी।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले हर छात्र-छात्राओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा लिखित एग्जाम वारियर्स पुस्तक और प्रमाण पत्र दिया गया। परीक्षा पे चर्चा मे भाग लेने वाले छात्र- छात्राओं ने कहा कि ये प्रधानमंत्री का अच्छा प्रयास है। इससे हम जैसे विद्यार्थियों के मन से परीक्षा का तनाव कम होता है और हमारे परीक्षा परिणाम अच्छे आते हैं। वहीं केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य का कहना है कि विद्यार्थियों के मन से परीक्षा का तनाव कम करने और क्रियेटिविटी के माध्यम से बच्चो के प्रतिभा को निखारना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।

संक्षिप्त समाचार

जनसंपर्क विभाग में तीन हुए पदोन्नत

रायपुर। राज्य शासन ने जनसंपर्क विभाग में पदस्थ तीन संयुक्त संचालकों को पदोन्नत करते हुए उन्हें अपर संचालक बनाया है और उनकी नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए। जारी आदेश के मुताबिक अलोक देव, श्रीमती हर्षा पौराणिक, संतोष मोर्या को संयुक्त संचालक के पद से अपर के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। आलोक देव जनसंपर्क संचालनालय रायपुर, श्रीमती हर्षा पौराणिक राजभवन प्रेस प्रकोष्ठ जनसंपर्क संचालनालय तथा संतोष मोर्या छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग नया रायपुर में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ किए गए थे।

आईएएस एस प्रकाश को अतिरिक्त प्रभार

रायपुर। 2005 बैच के आईएएस अफसर एस. प्रकाश को निःशक्तजन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौपा गया है जिसका आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह ने जारी किया। एस. प्रकाश अभी सचिव संसदीय कार्य विभाग, सचिव परिवहन विभाग और सचिव कल्याण विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। राज्य शासन ने उन्हें वर्तमान जिम्मेदारियों के अलावा आयुक्त निशक्तजन का भी अतिरिक्त प्रभार दिया है।

आईएएस प्रियंका को स्टेट स्वीप अवार्ड

रायपुर। आईएएस प्रियंका शुक्ला को निर्वाचन कार्य में उल्लेखनीय कामों के लिए स्वीप अवार्ड दिया जायेगा। कलेक्टर रहते कांकेर में डॉ प्रियंका ने 2023 निर्वाचन में बेहतरीन काम किया था। उनके ही प्रयासों का नतीजा था कि तीन विधानसभा वाले कांकेर जिला में पिछली बार से बेहतर वोटिंग परसेंटेज रहा। 2023 विधानसभा के अंतिम अधिकारिक आंकड़ों में कांकेर का कुल वोटिंग परसेंटेज 80.67 रहा था, जिसमें अंतागढ़ में 79.79, भानुप्रतापपुर में 81 और कांकेर में 81.14 वोटिंग हुई थी। नक्सली क्षेत्र होने के बावजूद कांकेर में बढ़े वोटिंग प्रतिशत को निर्वाचन आयोग ने भी काफी सराहा था। कांकेर में अब तक के हुए चुनावों में ये सर्वाधिक वोटिंग परसेंटेज था।

राज्य वीरता पुरस्कार 2023 के लिए 4 बच्चों का चयन

रायपुर। राज्य वीरता पुरस्कार 2023 के लिये छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के द्वारा 4 वीर बालकों का चयन कर उनके नाम का प्रस्ताव राज्य शासन के पास भेजा गया है। जिन चार बच्चों को राज्य वीरता पुरस्कार 2023 हेतु चयनित किया गया है उनमें (1) प्रेमचन्द साहू उम्र 9 वर्ष पिता श्री सुखदेव साहू एवं (2) लोकेश साहू उम्र 13 वर्ष पिता श्री सुखनंदन साहू दोनों निवासी ग्राम रामपुर (चम्पारण) जिला रायपुर ने तालाब में डूबते हुए बालक पुष्पेन्द्र साहू की जान बचाई (3) अरनव सिंह उम्र 16 वर्ष पिता श्री सुरेश कुमार सिंह ग्राम उदयपुर , अम्बिकापुर जिला सरगुजा ने आगजनी होने की सूचना प्रशासन को दीऔर चौकीदार राहुल एवं सोते हुए 3 अन्य लोगों की जान बचाई (4) मूक बधिर दिव्यांग बालक ओम उपाध्याय उम्र 16 वर्ष पिता श्री नीरज उपाध्याय ,कोहका भिलाई जिला दुर्ग ने कुत्तों के झुंड से एक बच्चे की जान बचाई । चयनित होने वाले सभी बच्चों को छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद ने बधाई देते हुए बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी और कहा कि आगे भी इसी प्रकार से निडर होकर दूसरो की मदद करते रहें ।

रायपुर एम्स में 500 ठेका कर्मचारियों ने किया काम बंद, ओपीडी सेवाएं पड़ी ठप

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थति अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कार्यरत 500 ठेका कर्मचारी काम का बहिष्कार कर हड़ताल पर बैठ गए है। इन का एम्स प्रबंधन पर आरोप है कि, वे आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से 10-10 साल से नौकरी कर रहे है, लेकिन उन्हें अकारण नौकरी से हटाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, आउटसोर्सिंग पर कार्य कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि, एम्स रायपुर द्वारा मिशन रिक्रूटमेंट के तहत जिन पदों पर आऊटसोर्स कर्मचारी हैं उन्हीं पदों कि नियमित भर्ती की गई और एम्स रायपुर द्वारा कार्यालय आदेश जारी किया गया हैं, जिसमें नियमित कर्मचारियों की नियुक्ति के पहले आऊटसोर्स कर्मचारियों की सेवा बंद करने का आदेश जारी किया गया है और एम्स प्रशासन द्वारा हमारे अनुभव और सेवाओं को अनदेखा किया जा रहा है। जानकरी के मुताबिक इन कर्मचारियों ने एम्स निदेशक से भी इस मुद्दे पर बातचीत की लेकिन जब कोई रास्ता नहीं निकला तो कर्मचारी हड़ताल पर बैठ गए है। इन कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से ओपीडी और आईपीडी की सेवाएं ठप हो गई हैं। जिससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा में शामिल हुए आप के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मिरी

भाजपा का सदस्यता अभियान, 17 पूर्व सैनिक भी हुए पार्टी में शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव से पहले सियासी घमासान तेज होता जा रहा है। सभी पार्टियां चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसी बीच मंगलवार को आम आदमी पार्टी के कई पूर्व उपाध्यक्ष समेत कई पदाधिकारियों ने सीएम विष्णु देव साय समेत बीजेपी के बड़े नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में प्रवेश किया। वहीं अखंड लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष विनोद पटेल ने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय किया है। इसके अलावा सैनिक पार्टी के महेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में कई पूर्व सैनिकों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

बता दें कि, आज से भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू हो गया है। इसी कड़ी में मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इन सभी को बीजेपी की सदस्यता दिलाई। बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश मिरी, आप यूथ विंग के प्रदेशाध्यक्ष रहे रविंद सिंह, आप के ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष रहे कमलकांत साहू, आप के प्रदेश सचिव रहे विशाल केलकर और विधानसभा चुनाव के दौरान आप के प्रत्याशी रहे कई नेता शामिल है। इसी तरह अखंड लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष विनोद पटेल ने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय किया है। वहीं पूर्व सैनिक महेंद्र प्रताप सिंह राणा के नेतृत्व में

17 पूर्व सैनिकों ने भी आज बीजेपी की सदस्यता की।

हर सुख-दुख में आपके साथ खड़ी रहेगी पार्टी: सीएम साय

बीजेपी के सदस्यता कार्यक्रम में सीएम विष्णु देव साय ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि, आज एक साथ कई पार्टियों से और पूर्व सैनिकों ने बीजेपी में प्रवेश किया है। आम आदमी पार्टी, अखंड लोकतांत्रिक पार्टी सहित पूर्व सैनिकों ने बीजेपी पर विश्वास किया उन्हें मैं बीजेपी में शामिल होंगे की शुभकामनाएं देता हूं। सीएम साय ने नए सदस्यों से कहा कि, आपके सुख दुख में पार्टी खड़ी रहेगी। आने वाले लोकसभा चुनाव में इस बार हम 400 सीटों से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करने में सफल होंगे। पूरे देश की जनता का विश्वास बीजेपी पर है, छत्तीसगढ़ की जनता ने भी मोदी की गारंटी पर भरोसा किया है। हमने मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में काम करते हुए पीएम आवास, धान की बकाया राशि देने का वादा किया हैं। पीएससी मामले की जांच भी सीबीआई को सौंपी गई हैं। आने वाले 5 साल में हमारी सरकार मोदी की हर गारंटी को पूरा करेगी।

राष्ट्र को वापस सोने की चिड़िया बनाना है तो वह भाजपा बनाएगी: माथुर

बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने कार्यक्रम के दौरान संबोधन में नए सदस्यों से कहा, राष्ट्र निर्माण का रास्ता चुनने पर आप सभी को बधाई। बीजेपी कार्यकर्ताओं की पार्टी है, अगर राष्ट्र को वापस सोने की चिड़िया बनाना है तो वह बीजेपी बनाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि, देश में 2014 के बाद एक ऐसा मर्द प्रधानमंत्री बना जो देश की बात करता है, अगर राष्ट्र को वापस सोने की चिड़िया बनाना है तो वह बीजेपी बनाएगी। भगवान राम को लेकर जारी सियासत को लेकर ओम माथुर ने कहा कि, राम बीजेपी के नहीं बल्कि पूरे विश्व के हैं राम है। जिन्होंने राम का अपमान किया है उनसे मैं कहना चाहता हूं कि इस बार हम 400 नहीं बल्कि उसके पार जाएंगे। छत्तीसगढ़ में 2023 में इतिहास बदला है, लोकसभा चुनाव में हम सब मिलकर 11 कमल के फूल मोदी जी को भेजेंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर, शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, सांसद सुनील सोनी, चुन्नी लाल साहू,भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ,कार्यक्रम अध्यक्ष शिवरतन शर्मा भी शामिल रहे।

रोहिंग्याओं को कांग्रेस सरकार ने दिया संरक्षण : टी राजा

रायपुर। राजधानी रायपुर के गुढियारी में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक अनिरुद्धाचार्य श्रीमद् भागवत कथा का वाचन कर रहे हैं। मंगलवार को तेलंगाना के गोशामहल सीट से विधायक टी राजा कथा श्रवण करने पहुंचे। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की बात कही और भाजपा सरकार से एंटी कनवर्जन विंग बनाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में मतांतरण हुआ है। कांग्रेस ने रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के अन्य हिस्सों में रोहिंग्याओं को बसाया है। ये रोहिंग्या इतने खतरनाक हैं कि इंसान तक को खा जाते हैं। पिछली सरकार का पाप का घड़ा फूट गया और जनता ने कांग्रेस को सत्ता से हटा दिया। उन्होंने कहा कि जो धर्म परिवर्तन करें, उससे वोट डालने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। सरकारी नौकरी के लिए मतांतरित लोगों को अपात्र कर देना चाहिए। किसी प्रकार की सरकारी सुविधा का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

राहुल गांधी की लोकप्रियता से भाजपा घबराई: दीपक बैज

दिल्ली से रिमोट कंट्रोल से चल रही असम सरकार, भाजपा में सबसे ज्यादा उधारी के नेता

रायपुर। असम में राहुल गांधी के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने भाजपा को आड़े हाथ लिया है। दीपक बैज ने कहा, लोकतंत्र है सबको अपनी बात रखने का, जनता के पास जाने का अधिकार है। असम में राहुल गांधी पर जिस तरह अटैक किया गया, ये देश के लिए दुर्भाग्य है। राहुल गांधी मोदी सरकार की नाकामी को जनता तक पहुंचाने यात्रा कर रहे हैं। राहुल गांधी की लोकप्रियता से भाजपा घबराई और डरी हुई है, इसलिए इस तरह की हरकत कर रहे हैं।

विधानसभा उपाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होने को लेकर दीपक बैज ने कहा, भाजपा में भीतर खाने या बाहर खाने में पूरी तरह से द्वंद है। डर की वजह से वह बाहर नहीं आ पा रहे। मुख्यमंत्री और मंत्रियों के नाम चयन में देरी की। दिल्ली से रिमोट कंट्रोल से ये सरकार चल रही है।

कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने को लेकर दीपक बैज ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा, भाजपा में सबसे ज्यादा उधारी के नेता भरे पड़े हैं। उनको अपने नेताओं के काबिलियत में भरोसा नहीं है। इसलिए दूसरी पार्टी में झांक-तांक कर रहे। देश की हालत को देखते हुए भाजपा पूरी तरह से डरी हुई है। कांग्रेस के कोई भी नेता संपर्क में नहीं है। भाजपा लालच देने और डराने धमकाने का काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी के कोई भी नेता भाजपा के संपर्क में नही हैं।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी में जुटे पीसीसी चीफ, भाजपा पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होने वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' अगले महीने छत्तीसगढ़ के सात जिलों से होकर गुजरेगी। जिसके मद्देनजर कांग्रेस ने इसकी तैयारियां अभी से शुरू कर दी है। पीसीसी चीफ दीपक बैज सारंगढ़, रायगढ़, सक्ति, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर और मुंगेली जिले के 3 दिवसीय दौरे पर रहेंगे।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने आज मीडिया को अपने दौरे को लेकर बताया कि, न्याय यात्रा के लिए वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से चर्चा कर लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति तय करनी है। सभी जिलों के वरिष्ठ नेताओं से भी चर्चा करनी है। आज से हम सारंगढ़, रायगढ़, सक्ति, चांपा, बिलासपुर और मूंगेली के तीन दिन के दौरे पर रहेंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की स्थिति को लेकर कहा कि, ऐसी बहुत सी लोकसभा सीटें हैं जहां कांग्रेस पॉजिटिव है और वहां हमारी जीत होगी। इसके अलावा बाक़ी लोकसभा में भी हमारा फोकस है जहां हम मज़बूती से चुनाव लड़ेंगे और जीत दर्ज करेंगे।

दीपक बैज ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि, भाजपा की सरकार ने जिस तरह झूठे सपने दिखा कर लोगों को लूटने का काम किया हैं, उससे जनता निराश हैं। इसका लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जबरदस्त लाभ मिलेगा। वहीं फर्स्ट टाइम वोटर को साधने बीजेपी द्वारा तैयार की गई रणनीति को लेकर बैज ने कहा कि, फर्स्ट टाइम वोटर वो हैं जो युवा शिक्षित बेरोज़गार हैं, उनके लिए सरकार ने कुछ नहीं किया। उनकी उम्मीद हैं राहुल गांधी देश में नेतृत्व करे, वे यात्रा कर जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे है, जिसका फ़ायदा हमको मिलेगा।

बीजेपी के पास मूर्ति बदलने के सिवाय कोई काम नहीं : बैज

चंदखुरी में भगवान राम की मूर्ति बदलने के सवाल पर पीसीसी दीपक बैज ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि, 2 महीने में सरकार ने और कोई काम नहीं किया है। बीजेपी के पास मूर्ति बदलने के सिवाय कोई काम नहीं। कांग्रेस को कोसने और नाम बदलने के अलावा उनके पास कोई काम नहीं है।

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में हो सकती है बारिश

छाए रहेंगे बादल, अभी और बढ़ेगी ठंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीते कुछ दिनों से मौसम का मजाज बदला हुआ है। नमी हवाओं के कारण कुछ दिनों तक मौसम ऐसे ही रह सकता है। आज सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। प्रदेश के एक-दो जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई है। इससे ठंड में बढ़ोतरी हो रही है। आज मंगलवार को राजधानी रायपुर समेत कई जगहों में हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। बीते दिनों सोमवार को सबसे ठंड इलाका अंबिकापुर रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद 1-3 डिग्री सेल्सियस तक न्यूनतम तापमान में गिरावट होने की संभवना है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि नमी हवाओं के कारण प्रदेश में बादल छाए हुए हैं।

इसके साथ ही बारिश भी हो रही है। आज सोमवार को प्रदेश के इलाकों में बारिश होने की संभावना है। बीते दिनों सोमवार को सुबह से ही बादल छाए रहे इसके साथ ही कई इलाकों में बारिश भी हुई है। वहीं प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान दंतेवाड़ा में 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है और सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में सुबह से छाए हुए हैं। इसके साथ ही रायपुर में बौछारें पड़ने के आसार है। यहां की अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ ने हासिल किया एक और राष्ट्रीय पुरस्कार

गैर कोयला मुख्य खनिज ब्लॉकों की नीलामी के लिए मिला द्वितीय बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य को गैर कोयला मुख्य खनिज ब्लॉकों की नीलामी के लिए एक और राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रहलाद जोशी ने आज मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित राज्य खनन मंत्री सम्मेलन में गैर कोयला मुख्य खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी के लिए छत्तीसगढ़ को देशभर में द्वितीय बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड से नवाजा है। यह पुरस्कार भारत सरकार के खनन मंत्रालय द्वारा दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि के लिए खनिज विभाग के सभी अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

बता दें कि, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री

डॉ। मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय खनन मंत्री सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री श्री प्रहलाद जोशी से छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से अनुराग दीवान, संयुक्त संचालक (खनिज प्रशासन) एवं इंचार्ज ऑक्श संजय कनकने संयुक्त संचालक (भौमिकी) द्वारा अवार्ड प्राप्त किया गया।

खनिज अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य निकल-क्रोमियम-प्लेटिनम-ग्रुप ऑफ एलीमेंट खनिज ब्लॉक का आंबटन करने वाला देश का पहला राज्य है। इसी प्रकार राज्य में प्रथम बार लौह अयस्क, बॉक्साइड एवं ग्रेफाईट ब्लॉक्स का आबंटन भी सफलतापूर्वक किया गया है। उन्होंने बताया कि 20 खनिज ब्लॉकों के सफल आबंटन से रायल्टी, डीएमएफ, एनएमईटी, पर्यावरण एवं अधोसंरचना उपकर के अतिरिक्त लगभग 43,700 करोड़ रूपए की आय बतौर प्रीमियम राज्य को होगी।

गौरतलब है कि प्रदेश में वर्ष 2015 उपरांत राज्य में ईऑक्शन के माध्यम से कुल 35 आबंटित गैर कोयला मुख्य खनिज ब्लॉकों में से 20 खनिज ब्लॉकों का आबंटन वर्ष 2022-23 में किया गया है। इनमें 2 चूनापत्थर, 9 लौह अयस्क, 5 बाक्साइट ब्लॉक्स एवं 2 निकल-क्रोमियम-प्लेटिनम-ग्रुप ऑफ एलीमेंट एवं 2 ग्रेफाइट खनिज सहित कुल 20 ब्लॉक्स का ई-ऑक्शन के माध्यम से खनिज पट्टा-कांपोजिट लायसेंस आबंटन किया गया।

भूपेश बघेल ने कोर्ट में किया सरेंडर, जमानत मंजूर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना नियमों का उल्लंघन करने के आरोप वाले मामले में सोमवार को कोर्ट में समर्पण कर दिया है। जिसके बाद अदालत ने उनकी जमानत मंजूर कर ली है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। कोर्ट ने उनको तलब किया था। अधिवक्ता की तरफ से भूपेश की सरेंडर अर्जी दाखिल की गई। उस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जमानत दे दी। भूपेश समर्थकों के साथ सोमवार को गौतमबुद्ध नगर जिला न्यायालय पहुंचे थे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ पंखुड़ी पाठक और अनिल यादव न्यायालय पहुंचे। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता रजनीश ने कोर्ट में दलील दी कि भूपेश बघेल को राजनीतिक द्वेष में फंसाया गया है। उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। उनकी वजह से कोई बीमारी नहीं फैली है। इस तर्क पर कोर्ट ने जमानत अर्जी स्वीकार की है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खंड बीजापुर (छ.ग.) (जल जीवन मिशन)

'ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना' (निविदा आमंत्रण सूचना)

जिला बीजापुर के विभिन्न विकासखण्डों के ग्रामों में नलजल प्रदाय योजना अन्तर्गत कार्य -पाईप लाईन एवं घरेलू नल कनेक्शन के लिए एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु प्रपत्र 'ए' में ऑनलाईन (Online) निविदा (प्रमुख अभियंता, लो.स्वा.यां विभाग रायपुर छ.ग. के यु.एस.ओ.आर. दिनांक 01.06.2020 में Amedment date 01.07.2022 से प्रभावशील एवं निविदा जारी होने की तिथि तक समस्त संशोधन सहित दरों पर) आमंत्रित की जाती है। निविदाएँ मिशन संचालक महोदय के निर्देशानुसार दिये नये ड्राफ्ट एन.आई.टी. में उल्लेखित नियम एवं शर्तों के आधार पर आमंत्रित की जा रही है। ठेकेदार निविदाएँ साईट में अपलोड नये ड्राफ्ट एन.आई.टी. के नियम एवं शर्तों के आधार पर ही निविदा में भाग लेवें पुराने नियम एवं शर्तों के आधार पर भाग लेने पर अपात्र कर दिया जावेगा। जिसके लिए स्वयं जिम्मेदार होगें।

आमंत्रित निविदाएँ निम्नानुसार है:-

क्र.	निविदा क्रमांक / दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	ग्राम	कॉल	कार्य की लागत(रू.लाख)	अमानत राशि(रू. में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	773/16.01.2024	151678	Bhairamgarh	CHOTEPALLI	6th call	20.82	15615/-
2	774/16.01.2024	151681	Bhairamgarh	MIRGANGHOTUL	6th call	26.42	19815/-
3	775/16.01.2024	151685	Usoor	BELANENDRA	5th call	16.33	12248/-
4	776/16.01.2024	151689	Bhairamgarh	BANGOLI	6th call	19.12	14340/-
5	777/16.01.2024	151690	Bijapur	NAINPAL	6th call	5.58	5000/-
6	778/16.01.2024	151716	Bhairamgarh	KHUMARMETA	6th call	11.77	8828/-
7	779/16.01.2024	151719	Bhairamgarh	MADPAL	6th call	27.64	20730/-
8	780/16.01.2024	151721	Bijapur	JARAGOYA	6th call	22.91	17183/-
9	781/16.01.2024	151723	Bhairamgarh	MATASI	6th call	10.31	7733/-
10	782/16.01.2024	151727	Bijapur	GUNDAPUR	6th call	16.06	12045/-
11	783/16.01.2024	151729	Bhairamgarh	UTLA	6th call	28.54	21405/-
12	784/16.01.2024	151774	Bhairamgarh	KISKAL	6th call	17.53	13148/-
13	785/16.01.2024	151776	Bhairamgarh	METPAL(G.P.Phulod)	6th call	9.15	6863/-
14	786/16.01.2024	151814	Bhairamgarh	HALOOR& RPAPOMARA	6th call	61.27	45953/-
15	787/16.01.2024	151822	Usoor	Pedadharmaram	6th call	11.35	8513/-
16	788/16.01.2024	151826	Bhairamgarh	USPARI	6th call	8.97	6728/-
17	789/16.01.2024	151827	Bijapur	IDENAR-01	6th call	17.43	13073/-
18	790/16.01.2024	151833	Bhairamgarh	PADNAR(G.P.Mangnar)	7th call	16.51	12383/-
19	791/16.01.2024	151834	Bhairamgarh	ENDRINAR	7th call	11.06	8295/-
20	792/16.01.2024	151670	Bhairamgarh	IDER	5th call	10.33	7748/-
21	793/16.01.2024	151677	Bhairamgarh	MARRIMETA	6th call	15.54	11655/-
22	794/16.01.2024	151680	Bijapur	CHHOTEHIROLI	6th call	13.71	10283/-
23	795/16.01.2024	151683	Bhairamgarh	KOHKAWADA	6th call	9.39	7043/-
24	796/16.01.2024	151717	Bhairamgarh	KODKA	5th call	7.04	5280/-
25	797/16.01.2024	151720	Bhairamgarh	HURREGUBALI	5th call	16.93	12698/-
26	798/16.01.2024	151722	Bhairamgarh	JARAMONGIYA	5th call	12.72	9540/-
27	799/16.01.2024	151724	Bhairamgarh	BANDEMARKA	5th call	9.19	6893/-
28	800/16.01.2024	151728	Bhairamgarh	NUGUR	5th call	28.62	21465/-
29	801/16.01.2024	151730	Bhairamgarh	CHUCHKONTA	5th call	13.09	9818/-
30	802/16.01.2024	151731	Bijapur	KAWADGAON	5th call	8.91	6683/-
31	803/16.01.2024	151732	Bhairamgarh	BHURRI	5th call	10.87	8153/-
32	804/16.01.2024	151735	Bhairamgarh	JABBE	6th call	8.66	6495/-

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की अंतिम तिथि दिनांक (Bid Due Data) 19.2.2024 तक आमंत्रित की जाती है। निविदाएं डाउनलोड करने की तिथि (Bid Due Data) 18.1.2024 से है। निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निर्विदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबस पोर्टल htts;//eoroc,cgstate.gov.in से डाउन लोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बीजापुर

जी-07278/6

भगवान राम के स्वागत में जलाए गए 11 लाख से ज्यादा दीये

लगे जय श्रीराम के जयकारें

रायपुर। अयोध्या में भगवान राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद छत्तीसगढ़ में भारी उत्साह का माहौल है। सभी इस ऐतिहासिक पल पर आनंदित हैं। भगवान राम की स्वागत कर रहे हैं। इस दौरान रायपुर में कई जगह लेजर लाइट्स से मंदिरों और भगवान राम की मूर्तियों को सजाया गया। सभी जगमग रोशनी से जगमगा उठे। इस दौरान कोटा गुढियारी के विवेकानंद परिसर में 11 लाख 11 हजार 11 सौ दीप जलाकर प्रभुराम का स्वागत किया गया। इसमें शामिल होने के लिए रायपुर के कोने-कोने से लोग पहुंचे।

इस दीपोत्सव को रिकॉर्ड में भी शामिल कराने की तैयारी चल रही है। इस दौरान भव्य आतिशबाजी भी की गई। भव्य आतिशबाजी को हर कोई देखते ही रह गए। सभी ने दीये जलाकर भगवान राम का स्वागत किया।रामोत्सव मनाया। पूरा परिसर जय श्रीराम.... जय सीताराम.... जय सियाराम के जयघोष से गूंज उठा।

भगवान राम का स्वागत करने हर तरफ जश्न का वातावरण है।

भगवान राम के ननिहाल और मामा के घर छत्तीसगढ़ में रामोत्सव पर जश्न का माहौल रहा। सभी भगवान श्रीराम के आगमन पर उनका स्वागत कर रहे हैं। रायपुर समेत प्रदेश के सभी मंदिरों में राम नाम की गूंज सुनाई दे रही है। गली-मोहल्लों और चौक-चौराहों पर जय श्रीराम... जय सियाराम... जय सीताराम... के जयघोष लग रहे हैं। पूरा प्रदेश रामनाम के जयकारे से गूंजयमान हो रहा है। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं और भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। लोग लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की।

राजधानी रायपुर के महादेव मंदिर हटकेश्वनाथ, श्रीराम मंदिर वीआईपी चौक, जैतूसाव मठ पुरानी बस्ती, दूधाधारी मठ, गुढ़ियारी श्रीराम मंदिर, जगन्नाथ मंदिर शंकर नगर, सर्वधर्म मंदिर रेलवे स्टेशन में लोग पहुंचकर प्रभु राम की पूजा अर्चना किए। जगह-जगह आरती उतारी गई। मंदिरों में घंटी, शंख, घंटा और घड़ियाल की आवाज से पूरा वातावतरण भक्तिमय हो गया। हर तरफ श्रीराम के जयकारें लग रहे हैं। पूरा रायपुर राममय हो गया है। मंदिरों, गलियों, कस्बों, बाजार, चौक-चौराहों, धार्मिक स्थलों, सरकारी इमारतों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी भवनों को आकर्षक तरीके से संजाया गया। तोरण और झंडे से पूरा शहर दुल्हन की तरह सज हुआ है।

लक्षद्वीप से अयोध्या तक

अक्षय शुक्ला

प्रधानमंत्री मोदी टूरिज़्म के सबसे बड़े ब्रैंड एम्बैसडर बन गए हैं। जहां भी वे जाते हैं, उस जगह को लेकर न सिर्फ लोगों की जिज्ञासा बढ़ जाती है, बल्कि वहां जाने वालों की तादाद भी। लक्षद्वीप का उदाहरण हमारे सामने है। नए साल की शुरुआत में ही वहां के खूबसूरत समुद्री बीच के किनारे प्रधानमंत्री के टहलने और स्नॉर्कलिंग करने की तस्वीरें ऐसी वायरल हुईं कि हर कोई इस पर्यटन स्थल की जानकारी लेने में जुट गया। इस आइलैंड के ऑनलाइन सर्च में हज़ार गुना की बढ़ोतरी हो गई। पीएम मोदी ने अपनी इस यात्रा के ज़रिए एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। मालदीव के चीन समर्थित नए राष्ट्रपति जिस तरह से भारत को आंखें दिखा रहे हैं, लक्षद्वीप की इन तस्वीरों के ज़रिए उन्हें तो एक संदेश मोदी ने दिया ही, साथ ही वोकल फॉर लोकल के अपने नारे को भी प्रमोट कर दिया। यानी देश में ही जब इतना खूबसूरत पर्यटन स्थल मौजूद है तो अधिक पैसा खर्च कर किसी विदेशी डेस्टिनेशन का रुख क्यों करना। फिर क्या था, मालदीव में अपनी छुट्टियां बिताने वाले ढेर सारे सिलेब्रिटीज़ ने भी लक्षद्वीप की खूबसूरती का बखान करते हुए कई पोस्ट सोशल मीडिया पर कर डाले। मालदीव की आमदनी में भारतीय पर्यटकों का योगदान कितना अहम है, उसका अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां की बुकिंग कैंसल करने वालों की बढ़ती संख्या ने मालदीव के पर्यटन उद्योग की धड़कनें बढ़ा दीं। बहरहाल, एडवेंचर के शौकीनों के लिए लक्षद्वीप हॉट डेस्टिनेशन बन चुका है। लेकिन अभी कनेक्टिविटी को लेकर यहां बहुत काम बाकी है। यहां का एयरपोर्ट अभी अधिक और बड़ी फ्लाइट्स का बोझ झेलने लायक नहीं है। होटल और रेसॉर्ट की संख्या भी सीमित है। 2019 में मोदी ने केदारनाथ मंदिर से 800 मीटर दूर स्थित एक गुफा में ध्यान लगाया था। उसके बाद से केदारनाथ जाने वाले लोगों के लिए वह गुफा कौतूहल का केंद्र बन गई। 2013 की प्राकृतिक आपदा में पूरी तरह तबाह हो चुके केदारनाथ के पुनर्निर्माण कार्य के बीच 2017 में भी प्रधानमंत्री यहां पहुंचे थे और 80 के दशक में मंदिर से दो किमी पहले मंदाकिनी नदी के किनारे गरुड़ चट्टी में डेढ़ महीने तक साधना करने की अपनी कहानी सुनाई थी। मंदिर के पास ऐसी तीन गुफाएं हैं, जो गढ़वाल मंडल विकास निगम के लिए अब आय का बड़ा ज़रिया बन चुकी हैं। पिछले साल अक्टूबर में प्रधानमंत्री की पिथौरागढ़ के आदि कैलाश से तस्वीरें सामने आईं और देखते ही देखते यह जगह सबके आकर्षण का केंद्र बन गई। यहां के ज्योलिंकोंग में हिमाच्छादित आदि कैलाश पर्वत के सामने ध्यान में बैठे पीएम की फोटो अखबार में छपी और चीन सीमा के निकट स्थित इस जगह को लेकर लोगों का क्रेज़ अचानक बढ़ गया। यूं तो बनारस शुरू से ही देसी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है, लेकिन 2014 में मोदी के यहां से जीतने पर और दो साल पहले काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तैयार होने के बाद यहां जाने वाले पर्यटकों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। पिछले साल के पहले नौ महीनों में ही लगभग 32 करोड़ पर्यटक उत्तर प्रदेश घूमने पहुंचे, जिनमें काशी सबसे पसंदीदा जगह रही। इसके बाद दूसरे व तीसरे नंबर पर प्रयागराज और अयोध्या रहे। अब राम मंदिर बनने के बाद स्पष्ट है कि अयोध्या बनारस को पीछे छोड़ने वाला है। हर महीने यहां दो करोड़ पर्यटकों के आने और सालाना 55 करोड़ रुपये की आय का अनुमान है। पर्यटकों के विशाल हुजूम को संभालने के लिए बड़े पैमाने पर होटल, रेस्तरां खोले जाने की तैयारी है। अगले दस साल में इस इलाके की पूरी अर्थव्यवस्था ही बदल जाएगी। इस दौरान यहां 85 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की संभावना जताई गई है। अयोध्या और काशी के ज़रिए उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है, जो इस राज्य की तस्वीर के साथ ही तकदीर भी बदल देगा।

हिन्दुत्व के कमंडल में समा गया राजनीति का मंडलवाद

उमेश चतुर्वेदी

साल 1989 में हिमाचल प्रदेश के पालनपुर में भारतीय जनता पार्टी ने राममंदिर को लेकर जैसे ही प्रस्ताव पारित किया, राजनीतिक और मीडिया की चर्चा में इसे कमंडल की राजनीति कहा जाने लगा। चूंकि तब तक राजनीतिक और मीडिया की सोच पर वामपंथी वैचारिकी का वर्चस्व था, इसलिए सहज ही इस पर कमंडल की राजनीति का विशेषण थोपना आसान रहा। इसके अगले साल, आजादी की 44वीं सालगिरह के ठीक हफ्ताभर पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 11 साल से भारत सरकार की किसी धूलभरी आलमारी में पड़ी मंडल आयोग की रिपोर्ट की धूल झाड़कर उसे लागू कर दिया। इस फैसले को तब मंडल की राजनीति के रूप में जाना गया। उसकी तर्ज पर राम मंदिर का राजनीतिक आंदोलन कमंडल की राजनीति के दायरे में कैद कर दिया गया।

चाहे मंडल की राजनीति हो या कमंडल की, इनमें आपसी प्रतिस्पर्धा रही तो राजनीति की एक धारा ऐसी भी थी, जो कमंडल की राजनीति की खुलकर विरोधी थी, लेकिन वह मंडल की धारा से भी कम से कम खुले रूप में सहमत नहीं थी। निश्चित तौर पर इस धारा की सबसे बड़ी प्रतिनिधि वह कांग्रेस थी, जिसके बिना राजनीति कौन कहे, भारत की भी कल्पना नहीं की जा सकती थी। भले ही अधूरे मन से कांग्रेस ने कमंडल की राजनीति की शुरूआत की, लेकिन अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की अपनी सोच के चलते वह लगातार उहापोह में रही।

फरवरी 1986 में राममंदिर का आनन फानन में ताला खुलवाना कांग्रेस की जल्दबाजी की राजनीति थी। लेकिन बाद में वह इसका श्रेय लेने से भी हिचकने लगी और देखते ही देखते अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की अपनी वैचारिक सोच के दबाव में इस राजनीति की कट्टर विरोधी बन गई। रही बात मंडल की राजनीति की तो उसे एक पूर्व कांग्रेसी ने लागू जरूर किया। यहां याद करना चाहिए कि प्रधानमंत्री बनने से महज दो साल पहले तक विश्वनाथ प्रताप सिंह कांग्रेस के ना सिर्फ कद्दावर नेता थे, बल्कि कांग्रेस के प्रथम परिवार के हुजूरबंदी भी थे। मंडल की राजनीति समाजवादी धारा की उस पारंपरिक सोच का ही मूर्त रूप थी, जो %पिछड़े पावें सौ में साठ% के नारे से खुद को अभिव्यक्त करती थी। चाहे कमंडल की राजनीति हो या मंडल की, दोनों का प्रभाव देखते ही देखते इतना विस्तारित हुआ कि समूची राजनीति इन्हीं दोनों वैचारिकताओं के घेरे में आ गई। मंडल के साथ समाजवादी धारा की राजनीति के भी दो धड़े हो गए। कालांतर में कमंडल यानी राममंदिर के लक्ष्य वाली राजनीति इतनी ताकतवर होती गई कि शुरू में उसके खून की प्यासी रही समाजवादी धारा से फूटकर निकली पार्टियों मसलन, समता पार्टी, जनता दल यू, इंडियन नेशनल लोकदल, बीजू जनता दल, लोक शक्ति और लोकजनशक्ति को उसकी ही छतरी की छांव में अपना अस्तित्व नजर आने लगा। बेशक कमंडल की राजनीति का प्रमुख चेहरा भारतीय जनता पार्टी ना सिर्फ रही, बल्कि वह आज भी है। समाजवादी धारा की राजनीति के कुछ दल अपने तत्कालिक लाभों और सत्ता के लिए भाजपा की छतरी के नीचे से छिटकते और वापस आते रहे। लेकिन इन दलों की चाहे छिटकन हो या वापसी, इससे एक बात साफ है कि इन दलों ने अपने वोट बैंक की खातिर भले ही ऑन द रिकॉर्ड मंदिर को स्वीकार नहीं किया, लेकिन उसके प्रति अपनी मौन सहमति जताते रहे।

कमंडल और मंडल की राजनीति से कांग्रेस लगातार दूर होती गई। इसका असर यह हुआ कि वह सिमटती चली गई। मंडल और कमंडल की राजनीति के चलते भारत में मोटे तौर पर दो तरह का वोट बैंक उभरा। मंडलवाद की वजह से पिछड़ी जातियां बेशक ताकतवर हुईं, लेकिन इसने हिंदू समाज में विघटन को बढ़ावा दिया। इससे पिछड़ावाद को बढ़ावा मिला। शुरू के दिनों में पिछड़ावाद के सिद्धांतकारों ने कमंडल की राजनीति को सवर्णवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इसे सैद्धांतिक जामा भी पहनाया और इसे स्थापित करने में कामयाब भी रहे। हालांकि कमंडल की राजनीति हकीकत में हिंदू समाज में विघटन के बजाय एकत्व को बढ़ावा देती रही। इस संदर्भ में कमंडल की राजनीति ने एक तरह से भारत को जातीय विघटन और इससे उपजे संकुचित मानस को खत्म करने की कोशिश ज्यादा की।

कालांतर में कमंडल की राजनीति ने मंडल की राजनीति को भी खुद में समाहित कर लिया। कमंडल की राजनीति के प्रमुख चेहरे भारतीय जनता पार्टी को देखिए। जिसे कुछ साल पहले तक समाजवादियों और कम्युनिस्टों की ओर से बाभन-बनिया की पार्टी का तमगा हासिल था, वहां अब सभी जाति वर्गों के नेताओं की स्वीकार्यता बन चुकी है। भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अब पिछड़ी जाति के पास है। बाबा साहब अंबेडकर भी भाजपा के आराध्य हैं। पिछड़ी जातियों के नायक अब भाजपा के भी नायक हैं। इन संदर्भों में कह सकते हैं कि अयोध्या में राममंदिर की स्थापना के बाद भारत में विघटनवाद की राजनीति को पहली बार बड़ी चोट लगी है। राममंदिर का मूर्त रूप लेना एक तरह से कमंडल की राजनीति की स्वीकार्यता का स्थापन भी है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व इसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है। हालांकि उसके यहां भी कई ताकतें ऐसी हैं, जिसे कमंडलवादी सोच स्वीकार्य होने लगी है।

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू का राममंदिर की प्राणप्रतिष्ठा के दिन राममंदिर में जाना, भूपेश बघेल का राम वनगमन पथ को अपना राज रहते मान्यता देना, कमलनाथ का दावा करना कि ताला उनकी सरकार ने खुलवाया, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के समूचे नेतृत्व का राममंदिर के मुख्य पुजारी की कुटिया में जाकर खिचड़ी खाना, एक तरह से कमंडलवादी राजनीति में अपने को समायोजित करने की कोशिश ही है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर क्या वजह है कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व इसमें समाने की कोशिश नहीं कर रहा? क्या उसका अपना कोई निजी एजेंडा है, क्या उस पर किसी देसी या विदेशी ताकत का दबाव है। इसका जवाब कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व ही दे सकता है। कांग्रेस ने ऐसी गलती मंडल की राजनीति को लेकर भी की। उसने मंडलवाद की धारा में खुद को समायोजित करने की कोशिश भी नहीं की। कांग्रेस ना तो कमंडल की हो पायी और ना मंडल की। मंडलवाद की ओर जब वह बढ़ी तो उसी वक्त कमंडलवाद का प्रमुख चेहरा भाजपा भी दौड़ पड़ी। इस दौड़ में भाजपा आगे निकल चुकी है। जबकि कांग्रेस कोसों पीछे है। वह मंडलवादी हुई तो मंडलवादी राजनीतिक तत्वों की उसे भले ही सहज स्वीकृति मिली है, लेकिन मंडलवादी सोच वाला लोक उसके साथ वैसे खड़ा नजर नहीं आ रहा है। कमंडल की राजनीति एक तरह से समाज को जोड़ने की राजनीति रही है। राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने एक और अनूठा काम किया है। उसने कमंडल और मंडल को साथ ला दिया है। राम के जरिए लोक में बहती सहज धारा इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण बन गई है।

इसका यह मतलब नहीं कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश में रामराज्य आ जाएगा। विघटनवादी वैचारिकी के सहारे जिनकी राजनीति चलती है, जिनकी रोजी-रोटी चलती है, जिन्हें इसी के नाम से देसी-विदेशी आर्थिक और वैचारिक सहयोग मिलता है, वे ताकतें चुप नहीं बैठेंगी। बेशक राममंदिर ने उनके मनोबल को किंचित चोट जरूर पहुंचाई है। पूरे भारत में जिस तरह राममंदिर के लिए लोक में लहर दिख रही है, अगर वह ऐसे ही कायम रह पाई तो विघटनवादी ताकतों के लिए बड़ी चोट होगी। उम्मीद करनी चाहिए कि समायोजन की यह धारा पूर्णिमा के समुद्री ज्वार की तरह ना हो। लोकहित में इसकी उम्र का लंबा होना जरूरी है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महापनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

यह उपनिषद् सामवेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। महत् स्वरूप वाली यह महोपनिषद् श्री शुकदेव जी एवं महाराज जनक तथा ऋभु एवं निदाघ के प्रश्नोत्तर रूप में प्रकट हुई है। इसमें कुल छः अध्याय हैं। प्रथम अध्याय में सर्वप्रथम नारायण की अद्वितीयता एवं ईशत्व का विवेचन है। तदुपरान्त यज्ञीय स्तोम की उत्पत्ति, चौदह पुरुष एवं एक कन्या की उत्पत्ति, पच्चीस तत्त्वात्मक पुरुष की उत्पत्ति, रुद्र की उत्पत्ति, चतुर्मुख ब्रह्मा की उत्पत्ति, व्याहृति, छन्द, वेद और देवताओं की उत्पत्ति, नारायण की विराट् रूपता तथा नारायण की उपलब्धि का स्थान हृदय बताया गया है। द्वितीय अध्याय में शुकदेव के स्वयं उद्भूत पारमार्थिक ज्ञान-तत्त्वज्ञान के होते हुए भी शुकदेव की अविश्रान्ति, व्यास जी के उपदेश के प्रति शुकदेव का अनादर, शुकदेव का जनक के पास जाना, जनक द्वारा शुक की परीक्षा, शुक-जनक संवाद, बन्धन-मोक्ष का विवेक, जीवन्मुक्त स्थिति, विदेहमुक्त स्थिति, शुकदेव के भ्रम का निवारण तथा शुकदेव को विश्रान्ति की प्राप्ति आदि विषयों का विवेचन है। तृतीय अध्याय का शुभारम्भ निदाघ के विचार के साथ हुआ है। तदुपरान्त प्रपञ्च (जगत) का अनित्यत्व, अहंकार, तृष्णा आदि की अनर्थकता, देह तथा उसकी अवस्था की निन्दा, संसार की दु:खमयता, स्त्री निन्दा, दिशाओं आदि की क्षणभंगुरता तथा वैराग्य से तत्त्व जिज्ञासा आदि विषय व्याख्यायित हैं। चतुर्थ अध्याय में मोक्ष के चार उपाय, शास्त्रादि द्वारा आत्मावलोकन विधि, समाधि का स्वरूप, जीवन्मुक्त स्थिति, शम, सन्तोष, आत्मविश्रान्ति से कृतकृत्यता, दृश्य जगत् का मिथ्यात्व, आसक्ति तथा अनासक्ति से बन्धन और मोक्ष की स्थिति, संसार की मनोमयता, चैतन्य की अनुभूति ही समाधि, जगत् का मिथ्यात्व, शान्त मन:स्थिति से ब्रह्म प्राप्ति, निर्विशेष ब्रह्मज्ञान की महिमा, वासना के परिहार **(क्रमश:)**

राष्ट्रीय बालिका दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत 2009 से की गई। सरकार ने इसके लिए 24 जनवरी का दिन चुना क्योंकि यही वह दिन था जब 1966 में इंदिरा गांधी ने भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। इस अवसर पर सरकार की और से कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। समाज में बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक बनाने के लिए अनेको आयोजन होते हैं।

हमारे देश में कन्या भ्रूण हत्या की वजह से लड़कियों के अनुपात में काफी कमी आयी है। पूरे देश में लिंगानुपात 940:1000 है। एशिया महाद्वीप में भारत की महिला साक्षरता दर सबसे कम है। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में 6 से 14 साल तक की ज्यादातर लड़कियों को हर दिन औसतन 8 घंटे से भी ज्यादा समय केवल अपने घर के छोटे बच्चों को संभालने में बिताना पड़ता है। इसी तरह, सरकारी आंकड़ों में दर्शाया गया है कि 6 से 10 साल की जहां 25 प्रतिशत लड़कियों को व 10 से 13 साल की 50 प्रतिशत से भी ज्यादा लड़कियों को स्कूल छोड़ना पड़ता है। एक सरकारी सर्वेक्षण में 42 प्रतिशत लड़कियों ने यह बताया कि वे स्कूल इसलिए छोड़ देती हैं, क्योंकि उनके माता-पिता उन्हें घर संभालने और अपने छोटे भाई-बहनों की देखभाल करने को कहते हैं।

आज की बालिका जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है चाहे वो क्षेत्र खेल हो या राजनीति, घर हो या उद्योग। एशियन खेलों के गोल्ड मैडल जीतना हो या राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होकर देश सेवा करने का काम हो। लेकिन इसके उपरान्त आज भी वह अनेक कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उसके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती हैं। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है या जन्म लेते ही लावारिस छोड़ दिया जाता है। आज भी समाज में कई घर ऐसे हैं, जहां बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जा रही है। भारत में 20 से 24 साल की शादीशुदा औरतों में से 44.5 प्रतिशत औरतें ऐसी हैं, जिनकी शादियां 18 साल के पहले हुईं हैं। इन 20 से 24 साल की शादीशुदा औरतों में से 22 प्रतिशत औरतें ऐसी हैं, जो 18 साल के पहले मां बनी हैं। इन कम उम्र की लड़कियों से 73 प्रतिशत बच्चे पैदा हुए हैं। इन बच्चों में 67 प्रतिशत कुपोषण के शिकार हैं। हम अनेकों अवसरों पर कन्या का पूजन करते हैं लेकिन जब खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो मातम का माहौल बना लेते हैं। यह हालात भारत के हर हिस्से में हैं। हरियाणा और राजस्थान के हालात तो इतने खराब हैं कि यहां बच्चियों को अभिशाप तक माना जाता है। कन्याओं को अभिशाप मानने वाले यह भूल जाते हैं कि वह उस देश के वासी हैं जहां देवी दुर्गा को कन्या रूप में पूजने की प्रथा है। जो लोग कन्याओं को बोझ मानते हैं उन्हें ही सही मार्ग बताने और कन्या-शक्ति को जनता के सामने लाने के लिए हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है।

मालदीव का ड्रैगन के जाल से निकलना आसान नहीं होगा

योगेंद्र योगी

भारत का विरोध और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मालदीव के लिए चीन से रिश्ते पचाना इतना आसान नहीं हैं। चीन की अघोषित साम्राज्यवादी नीति का शिकार श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के कई देश हो चुके हैं। चीन ने इन देशों को आर्थिक रूप से जकड़ कर गुलाम बनाने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ने आर्थिक पैकेज देकर समय रहते श्रीलंका को चीन के हाथों नहीं बचाया होता तो यह देश कब का कंगाल हो गया होता। भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों देशों ने 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौते की आड़ में चीन न सिर्फ मालदीव को आर्थिक शिकंजे में कसेगा बल्कि अपनी सैन्य विस्तार की नीति को भी अंजाम देने से बाज नहीं आएगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इस पर मालदीव के तीन मंत्रियों की आपत्तिजनक बयानबाजी की। इन तस्वीरों पर मालदीव की मुइज्जू सरकार में मंत्री मरियम शिउना ने आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। उन्होंने मोदी को इजरायल से जोड़ते हुए निशाने पर लिया था और लक्षद्वीप का भी मज़ाक उड़ाया था। इससे भारत में रोष की लहर फैल गई। सोशल मीडिया पर देश में बॉयकॉट मालदीव शुरू हो गया है और कई लोगों ने मालदीव के लिए फ्लाइट और होटल बुकिंग कैंसिल करवा दी। आम जनता से लेकर फिल्मी हस्तियां भी भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र के सपोर्ट में उतर आई। इस बीच मालदीव के कई दिग्गज नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र और भारत का सपोर्ट किया और आपत्तिजनक बयान की कड़ी निंदा की।

मामला बढ़ता देख मालदीव की सरकार ने कहा कि जो बातें सोशल मीडिया पर कही गईं वे निजी

बयान हैं और इनका सरकार से कोई नाता नहीं। घबराए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर मामले को ठंडा करने का प्रयास किया। इसके बावजूद देश में रोष बरकरार है। मुइज्जू ने चीन के फुजियान प्रांत में मंगलवार को राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित किया। यहां वह चीन के सामने पर्यटक भेजने के लिए गिड़गिड़ाते नजर आए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि चीन अधिक पर्यटकों को भेजने के प्रयासों को तेज करे। मालदीव में 2023 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को उभारा गया और इस विषय पर दुष्प्रचार का प्रयास किया था। यूरोपीय संघ (ईयू) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने दुष्प्रचार किया था।

मालदीव के लिए यूरोपियन इलेक्शन ऑब्जरवेशन मिशन (ईयू ईओएम) ने पिछले साल नौ और 30 सितंबर को हुए दो दौर के चुनाव पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्तारूढ़ गठबंधन प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में भारत विरोधी भावनाओं को प्रमुखता दी और गलत सूचना फैलाने का प्रयास किया, जिससे मुइज्जू ने जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय अधिकारियों के निमंत्रण पर हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र में 11 सप्ताह के लंबे अवलोकन के बाद ईयू ईओएम ने कहा कि पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा चलाया गया अभियान राष्ट्र पर भारत के प्रभाव की आशंकाओं पर आधारित था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईयू ईओएम पर्यवेक्षकों ने पीपीएम-पीएनसी की ओर से राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक भाषा के उदाहरण देखे हैं। इसमें कहा गया कि पार्टियों के अभियान में भारत विरोधी भावनाएं शामिल थीं। देश के अंदर भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति के बारे में भी चिंता प्रकट की गई थी। इसके साथ ही ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान चलाए गए। ईयू मिशन ने उल्लेख किया कि राजनीतिक और प्रचार अभियान के तहत धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी का अभाव देखा गया। ईयू ईओएम ने सरकारी मीडिया सहित मीडिया के राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया, जबकि इंटरनेट मीडिया में सूचना में हेरफेर के भी कुछ संकेत मिले। उस समय के मौजूदा राष्ट्रपति, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, पिछले साल फिर से चुनाव में उतरे थे। विपक्षी पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा समर्थित पीएनसी के मोहम्मद मुइज्जू ने उन्हें हराकर 54 प्रतिशत वोटों के साथ चुनाव जीता। गौरतलब है कि भारत का प्रयास रहा है कि सभी पड़ोसी देशों से बराबरी के द्विपक्षीय रिश्ते कायम रहे। भारत ने कभी भी पड़ोसी छोटे मुल्कों के साथ छलकपट नहीं किया। यही वजह रही कि भारत ने नेपाल और बांग्लादेश के साथ सीमा संबंधी विवादों को द्विपक्षीय सहयोग से हल करने का प्रयास किया। भारत ने उदारता दिखाते हुए बांग्लादेश को कई हिस्से वापस तक कर दिए। यहां तक की गृहयुद्ध से जूझ रहे बर्मा में भी भारत ने कभी निजी हितों के मद्देनजर हस्तक्षेप करके अनुचित फायदा लेने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत चीन छलकपट की नीति अपनाता रहा है। इसका नया प्रमाण भूटान के राजशाही परिवार के अधीन आने वाली सीमावर्ती भूमि पर चीन का अतिक्रमण है।

मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। इसमें एक बड़ा हिस्सा भारत के पर्यटकों का है। वर्ष 2023 में 17 लाख से अधिक पर्यटकों ने मालदीव की यात्रा की थी जिनमें 2.09 लाख से अधिक भारतीय थे। इसके पहले 2022 में भारतीय सैलानियों की संख्या 2.4 लाख से अधिक थी। राजनीतिक संकट हो, आर्थिक मदद हो या फिर कोई आपदा हो जब-जब मालदीव को मदद की जरूरत थी, तब-तब भारत उसके साथ खड़ा नजर आया। वर्ष 2020 में जब कोरोना महामारी का संकट पूरी दुनिया पर छाया हुआ था, तब भी भारत सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम वहां भेजी और टीकाकरण अभियान भी चलाया। भारत ने कभी भी जोर-जबरदस्ती से सेना को मालदीव में नहीं भेजा। फरवरी 2021 में, भारत ने मालदीव के साथ उथुरू थिला फाल्हू द्वीप पर राष्ट्रीय रक्षा बल तटरक्षक बंदरगाह को विकसित करने के लिए विकास सौदे पर साइन किए थे। इस सौदे के जरिए समुद्र क्षेत्र की बेहतर निगरानी में मदद मिली थी। इसके बाद भारत ने मालदीव को कोस्टगार्ड के लिए एक पेट्रोल वैसल, एयर सर्विलांस के लिए एयर डॉर्नियर विमान, दो अटैक हेलिकॉप्टर प्रचंड दिया था। इसके अलावा 75 भारतीय जवानों को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया। हालांकि, भारतीय सेना की मौजूदगी के खिलाफ इंडिया आउट अभियान चलाया गया। मोहम्मद मुइज्जू ने अपने राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान इंडिया आउट का नारा दिया था। उन्होंने भारतीय सेना की 75 सैनिकों वाली टुकड़ी को हटाने का संकल्प लिया था। इसके अलावा मालदीव में विपक्षी दलों ने मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार को भारत के साथ अपनी बढ़ती निकटता के लिए निशाना बनाया था। यही नहीं, तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम सालेह पर भारत को मालदीव बेचने का आरोप लगाया था। मालदीव में साल 2023 में राष्ट्रपति चुनाव हुए थे। इसमें मोहम्मद मोइज्जू की जीत हुई थी। मोइज्जू ने चुनाव प्रचार के दौरान भी भारत का विरोध किया। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद मोइज्जू ने भारत से अपनी सेना वापस लेने को कहा। उकसावे भरी कार्रवाई के तहत मोइज्जू ने पहले टर्की और फिर चीन की यात्रा की। टर्की कश्मीर के मुद्दे पर भारत का विरोध करता रहा है।

आज का इतिहास

1744 फिलीपींस में दगोहॉय विद्रोह जीयुसेप लैम्बरटी की हत्या के साथ शुरू हुआ।

1813 फिलहारमोनिक सोसाइटी की स्थापना लंदन में की गयी (बाद में रॉयल फिलहारमोनिक सोसाइटी)।

1848 जेम्स डब्ल्यू मार्शल ने कैलिफ़ोर्निया के कोलोमा में सटर मिल में सोने की खोज की, जिससे कैलिफोर्निया गोल्ड रश में चला गया।

1848 कैलिफोर्निया गोल्ड रश- जेम्स डब्लू मार्शल कोलोमा ने कैलिफ़ोर्निया के सुटर मिल में सोने की खोज की।

1857 कलकत्ता और बॉम्बे विश्वविद्यालय दक्षिण एशिया में पहला बहुआयामी आधुनिक विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया।

1859 230 मीटर गहराई तक तेल के लिए खोदे गये कुएं से पहली बार तेल निकला।

1900 दूसरा बोअर युद्ध- बोअर बलों ने स्पाइस कोप की लड़ाई में लाडस्मिथ की घेराबंदी को तोड़ने के ब्रिटिश प्रयास को रोक दिया।

1924 रूस के सेंट पीट्सबर्ग शहर का नाम बदलकर लेनिनग्राद किया गया।

1936 अलबर्ट सैरुएट फ्रांस के प्रधानमंत्री बने।

1939 चिली में भूकंप से 30 हजार लोग मारे गए।

1950 संविधान सभा ने राजेंद्र प्रसाद को देश का पहला राष्ट्रपति चुना।

1961 बोइंग बी -52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस दो मार्क 39 परमाणु हथियार लेकर उत्तरी कैरोलिना के गोल्ड्सबोरो के पास मध्य हवा में टूट गया; एक बम बरकरार रखा गया था, दूसरा विघटित हो गया।

1965 ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सर विंस्टन चर्चिल का 90 वर्ष की उम्र में निधन हुआ।

1968 वियतनाम वॉर-द फर्स्ट ऑस्ट्रेलियन टास्क फोर्स ने लुओंग मिन्ह और बिएन होआ के आसपास व्यापक लड़ाई के दौरान उत्तरी वियतनामी सेना और वियत कांग के खिलाफ ऑपरेशन कोबर्ग की शुरुआत की।

1972 जापानी सैनिक शोईची योकोई को गुआम जंगल में छिपा हुआ पाया गया था, जहाँ वह द्वितीय विश्व युद्ध के अंत से था।

1978 सोवियत परमाणु संचालित उपग्रह कोस्मोस 954 ने कनाडा के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में रेडियोधर्मी मलबे को बिखेरने के दौरान, जला दिया।

1984 एप्पल कंप्यूटर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में अपना मैकिन्टोश पर्सनल कंप्यूटर को बाजार में उतारा।

1993 किंशासा फैन शहरों में डीसी -3 दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण दुर्घटना में 12 लोगों की जान चली गई।

रामजन्मभूमि अयोध्या में 495 सालों के संघर्ष और साधना की संक्षिप्त कथा

संजय तिवारी

1528 से 2023 के बीच कुल 495 सालों का अंतराल है। 495 सालों का यह अंतराल अयोध्या के लिए अंतहीन प्रतीक्षा का समय था, जिसका अब अंत हो गया है। आज रामलला के नवनिर्मित मंदिर में उनकी प्राण प्रतिष्ठा के साथ 495 सालों के संघर्ष, साधना और करोड़ों लोगों की मनोकामना की पूर्ति हो गयी है। लेकिन इस मनोकामना की पूर्ति के लिए पीढी दर पीढी उस स्थान के लिए संघर्ष कभी रुका नहीं जहां आज राम मंदिर में उनकी पुनरस्थापना हुई है। वैसे तो अयोध्या के दो अर्थ हो सकते हैं। या तो यह कि जिससे युद्ध न किया जा सके या फिर यह कि जिसने युद्ध की मानसिकता को ही जीत लिया हो। आज के समय में दूसरा अर्थ ही अधिक प्रासंगिक है। अयोध्या युद्ध की बजाय शांति और सह अस्तित्व का ही संदेश देती है।

लेकिन इक्ष्वाकु वंश की राजधानी रही अयोध्या में जहां भगीरथ, हरिश्चन्द्र, सगर, रघु, अज, दशरथ और स्वयं राम ने राज किया हो उस अयोध्या से मीर बकी नामक एक मुगल सेनापति ने युद्ध भी किया और राम के जन्मस्थान का निशान ही मिटा दिया। हालांकि इतिहास के कुछ जानकार यह कहते हैं कि मीर बकी ने नहीं बल्कि औरंगजेब ने वहां तीन गुंबदों वाली मस्जिद बनाई थी। लेकिन वो भी इस बात से इंकार नहीं करते कि बाबर के समय में ही वहां रामकोट में खंडहर निर्मित हो गया था। यानी प्रत्यक्ष रूप से बाबर के सेनापति ने वहां भले ही तीन गुंबदों वाली मस्जिद न तामीर करवाई हो लेकिन मंदिर गिरवाने का काम तो उसी के समय में ही हुआ था।

इसका एक सामाजिक प्रमाण है स्थानीय सूर्यवंशी ठाकुरों द्वारा उसी समय मीर बकी से किया गया युद्ध। अयोध्या और बस्ती के करीब 120 गांवों के सूर्यवंशी ठाकुरों ने करीब पांच सौ साल बाद पगड़ी पहनी और पैरों में जूते डाले। यह त्याग उन्होंने इसलिए किया था क्योंकि जब मीर बकी वहां रामकोट स्थित मंदिर ढहाने पहुंचा तो ठाकुर गजराज सिंह के नेतृत्व में 90 हजार सूर्यवंशी ठाकुरों ने उससे युद्ध किया। कहते हैं कि इस भीषण युद्ध में 80 हजार क्षत्रिय राम के लिए बलिदान हो गये फिर भी उन्हें हार और अपमान का मुंह देखना पड़ा।

रामकोट या रामजन्मस्थान के लिए यह पहला संघर्ष था जो इतिहास में हो न हो, सामाजिक इतिहास में पूरी तरह से पीढी दर पीढी मौजूद रहा। इसीलिए उन क्षत्रियों के वंशजों ने तब तक पगड़ी और पनही (जूते) धारण न करने का संकल्प लिया जब तक उसी स्थान पर दोबारा राम मंदिर नहीं बन जाता। अब जाकर उनका संकल्प पूरा हो गया है। उस समाज के लोगों ने पगड़ी धारण कर ली है। इस तरह अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के ये सूर्यवंशी क्षत्रिय और ठाकुर गजराज सिंह पहले ऐसे सिपाही थे जिन्होंने अपना बलिदान दिया। जयपुर के महाराजा सवाई जयसिंह ने भी रामकोट की मुक्ति का प्रयास किया था। 1717 में उन्होंने वह जगह मुगलों से खरीद ली और वहां राम चबूतरे का निर्मण करवाया था। मुगलों के समय में हिन्दुओं को सरयू में स्नान करने तक पर रोक लगा दी गई थी, लेकिन महाराजा सवाई जयसिंह ने मुगलों को पैसा देकर सरयू में स्नान का अधिकार भी खरीद लिया था।

आगे बढते हैं तो बैरागी साधुओं और निंहग सिखों का भी उल्लेख आता है जिन्होंने अयोध्या में रामकोट को दोबारा अपने हाथ में लेने का प्रयास किया। वैष्णव बैरागी साधु तो उस दिन से ही विरोध में थे जिस दिन रामकोट स्थित मंदिर को ढहाया गया था। उन्होंने लड़ाई भी लड़ी लेकिन जीत नहीं पाये। बाद के दशकों में भी अगर कोई मुसलमान वहां नमाज पढने जाता था तो उसे वहां से भगा देते थे। 1858 में 25 निहंग सिखों ने बाबा फकीर सिंह की अगुवाई में वहां धावा बोल दिया और रामकोट स्थित राम जन्मस्थान को मुक्त कराने का प्रयास किया था। जो वैष्णव बैरागी पहले दिन से रामकोट स्थित मंदिर को गिराने के बाद उस जगह को दोबारा से अपने अधिपत्य में लेने का प्रयास कर रहे थे उन्हीं बैरागी साधु परंपरा के बाबा अभिरामदास ने 1949 में इतिहास रच दिया। बाबा अभिरामदास रामलला की एक अष्टधातु की मूर्ति अपने पास रखते थे। वो हमेशा रामलला की उस मूर्ति को अपने सिर पर रखकर चलते थे और उनके साथी परमहंस रामचंद्रदास उनके साथ राम नाम संकीर्तन करते हुए चलते थे। उस समय तक मस्जिद के बाहर रामचबूतरा पर ही पूजा पाठ होता था। बाबा अभिरामदास की योजना अनुसार महंत दिग्विजयनाथ की मदद से 22-23 दिसंबर 1949 की रात वही अष्टधातु की मूर्ति मस्जिद के अंदर स्थापित कर दी गई जो वो अपने सिर पर लेकर चलते थे। अगले दिन जैसे ही ये बात प्रशासन तक पहुंची तो हड़कंप मच गया। उस समय फैजाबाद के डीएम थे केके नायर। केन्द्र की नेहरु सरकार की ओर से राज्य की गोविन्द वल्लभ पंत सरकार पर दबाव पड़ा कि डीएम केके नायर को आदेश देकर मूर्ति को बाहर करवा दिया जाए। आदेश केके नायर तक पहुंचा तो उन्होंने इस आदेश को मानने में असमर्थता जता दी। उनका कहना था कि ऐसा करने पर अयोध्या की स्थिति बेकाबू हो जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री पंत से निवेदन किया कि अगर आप चाहें तो उन्हें हटाकर किसी नये जिलाधिकारी को नियुक्त कर सकते हैं। लेकिन वो मस्जिद के अंदर से रामलला की मूर्ति को बाहर नहीं निकालेंगे। गोविन्द बल्लभ पंत ने न तो केके नायर को

हटाया और न ही नया डीएम नियुक्त हुआ। इसके लिए उन्हें जवाहरलाल नेहरु का कोपभाजन भी बनना पड़ा लेकिन गोविन्द बल्लभ पंत ने वैसा नहीं किया जैसा नेहरु चाहते थे। हालांकि बाद में उस मस्जिद की सुरक्षा बढा दी गयी और पुजारी के अलावा बाकी को अंदर जाने से रोक दिया गया। यह ताला खुला 1 फरवरी 1986 को जब जिला जज केएम पांडेय ने एक वकील उमेश चंद्र पांडेय की याचिका पर सुनवाई करते हुए ताला खोलने का आदेश दिया। जिला जज ने माना कि वहां ताला लगाने का कोई लिखित प्रशासनिक आदेश नहीं है। ऐसे में ताला लगाकर रखने का कोई औचित्य नहीं है। दूसरी ओर केन्द्र की राजीव गांधी सरकार और राज्य की वीर बहादुर सिंह सरकार की ओर से भी अदालत में कोई हलफनामा देकर विरोध नहीं किया गया। दोनों ही सरकारें कांग्रेस की थीं और ऐसा समझा जाता है कि परोक्ष रूप से राजीव गांधी ने अदालत के फैसले का सम्मान करने की बात कही थी। उस समय इस पूरे मामले को कांग्रेस की ओर से अरुण नेहरू देख रहे थे।

इसलिए अक्सर कांग्रेस की ओर से यह दावा किया जाता है कि राजीव गांधी सरकार ने रामलला का ताला खुलवाया था। इस तरह 1 फरवरी 1986 की शाम 4 बजे ताला खोलने का आदेश हुआ और 40 मिनट बाद ही ताले में बंद रामलला मुक्त हो गये। ताला खुला नहीं बल्कि प्रशासन की मौजूदगी में तोड़ दिया गया। इस मुक्ति के साथ ही विश्वहिन्दू परिषद का प्रवेश भी अयोध्या में होता है क्योंकि उसी दिन विश्व हिन्दू परिषद अपनी रथयात्रा लेकर अयोध्या पहुंचा था।

यहां से विश्व हिन्दू परिषद और संघ परिवार राम मंदिर आंदोलन के केन्द्र में आ गया। विहिप के नेता अशोक सिंहल, बजरंग दल के विनय कटियार, साध्वी ऋतंभरा, आचार्य धर्मेन्द्र, उमा भारती ये ऐसे प्रमुख नाम थे जो उस दौर में अयोध्या आंदोलन की पहचान थे। इस आंदोलन को वही परमहंस रामचंद्रदास भी पूरा नेतृत्व दे रहे थे जो बाबा अभिरामदास के साथ सरयू में स्नान के बाद रामलला को सिर पर रखकर अयोध्या में घूमा करते थे। विश्व हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के संयुक्त आंदोलन के कारण 6 दिसंबर 1992 को वह विवादित ढांचा आखिरकार गिर गया। रामभक्त कारसेवकों की अपार भीड़ ने मात्र तीन घण्टे के अंदर तीनों गुंबदों को जमीन पर पटक दिया और वहां अस्थायी रूप से रामलला का एक टेन्टवाला मंदिर भी निर्मित कर दिया। यहां कोठारी बंधुओं का बलिदान भी अविस्मरणीय है जिन्होंने 30 अक्टूबर 1990 को विवादित मस्जिद पर भगवा ध्वज फहरा दिया था। इससे मुलायम सिंह सरकार इतनी खफा हुई कि दोनों भाइयों को अयोध्या में उस घर से निकालकर 2 नवंबर को बीच सड़क पर पुलिस द्वारा गोली मार दी गयी जहां वो छिपे हुए थे। रामकुमार कोठारी और शरद कोठारी जो क्रमशः 23 और 20 साल के थे, उनकी इस तरह पुलिस द्वारा निर्मम हत्या से पूरा देश हिल गया था।

लेकिन ये वो नाम हैं जो अयोध्या आंदोलन के प्रमुख नाम हैं जिन्हें आज तब अवश्य याद करना चाहिए जब 500 सालों का संघर्ष पुर्णाहूति की ओर पहुंच गया है। लेकिन राम के लिए अपने योगदान की आहुति देने वाले लाखों-करोड़ों अनाम लोग भी हैं। आज के दिन उन सभी जीवित या दिवंगत आत्माओं को संतोष मिल रहा होगा। जिन बड़े राजनीतिक लोगों ने इस मामले को हल करने की पहल की उनमें प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी और चंद्रशेखर का नाम अहम है। इन दोनों ने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में वहां राम मंदिर बनाने के लिए दोनों पक्षों को सहमत करने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो पाये। पीवी नरसिंहराव पर भी यह आरोप लगा कि 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या में जो कुछ हुआ वह उन्होंने होने दिया। दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक जब अयोध्या में मस्जिद टूट रही थी तब वो अपने ही आवास में एकांत में थे। उस दौरान उनसे कोई संपर्क नहीं कर पाया। उसके पहले कांग्रेस के माखनलाल फोतेदार जैसे नेताओं का दबाव बना था कि बाबरी मस्जिद को किसी भी कीमत पर बचाना होगा भले ही कल्याण सिंह सरकार को बर्खास्त करना पड़े लेकिन बहुत कम बोलनेवाले नरसिंहराव उस सलाह पर मौन रह गये।

इसके अलावा बाल ठाकरे एक और ऐसे राजनेता थे जो कभी अयोध्या तो नहीं गये लेकिन जब विवादित मस्जिद गिरी तो सबसे पहले इसका श्रेय उन्होने अपने शिवसैनिकों को देने में संकोच नहीं किया। कल्याण सिंह तो कह ही चुके थे कि 6 दिसंबर को चाहे जो हो जाए वो कारसेवकों पर गोली नहीं चलवायेंगे। उन्होंने ऐसा ही किया। उस समय भाजपा के अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी थे और वो भी राम मंदिर के प्रबल और मुखर समर्थन से कभी पीछे नहीं हटते थे। हां, लालकृष्ण आडवाणी जिनकी 1990 में निकाली गयी रथयात्रा से यह आंदोलन जन जन के मन की भावना बन गया, वो 6 दिसंबर को एक बात कहकर अयोध्या आंदोलन के इतिहास से लगभग अप्रासंगिक हो गये कि यह उनके जीवन का सबसे दुखभरा दिन था। वो रथयात्रा तो लेकर निकले लोगों की भावना जगाने के लिए लेकिन यह जागृत भावना राजनीतिक वोट तक रहेगी या मंदिर निर्माण तक जाएगी, इसे आडवाणी जी कभी स्पष्ट नहीं कर पाये। परमहंस रामचंद्रदास ने मृत्यु से कुछ दिन पहले बहुत बिलखते हुए कहा था कि अटल जी मंदिर बनवाना चाहते थे लेकिन आडवाणी ने अड़ंगा लगा दिया।

खैर लंबी धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी लड़ाई के बाद अब जब रामकोट में लगभग पांच सौ साल बाद दोबारा मंदिर बन गया है तब एएसआई के आर्कियोलॉजिस्ट बीबी लाल का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने 1966-67 में ही विवादित मस्जिद के नीचे मंदिर के अवशेष खोज निकाले थे। उन्हीं के साथ रहे केके मोहम्मद ने भी बहुत साहस के साथ इस बात को स्वीकार किया और खुलकर आज भी कहते हैं कि वहां मंदिर ही था और कुछ नहीं। यह बात मुस्लिम पक्ष पहले ही स्वीकार करके वह स्थान हिन्दुओं को दे देता तो इतना विवाद ही नहीं होता। आखिर में पांच वो जज जिन्होंने सर्वसम्मति से दिये फैसले में अयोध्या के ऐतिहासिक रामकोट को रामलला विराजमान को सौंप दिया था। इनमें मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, शरद बोबड़े, डीवाई चंद्रचूड़, अशोक भूषण और एस अब्दुल नजीर शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में ऐसा संभवतः पहली बार हुआ कि अलग अलग जजों ने अपना निर्णय सुनाने की बजाय एकमत से अपना निर्णय दिया और विवादित परिसर को रामलला विराजमान को सौंप दिया।

योगी आदित्यनाथ और नरेन्द्र मोदी का नाम लिये बिना 500 साल के इस इतिहास का यह अध्याय अधूरा ही रहेगा। अजय सिंह बिष्ट जो अयोध्या आंदोलन में ही हिस्सा लेने आये थे और गोरखमठ के योगी आदित्यनाथ बन गये। 2017 में मुख्यमंत्री बनते ही उनकी पहली प्राथमिकता अयोध्या बनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो स्वंय अयोध्या आंदोलन के बहुत करीब से साक्षी रहे हैं, उन्होंने भी 2017-18 में अपने स्तर पर श्री श्री रविशंकर को आगे करके कोई सर्वसम्मत हल निकालने का प्रयास किया था। वह प्रयास भले ही असफल हो गया हो लेकिन यह उनके जीवन का सौभाग्य है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा बतौर प्रधानमंत्री अयोध्या में करके इस 500 साल के विवादित और संघर्षपूर्ण इतिहास की पुर्णाहुति कर दी।

लोकसभा चुनाव के लिए किसका दांव और किसका घात?

अभय कुमार दुबे

इस समय भाजपा के रणनीतिकारों का विशेष जोर बिहार में नीतीश कुमार को कमजोर कड़ी मानने पर है। वे चाहते हैं कि या तो नीतीश की साख गिरा दी जाए, या उन्हें इंडिया से छीन कर राजग में मिला लिया जाए। इसके लिए पिछले कुछ महीनों से दो तरह की चालें चली जा रही हैं। पहली, नीतीश को बीमार बताने के साथ-साथ एक तरफ लालू-तेजस्वी की साजिश का शिकार करार देना। दूसरी, लगातार इस तरह की अफवाहें उड़ाना कि वे इंडिया गठबंधन में अपनी उपेक्षा से दुखी हो कर फिर से पलटी मार कर एनडीए में आने की कगार पर पहुंच चुके हैं। इस मनोवैज्ञानिक युद्ध में चतुराईपूर्वक गृह मंत्री अमित शाह से लेकर गिरिराज सिंह, सुशील मोदी और जीतन राम मांझी अपना-अपना पार्ट खेल रहे हैं। मांझी कह रहे हैं कि नीतीश को साजिशन एक खुफिया दवा दी जा रही है ताकि वे अपना मानसिक संतुलन खो दें। उधर अमित शाह ने जैसे ही अर्थपूर्ण ढंग से कहा कि अगर (नीतीश की तरफ से) कोई प्रस्ताव आए तो उस पर विचार किया जा सकता है। वैसे ही मांझी से कहलवा दिया गया कि नीतीश एनडीए में आते हैं तो उन्हें आपत्ति नहीं होगी। बिहार में इंडिया गठबंधन के सामने चुनौती यह है कि भाजपा के इस मनोवैज्ञानिक आक्रमण को कामयाब न होने दिया जाए। अभी तक तो नीतीश, तेजस्वी और लालू इससे बचते हुए दिखाई दे रहे हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा दिया गया लंबा फैसला दरअसल इस मनोवैज्ञानिक युद्ध का एक औजार बन गया है। नार्वेकर ने चतुराईपूर्वक शिवसेना के दोनों धड़ों में से किसी के भी विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया, पर ऐसी परिस्थिति बना दी जिसके तहत उद्धव ठाकरे के विधायकों को भी एकनाथ शिंदे के आदेशों को ही नहीं मानना होगा। बल्कि उनकी पार्टी लाइन पर भी चलना होगा, वरना उनके खिलाफ कार्रवाई हो जाएगी। इस तरह इस अनूठे फैसले ने विधानसभा चुनाव तक लगातार अनिच्छापूर्वक ही सही, उद्धव के विधायकों को शिंदे के साथ जोड़ दिया है। इस प्रक्रिया में इन विधायकों की अनिच्छा कभी भी इच्छा में बदल सकती है। यानी, यह फैसला उद्धव की राजनीतिक ताकत को धीरे-धीरे घटाने और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को मजबूत करने की भूमिका निभाता हुआ दिखेगा। महाराष्ट्र की राजनीति में उद्धव के कमजोर होते जाने और भाजपा पर निर्भर रहने वाले शिंदे का मतलब यह होगा कि उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा सीटों वाले इस प्रांत में भाजपा का वर्चस्व बढ़ता चला जाएगा। उत्तर प्रदेश में यह मनोवैज्ञानिक युद्ध दोनों पक्षों द्वारा मायावती की राजनीति के प्रबंधन पर टिका है। अभी तक तो यही दिखाई पड़ रहा है कि इसमें भाजपा कामयाब होते दिखाई पड़ रही है।

रामसेतु की सत्यता जानने का दौर

अभिषेक कुमार सिंह

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन से पहले आध्यात्मिक यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के अरिचल मुनाई पहुंचे। माना जाता है कि अरिचल मुनाई ही वह स्थान है, जहां रामसेतु का निर्माण हुआ था। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले रामसेतु तक पहुंचने के संकेत समझें तो कह सकते हैं कि निकट भविष्य में मोदी सरकार इस प्राचीन विरासत को सहेजने और इसे अपना स्थान दिलाने का प्रयास कर सकती है।

तमिलनाडु के पंबन द्वीप को श्रीलंका के मन्नार द्वीप से जोड़ने वाली संरचना (राम सेतु) का संबंध रामायण से है। हालांकि इस पर एकमत नहीं है कि यह पुल मनुष्य निर्मित है या प्राकृतिक। पांच हजार ईसा पूर्व रामायण काल के समय और रामसेतु के कार्बन विश्लेषण में एक समानता दिखती है। ऐसा दावा किया जाता है कि पंद्रहवीं सदी तक 48 किलोमीटर लंबे इस पुल को पैदल चलकर पार किया जा सकता था। कुछ साक्ष्य ऐसे भी हैं, जो बताते हैं कि सन 1480 तक पुल पूरी तरह से समुद्र तल से ऊपर था। रामसेतु को लेकर एक बड़ा विवाद यूपीए सरकार के समय तब पैदा हुआ था, जब सेतुसमुद्रम परियोजना के अंतर्गत इस पुल के चारों ओर ड्रेजिंग (पानी के नीचे जमा तलछट और मलबे को हटाने के लिए खुदाई करने) का प्रस्ताव दिया गया था। उद्देश्य था कि यहां से बड़े जहाज निकल सकें लेकिन विवाद उठने पर परियोजना को रोक दिया गया।

इसके स्थान पर वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने रामसेतु की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए एक अनुसंधान परियोजना को मंजूरी दी थी। इस परियोजना का प्रस्ताव दिसंबर, 2020 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत पुरातत्व पर केंद्रीय सलाहकार बोर्ड ने दिया था,

जिसमें सीएसआईआर-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा, (एनआईओ) को यह अनुसंधान करना था। परियोजना का एक उद्देश्य यह जानना था कि रामसेतु के रूप में भारत और श्रीलंका के बीच पत्थरों की श्रृंखला कब और कैसे लगाई गई थी।

बताया गया कि इस अध्ययन में भूवैज्ञानिक काल और अन्य सहायक पर्यावरणीय आंकड़ों के लिए पुरातात्विक पुरातन, रेडियोमेट्रिक और थर्मोल्यूमिनस (टीएल) आदि तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से मूंगा वाले कैल्शियम कार्बोनेट के अध्ययन से संरचना (राम सेतु के निर्माण) के काल का पता लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि रेडियोमेट्रिक डेटिंग की मदद से किसी वस्तु की आयु का पता लगाने के लिए रेडियोएक्टिव अशुद्धियों की खोज की जाती है। इस तकनीक में जब किसी वस्तु को गर्म किया जाता है तो टीएल डेटिंग प्रकाश का विश्लेषण करती है. इससे वस्तु की पुरातनता का पता चलता है। यूं तो कहा जा सकता है कि ऐसी परियोजना का एक राजनीतिक महत्व हो सकता है, पर इसका धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व कहीं ज्यादा है. हिंदू महाकाव्य 'रामायण' के अनुसार वानर सेना ने श्रीराम और उनकी सेना को लंका तक पहुंचाने और माता सीता को रावण के चंगुल से छुड़ाने के उद्देश्य से समुद्र पर एक पुल बनाया था। वैसे यह अनायास नहीं है कि आस्था के एक प्रश्न को विज्ञान की मदद से हल करने की कोशिश की जा रही है। हमारे देश में ऐसा अनेक बार हुआ है जब धार्मिक आस्था से जुड़े मसलों की वैज्ञानिकता को परखने का प्रयास किया गया।

वर्ष 2007 में अमेरिका के एक साइंस टीवी चैनल पर एक कार्यक्रम प्रसारित किया गया था, जिसमें अमेरिकी भूवैज्ञानिकों के हवाले से यह दावा करते दिखाया गया था कि भारत के रामेश्वरम के पंबन द्वीप से श्रीलंका के मन्नार द्वीप के बीच समुद्र के भीतर पुल की तरह दिखने वाली यह संरचना मानव निर्मित है। रामसेतु को एडम्स ब्रिज भी कहा जाता है। अमेरिकी टीवी चैनल पर इस पुल से जुड़े रहस्यों का खुलासा उस चैनल पर प्रसारित होने वाले एक विशेष कार्यक्रम- एंशिएंट लैंड ब्रिज, के तहत किया गया था। विज्ञान से हटकर धार्मिक प्रसंगों की बात करें तो रामसेतु का जिक्र तुलसीकृत रामचरित मानस और वाल्मीकि की रचना- रामायण, दोनों में है। हिंदू आस्था सदियों से इस सेतु (पुल) के अस्तित्व के बारे में और इसे भगवान राम की वानर सेना द्वारा निर्मित किए जाने की पक्षधर है। इस पुल (सेतु) के सिर्फ मिथक होने की बात अमेरिकी स्पेस एजेंसी द्वारा लिए गए चित्रों से खंडित हो चुकी है। एक दावा यह भी है कि 14 दिसंबर, 1966 को नासा के उपग्रह जेमिनी-11 ने स्पेस से एक चित्र लिया था, जिसमें समुद्र के भीतर इस स्थान पर पुल जैसी संरचना दिख रही है। इस चित्र को लिए जाने के 22 साल बाद 1988 में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन ने भी रामेश्वरम और श्रीलंका के जाफना द्वीप के बीच समुद्र के अंदर मौजूद इस संरचना का पता लगाया था और इसका चित्र लिया था। भारतीय उपग्रहों से भी लिए गए चित्रों में धनुषकोडि से जाफना तक जो एक पतली-सी द्वीपों की रेखा दिखती है, उससे पता चलता रहा है कि वहां एक पुल था। कई वर्ष पहले इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च ने घोषणा की थी कि वह समुद्र के भीतर अध्ययन के जरिये रामसेतु के रहस्य को सुलझाएगा।

नेहरू परिवार की छवि हिन्दू विरोधी क्यों बनी?

अजय सेतिया

2014 में जब कांग्रेस की सीटें पहली बार सौ से कम हो गई थी तो सोनिया गांधी ने विश्लेष्ण करने के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी के अध्यक्ष ए.के. एंटनी थे। हिन्दू वोट बैंक के एकतरफा भाजपा के समर्थन में आ जाने के कारण भाजपा को पहली बार पूर्ण बहुमत मिला था। ए.के.एंटनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में पहली बात यह कही थी कि कांग्रेस की छवि हिन्दू विरोधी पार्टी की बन गई है, इसलिए कांग्रेस को जनता ने ठुकरा दिया।

कांग्रेस को इस रिपोर्ट पर मंथन करके खुद की छवि सुधारने की कोशिश करनी चाहिए थी, लेकिन हुआ इसके उलट। कांग्रेस के महासचिव जनार्दन द्विवेदी को इसलिए किनारे कर दिया गया क्योंकि उन्होंने कहा था कि मोदी को रोकने में कांग्रेस विफल रही। जनार्दन द्विवेदी कांग्रेस में अंतिम हिन्दूवादी चेहरा थे, जिन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों से पहले ही हार की इबारत पढ़ ली थी। जनार्दन द्विवेदी ने फरवरी 2014 में ही कह दिया था कि कांग्रेस को 2009 में सत्ता से अलग हो कर दूसरों को सरकार बनाने देनी चाहिए थी। 2009 से 2014 की कांग्रेस की पारी उसके लिए बेहद नुकसानदायक साबित हुई। इस अवधि में एक तरफ जमकर भ्रष्टाचार हुआ, तो दूसरी तरफ अल्पसंख्यक तुष्टिकरण ने कांग्रेस की छवि हिन्दू विरोधी और मुस्लिम पार्टी की बना दी थी। लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी का बयान भी इसकी पुष्टि करता था, जिसमें उन्होंने कहा था कि जो लोग मन्दिर जाते हैं, वही महिलाओं से छेड़खानी करते हैं। ए.के.एंटनी की रिपोर्ट से सबक लेते हुए 2017 के गुजरात विधानसभा चुनावों में राहुल गांधी ने हिन्दू देवी देवताओं और मन्दिरों के बारे में अपनी धारणा में बदलाव किया था। उन्होंने मन्दिरों में जाकर हिन्दू देवी देवताओं के दर्शन किए, जिसका कांग्रेस को फायदा भी हुआ। कांग्रेस की सीटें 61 से बढ़कर 77 हो गई और भाजपा की सीटें 115 से घटकर 99 रह गई। लेकिन राहुल गांधी का दोहरापन उस समय उजागर हो गया था, जब गुजरात विधानसभा चुनाव के ठीक बाद संगठन में बची एकमात्र हिन्दुओं की आवाज जनार्दन द्विवेदी को कांग्रेस महासचिव पद से हटा दिया गया। जनार्दन द्विवेदी उन चार नेताओं में से एक थे, जो सोनिया गांधी की अनुपस्थिति में पार्टी के फैसले लेने के लिए अधिकृत थे। अन्य तीन थे राहुल गांधी, अहमद पटेल और ए.के. एंटनी।

अहमद पटेल का स्वर्गवास हो चुका है, ए.के. एंटनी और जनार्दन द्विवेदी सक्रिय राजनीति से सन्यास ले चुके हैं, और इन दोनों के बेटे भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन कर चुके हैं। 2019 में जब मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से 370 हटाई तो कांग्रेस के चार नेताओं जनार्दन द्विवेदी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा और दीपेन्द्र हुड्डा ने सरकार के फैसले का समर्थन किया था, अब उनमें से

सिर्फ हुड्डा ही कांग्रेस में बचे हैं। 2017 में सॉफ्ट हिन्दू लाईन अपनाते हुए राहुल गांधी ने मन्दिर दर्शन अभियान चलाया था। उन्होंने खुद को शिवभक्त घोषित किया, मानसरोवर यात्रा पर भी गए। पुष्कर जाकर ब्रह्मा की पूजा करते हुए खुद को ब्राह्मण और अपना गोत्र दतात्रेय बताया, जनेऊ भी धारण किया। लेकिन श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा का आमन्त्रण अस्वीकार करके नेहरू परिवार ने हिन्दुओं को अच्छा सिग्नल नहीं दिया। नेहरू परिवार यह समझ नहीं पाया कि श्रीराम जन्मभूमि को वापस हासिल करने के लिए हिन्दुओं ने लगभग 500 सालों में 76 बार संघर्ष किए, जिनमें से ज्यादातर जमीनी संघर्ष थे। लाखों रामभक्तों ने अपने बलिदान दिए, 70 साल तक कानूनी लड़ाई लड़ी, ढाँचे के नीचे खुदाई में मन्दिर के अवशेष मिले, तब जाकर हिन्दुओं को अपनी पवित्र भूमि वापस मिली। नेहरू परिवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बायकाट करने से पहले हिन्दुओं के पक्ष को सुनना चाहिए था। सारा देश इन्तजार कर रहा था कि राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान 22 जनवरी को कुछ ऐसा करेंगे कि हिन्दुओं की नाराजगी किसी हद तक दूर हो।

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा के समय राहुल गांधी ने पन्द्रहवीं शताब्दी के हिन्दू संत शंकरदेव के जन्म स्थान पर पूजा अर्चना का फैसला किया है। शंकरदेव वैष्णव धर्म के प्रचारक थे, उन्होंने दो बार संपूर्ण भारत की यात्रा करने के बाद एक शरण नाम धर्म की स्थापना की थी। वह मूर्तिपूजा के समर्थक नहीं थे, उन्होंने धुवाहात में भगवान जगन्नाथ की मूर्ति सिर्फ ब्राह्मणों के विरोध को शांत करने के लिए रखवाई थी। शंकरदेव के नव वैष्णव धर्म में श्रीकृष्ण की भक्ति है, लेकिन मूर्ति पूजा श्रीकृष्ण की भी नहीं थी। बाद में जब उनके साथ दामोदरदेव शामिल हुए, तो श्रीकृष्ण की मूर्ति स्थापना शुरू हुई। उनका मानना था कि मूर्ति उर्जीकृत चैतन्य है, और भक्त भी चैतन्य के स्तर पर होता है। अगर कोई भक्त चैतन्य के स्तर नहीं होता तो उससे मूर्ति पूजा का अनुसरण करने की भी उम्मीद नहीं की जाती। लेकिन शंकरदेव के एक शरण नाम धर्म में श्रीकृष्ण के अलावा दूसरे देवी देवताओं की मूर्तिपूजा और चढ़ावा चढ़ाना पूरी तरह निषेध है। हिन्दुओं में कई धाराएं हैं, कोई वैष्णव है, तो कोई शैव है, कोई राम को मानता है, कोई कृष्ण को मानता, कोई देवियों की पूजा अर्चना करता है, कोई सभी देवताओं को एक समान मानता है, तो कोई मूर्ति पूजा के खिलाफ है। सभी तरह के अलग अलग संप्रदाय हैं, और सभी हिन्दू हैं, कोई एक दूसरे के खिलाफ भी नहीं है। लेकिन श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा के समय शंकरदेव के मन्दिर में जाने का फैसला करके राहुल गांधी हिन्दुओं में विभाजन रेखा पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

जाति आधारित जनगणना करवा कर हिन्दुओं को जातियों में बांटने का राहुल गांधी का अभियान तो चल ही रहा है, अब उन्होंने हिंदू समाज को मूर्ति पूजकों और मूर्तिपूजा विरोधियों में बांटना भी शुरू कर दिया है। राहुल गांधी का शंकरदेव की जन्मस्थली पर जाने का फैसला सही है, लेकिन समय उचित नहीं है। शंकरदेव की जन्मस्थली पर जाने के लिए उन्हें यह दिन नहीं चुनना चाहिए था। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता हेमंत बिस्व सरमा ने राहुल गांधी से आग्रह किया है कि वह उस दिन असम के वैष्णव संत शंकरदेव के जन्मस्थान पर न जाएं। उनका कहना है कि राहुल गांधी भगवान श्रीराम और वैष्णव संप्रदाय के संत शंकरदेव में प्रतिस्पर्धा करवाने की कोशिश कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न हो जाने के बाद वह शंकरदेव के जन्मस्थान पर जाएं, तो ठीक रहेगा। हेमंत बिस्व सरमा ने उन्हें मोरीगांव, जागीरोड़ और नेल्ली जैसे संवेदनशील रास्तों से भी परहेज करने का सुझाव दिया है।

ओवरफ्रेंडली लोगों से हैं परेशान, तो समझें उनकी पर्सनेलिटी और जानें डील करने के आसान उपाय

कुछ लोग बातों ही बातों में इस कदर करीब आ जाते है कि उनसे ज्यादा देर तक बात करना घुटन भरा महसूस होने लगता है। ऐसे लोग आपको कहीं भी मिल सकते हैं। फिर चाहे बस हो, मार्किट हो या ऑफिस। बहुत जल्द अन्य लोगों के साथ मेलजोल बढ़ाने वाले ऐसे लोगों के दोस्तों की लिस्ट खूब लंबी चौड़ी होती है। दरअसल, ये बिना जाने पहचाने खुद को दूसरों के नज़दीक लाने का प्रयास करने लगते हैं। ऐसे लोगों का ओवरफ्रेंडली व्यवहार इन्हें टॉक ऑफ द टाउन भी बना देता है। मगर यही व्यवहार दूसरों के लिए सिरदर्द साबित होने लगता है। जानते हैं ओवरफ्रेंडली व्यवहार किसे कहते हैं और इससे बचने की कुछ टिप्स भी

किस प्रकार के लोग ओवरफ्रेंडली कहलाते हैं

इस बारे में बातचीत करते हुए मनोचिकित्सक डॉ युवराज पंत बताते हैं कि वे लोग जो बिना किसी कारण आपसे बात करने का प्रयास करने लगें, वे ओवरफ्रेंडली कहलाते हैं। लोगों की भीड़ में अपने आप को अलग और बेहतर साबित करने के लिए उनके व्यवहार में बदलाव दिखने लगता है, वे किसी भी प्रकार से अन्य लोगों के करीब आने का प्रयास करने लगते हैं। तीन तरह की पर्सनेलिटी के लोग ओवरफ्रेंडली कहलाते हैं।

तीन प्रकार के लोग ओवर फ्रेंडली होते हैं

बहिर्मुखी पर्सनेलिटी- सबसे पहले एक्स्ट्रोवर्ट यानि बहिर्मुखी पर्सनेलिटी के कारण लोग ओवरफ्रेंडली होने लगते हैं। ये लोग अपने व्यवहार और बातचीत के ढ़ग से लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं।

हाइपोमैनी पर्सनेलिटी- वे लोग जो हाइपोमैनी पर्सनेलिटी के होते हैं, जो ज्यादा बोलते हैं। बिना जान पहचान के आपसी बातचीत करने के बहाने खोजते रहते हैं और दूसरे व्यक्ति के नज़दीक आने का प्रयास करते हैं।

अटैंशन सीकिंग पर्सनेलिटी- इस तरह के लोगों का मकसद किसी भी प्रकार से दूसरों का ध्यान अपना ओर खींचना होता हैं। ऐसे लोग अचानक बहुत ज्यादा बोलने लगते हैं। दूसरों की अटेशन गेन करने के लिए बातचीत करते चले जाते हैं।

रिप्लाई न करें- ऐसे लोग अगर बार बार किसी चीज़ के लिए आग्रह करें, तो उन्हें मना कर दें। ओवरफ्रेंडली लोग कई बार अपने व्यवहार के कारण दूसरों के निजी जीवन में हस्तक्षेप करने लगते हैं। ऐसे में उन्हें रिप्लाई न करें।

ऑफर को ठुकरा दें- ओवरफ्रेंडली लोग अन्य लोगों से दोस्ती बढ़ाने और उनके करीब आने के लिए लुभावने ऑफर देने लगते हैं। ऐसे में उनके करीब आने से बचें। ऐसे लोग बेवजह आपके नज़दीक बैठकर किसी न किसी प्रकार से बातचीत करने का बहाना खोजने लगते हैं।

व्यस्तता को जाहिर करें- अगर ऑफिस या सफर करते हुए रास्ते में ऐसा कोई दोस्त या व्यक्ति मिल जाता है, काम करते रहें या किताब पढ़ लें, जिससे वो व्यक्ति खुद ब खुद दूर हो जाएं। ऐसे लोगों से दूरी बनाने के लिए खुद को बिजी दिखाएं, ताकि वे बार बार आपके करीब आने का प्रयास न करें।

मकसद को समझें- कोई ऐसा व्यक्ति है, जो बार आपके करीब आना चाहता है और आपसे बात करने की मंशा रखता है, तो उसका मकसद जानें। अगर कोई व्यक्ति वाकई आपसे दोस्ती करना चाहता है या दोस्ती के लिए आपके पास आ रहा है, तो सोच समझकर आगे बढ़ें।

सीमाएं निर्धारित करें- देर तक किसी से भी बात करना मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में बाउंडरीज़ सेट कर लें और उसे बात की जानकारी दें कि उस व्यक्ति का व्यवहार आपकी परेशानी का कारण बना हुआ है।

स्मॉल टॉक करें- ओवरफ्रेंडली लोगों से निपटने के लिए लंबी वार्ता को अंजाम तक पहुंचाने की जगह कम लफ्ज़ों में अपनी बात को खत्म कर लें। इससे कोई अन्य पर्सन आपके जीवन के बारे में ज्यादा जानकारी एकत्रित नहीं कर पाएगा।

अच्छे से अच्छे रिश्ते को बर्बाद कर सकता है गुस्सा, जानिए गुस्सा आने पर आपको क्या करना है

गुस्सा आना एक स्वभाविक भावना है। हम सभी को किसी न किसी बात पर गुस्सा आता ही है। पर जब आप इसे कंट्रोल नहीं कर पाते, तब यह न केवल आपके व्यक्तित्व को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि आपके रिश्तों को भी खराब कर सकता है। फिर चाहें वे आपके पार्टनर के साथ आपका रिश्ता हो या फिर अन्य लोगों अथवा प्रोफेशनल रिलेशनशिप। इसलिए जरूरी है कि आप गुस्से के लेवल को पहचानें और उसे कंट्रोल करना सीखें। आपकी मदद करने के लिए हमारे पास यहां कुछ एक्सपर्ट सुझाव हैं।

रिश्तों में गुस्सा एक आम समस्या है, लेकिन कभी-कभी लोग यह नहीं समझ पाते कि यह एक-दूसरे को कैसे प्रभावित करता है। यह उनके रिश्ते को लेकर अन्य चिंताओं का कारण बनता है। जब कोई व्यक्ति गुस्सा होता है, तो उसका व्यवहार इस बारे में बहुत कुछ बता सकता है कि वह व्यक्ति अपनी भावनाओं को कैसे संभालता है।

गुस्सा किसी रिश्ते को किस प्रकार प्रभावित करता है, यह गुस्से के स्वरूप पर निर्भर करता है। अनियंत्रित क्रोध दैनिक जीवन और संबंधों को बनाए रखने में मुश्किलें पैदा कर सकता है। जब गुस्सा इतना ही खराब है, तो जरूरी है कि इस पर नियंत्रण किया जाए। चलिए जानते हैं कैसे-

रिलेशनशिप में गुस्सा क्यों आता है

गुस्सा बुरा नहीं होता। एक समय और स्थान होता है जब आपका गुस्सा ठीक होता है। स्वस्थ क्रोध आपको किसी बुरी स्थिति के बारे में बताने के लिए एक अच्छा उपाय है। यह उन चीज़ों पर ध्यान देने का परिणाम भी हो सकता है जो आपके रिश्ते में उचित नहीं हैं।

कई बार गुस्सा गलत भी हो सकता ह ै। रिश्तों म ें गुस्से की समस्या किसी ऐसी बात को लेकर सामने आ सकती है जिसके बारे में आप बहुत लंबे समय से नाराज हैं। यह निर्धारित करना कि क्या आपका गुस्सा सही है, या ये गुस्सा आप दोनो के एक दूसरे को नहीं समझे जाने के कारण है। इसके लिए आपको गुस्से की स्थिति को समझना पड़ेगा।

रिश्ते में कैसे अपने गुस्से को नियंत्रण में रखे ये जानने के लिए हमने बात की रिलेशिनशिप एक्पसर्ट रुचि रूह से।

बोलने से पहले सोचें जरूर

अपने गुस्से पर नियंत्रण करने के लिए आपके लिए सबसे पहले एक टिप जो बहुत काम आने वाली है वो है प्रतिक्रिया करने से पहले थोड़ा रुकना। यदि आपका दिल जोरों से धड़क रहा है और आपको अपने दोस्त, परिवार के सदस्य या उस व्यक्ति पर चिल्लाने का मन हो रहा है जो आपके सामने है तो आपको थोड़ा रूकने और सोचने की जरूरत है।

इसके लिए आपको सांस लेनी है और 10 तक गिनना है। आलोचना करने और ऐसा कुछ कहने या करने से बचने के लिए जो भी करना पड़े वह करें जिसके लिए आपको बाद में पछताना पड़ा।

अपनी भावनाएं बताएं और शांत रहें

अपने आप को शांत करना चाहिए और आपको थोड़ा समय लेना चाहिए आपको यह पहचानने में सक्षम होना चाहिए कि आप वास्तव में क्या महसूस कर रहे हैं। शांत तरीके से अपने साथी को समझाएं कि आप इतने परेशान क्यों हैं। अपनी बातो के सीधे और स्पष्ट तरीके से रखना सही है, लेकिन टकराव से बचें। यदि आप इस बात से नाराज़ हैं कि आपका साथी फिर से रात के खाने के लिए देर से आया, तो उन्हें बताएं कि मैं परेशान हूँ कि आप फिर से रात के खाने के लिए देर स े आए। इससे मेरी भावनाएं आहत होती हैं और मुझे ऐसा महसूस होता है कि मैं आपके लिए प्राथमिकता नहीं हूं।

इसके लिए आपको लड़ने की जरूरत नहीं है।

उस स्थान से चले जाना

ऐसे समय भी आते हैं जब आप बहुत गुस्सा होते है। हो सकता है कि इसमें गहरी साँस लेने से काम न चले। इसमें आपको बस एक काम करना है कि आपको उस जगह से चले जाना है इससे आपको थोड़ा समय मिल सकता है। यदि आवश्यक हो तो जिस कमरे या स्थान में आप हैं उसे शारीरिक रूप से छोड़ने से आपको अपने विचारों को इकट्ठा करने और स्थिति पर दोबारा पहुंचने का प्रयास करने से पहले अपने गुस्से को दूर करने का पर्याप्त समय मिल सकता है।

हंसी मजाक से वातावरण को थोड़ा ठंडा करें

कभी-कभी आपका गुस्सा स्थितियों को ज़रूरत से ज़्यादा बदतर बना सकता है। स्थितियों को शांत करने के लिए हंसी मजाक करना हमेशा एक अच्छी तकनीक और रणनीति हो सकती है। हर समय यह जरूरी नहीं है कि आप गुस्से को गंभीरता से ही लें, लेकिन आप गुस्से को खत्म करने के लिए बीच में थोड़ा मजाक कर सकते हैं ताकि हंसी आ जाए। कुछ स्थितियों में हास्य अनुपयुक्त हो सकता है इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि आपका साथी कैसा महसूस कर रहा है और उसी तरीके से आगे बढ़ने की सोचें।

नाश्ते में चाय के साथ खाते हैं पराठा, तो पहले जान लें इसके नुकसान

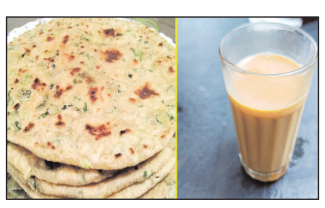

ठंड का मौसम हो तो सुबह नाश्ते में चाय पराठा खाने का अपना अलग ही मजा होता है। अमूमन इस मौसम में अधिकतर भारतीय घरों में सुबह-सुबह चाय और पराठा ही बनता है। आपने भी ठंड में चाय और पराठा खाया होगा या फिर छुट्टी के दिन नाश्ते का यही प्लॉन होता होगा। टेस्ट के मामले में चाय के साथ पराठे का कॉम्बिनेशन बेस्ट माना जाता है। लेकिन वास्तव में यह हेल्थ के लिए उतना अच्छा ऑप्शन नहीं है। अगर आप ब्रेकफास्ट में इन दोनों को खाते हैं तो इससे आपकी सेहत को काफी नुकसान हो सकता है। तो चलिए जानते हैं कि ब्रेकफास्ट में चाय और पराठा एक साथ खाने के क्या नुकसान हैं-

नहीं मिलते पोषक तत्व

ठंड के दिनों में हम सभी कई तरह के पराठे बनाते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों से लेकर मिक्स वेज पराठा खाना इस मौसम में बेहद ही आम है। लेकिन अगर आप नाश्ते में पराठे के साथ चाय लेते हैं तो इससे आपको पराठे से मिलने वाले पोषक तत्व सही ढंग से नहीं मिल पाते हैं। दरअसल, चाय में मौजूद टैनिन आयरन के अवशोषण में बाधा उत्पन्न कर सकता है। जिससे आप हेल्दी फूड या हरी पत्तेदार सब्जियां खाने के बाद भी उसका लाभ नहीं उठा पाते।

पाचन तंत्र पर असर

अगर आपको नाश्ते में चाय के साथ पराठा खाने की आदत है तो इससे आपके पाचन तंत्र पर भी नेगेटिव असर पड़ सकता है। दरअसल पराठा को घी या तेल में बनाया जाता है और वह काफी हैवी होते हैं। जिसके कारण आपको पराठा खाने के बाद पाचन संबंधी असुविधा या सूजन का अनुभव हो सकता है। इसके साथ चाय का कॉम्बिनेशन स्थिति को बद से बदतर बना सकता है।

ब्लड शुगर लेवल पर नेगेटिव असर

पराठे गेहूं के आटे से बनाए जाते हैं और इसकी स्टफिंग में कार्बोहाइड्रेट हो सकते हैं। रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट से भरपूर नाश्ता करने से आपके ब्लड शुगर लेवर तेजी से बढ़ सकता है।

फूड क्रेविंग को कंट्रोल करने के लिए अपनाएं हेल्दी टिप्स

भूख लगना काफी अच्छी बात होती है। लेकिन हद से ज्यादा भूख लगना अच्छी बात नहीं होती है। जब आप अनलिमिटेड खाते हैं तो तेजी से वजन बढ़ता है। ऐसे में हम आपको फूड क्रेविंग से छुटकारा पाने के कुछ उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कुछ लोगों को खाना खाने के बाद मीठा खाने की आदत होती है। तो वहीं कुछ लोगों की आदत होती है कि पेट भरा होने के बाद भी उनको जंक फूड या फास्ट फूड खाने की आदत होती है। भूख लगना काफी अच्छी बात होती है। लेकिन हद से ज्यादा भूख लगना अच्छी बात नहीं होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इनमें से एक कारण यह भी हो सकता है कि आपमें कुछ शारीरिक कमियां हों। जिसके कारण आपको हर समय भूख लगती है और आप इस वजह से अनलिमिटेड खाते हैं। जब आप अनलिमिटेड खाते हैं तो आपका तेजी से वेट बढ़ने लगता है। वहीं वजन बढ़ने पर आपको कई बीमारियां घेर सकती हैं। इसलिए आपको फूड क्रेविंग पर कंट्रोल करने के साथ हेल्दी आदतों को अपनाना चाहिए। ऐसे में अगर आपको भी फूड क्रेविंग होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फूड क्रेविंग से छुटकारा पाने के कुछ उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। फूड क्रेविंग से बचने के लिए आपका डाइट चार्ट पोषणयुक्त होना चाहिए। अगर आप पोषणयुक्त डाइट लेते हैं, तो आपका पेट हमेशा भरा रहेगा। जब पेट भरा रहेगा तो आपको खाने का मन नहीं होगा। इसलिए ध्यान रखें कि आप हमेशा ताजा बना खाना ही खाएं।

खुद को रखें शांत

कई बार भावनात्मक कंडीशन के कारण भी हमें हर वक्त कुछ मीठा खाने की इच्छा होती रहती है। ऐसे में आप खुद की इमोशनल परिस्थितियों और तनावों को अनदेखा करने की गलती न करें। खुद को शांत रखनें और किसी भी तरह के तनाव या चिंता से दूर रहें।

इन बातों का रखें ध्यान

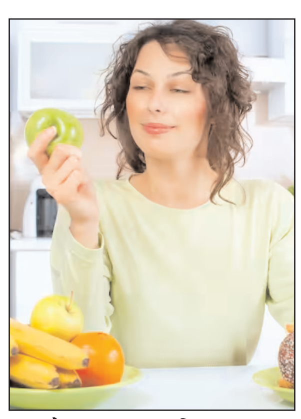

- मीठे पेय पदार्थों की जगह एक गिलास गर्म पानी का सेवन करना चाहिए।
- कई बार नींद पूरी न हो पाने की वजह से भी फूड क्रेविंग की समस्या होती है। इसलिए 7-8 घंटे की पर्याप्त नींद जरूर लेना चाहिए।
- हमेशा खाने की शुरूआत मीठी चीजों से करनी चाहिए।
- अपनी डाइट में सोंठ जरूर शामिल करें।
- रिफाइड कार्ब्स की जगह कॉर्न फ्लोर कार्ब्स का सेवन करें।
- रोजाना खाना खाने के बाद कम से कम दो सौ कदम जरूर टहलना चाहिए।
- खाना खाने के बाद छोटी इलायची, मीठी सुपारी, लौंग या सौंफ आदि का सेवन कर सकते हैं।
- इसके साथ ही जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन जरूर करें।

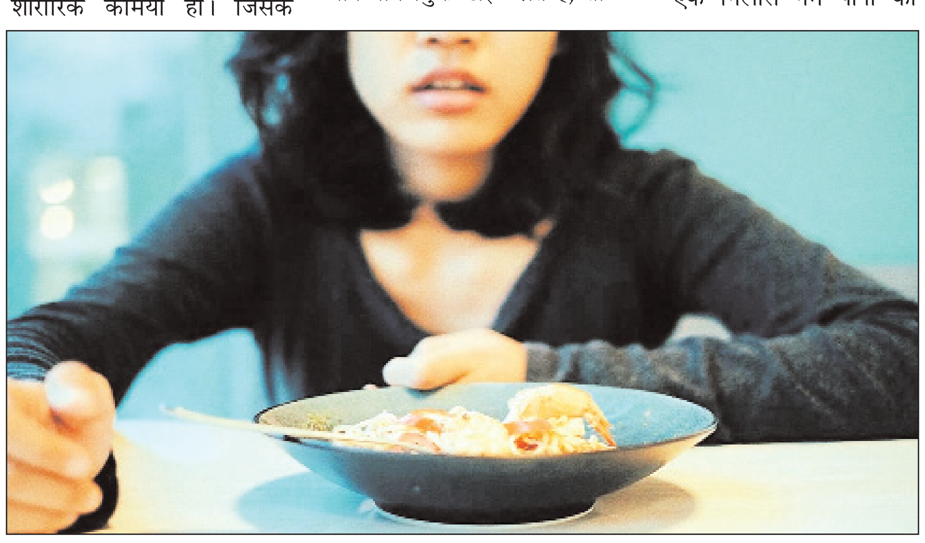

पेट के इंफेक्शन को भूलकर भी न करें अनदेखा हो सकता है अमाशय कैंसर का खतरा

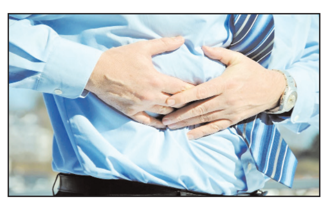

कैंसर एक गंभीर बीमारी है, जिसकी चपेट में लोग तेजी से आ रहे हैं। बता दें कि लोगों को अलग-अलग तरह से अलग-अलग प्रकार के कैंसर प्रभावित कर रहे हैं। इन्हीं में से एक पेट का कैंसर है। हांलाकि पेट का कैंसर क्यों होता है, इसका अभी स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। लेकिन कुछ रिसर्चों के मुताबिक पेट के कैंसर को डाइट और लाइफस्टाइल से जोड़ा गया है। वहीं बहुत सारे लोगों का मानना है कि पेट के इंफेक्शन के कारण में पेट का कैंसर होने का खतरा होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस बात में कितनी सच्चाई है।

जानिए क्या है कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो पेट में संक्रमण होना और पेट का कैंसर दोनों ही अलग-अलग स्वास्थ्य स्थितियां हैं। लेकिन कुछ संक्रमण ऐसे भी होते हैं, जो पेट के कैंसर के खतरे को बढ़ा सकते हैं। पेट में संक्रमण का हेलिकोबैक्टर पाइलोरी बैक्टीरिया एक सामान्य कारण है। इसको कुछ प्रकार के पेट के कैंसर के विकास से जोड़ा गया है।

आपको बता दें कि पेट की परत में एच. पाइलोरी संक्रमण पुरानी सूजन का कारण बन सकता है, जो समय के साथ कैंसर जैसी बीमारी में बदल सकता है। हांलाकि सभी एच. पाइलोरी संक्रमणों के कारण कैंसर नहीं होता है। इसके साथ ही लाइफस्टाइल, आनुवांशिक और खाने संबंधी आदतों के अलावा अन्य कारण भी पेट का कैंसर हो सकता है।

पेट के संक्रमण का सही इलाज के जरिए फौरन समाधान किया जाना जरूरी है। इसको भूलकर भी नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए। अगर आप समय पर संक्रमण का इलाज लेंगे तो यह पेट के कैंसर होने के जोखिमों को काफी हद तक कम करता है। ऐसे में हर व्यक्ति को पेट के स्वास्थ्य की नियमित जांच करवानी चाहिए। वहीं अगर किसी के परिवार में पहले भी पेट के कैंसर होने या पेट से जुड़ी समस्या होने की जानकारी हो, तो आप समय पर अपना इलाज करवा सकते हैं।

ऐसे रोके संक्रमण

- संक्रमण से बचने के लिए जरूरी है कि खाना खाने से पहले हाथों को अच्छे से धोएं।
- वहीं मल त्याग से बाद हाथों को अच्छे से धोना न भूलें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

नेताजी बोस की जयंती पर मोदी के साथ दिखे कांग्रेस अध्यक्ष

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने मंगलवार को पराक्रम दिवस के मौके पर स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। संसद के संविधान सदन में पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने पहुंचकर नेताजी की तस्वीर पर फूल भी चढ़ाए। इस दौरान पीएम के साथ राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे साथ खड़े दिखाई दिए। दोनों ने श्रद्धांजलि के बाद कुछ पर साथ में बातें भी कीं। इस दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी साथ रहे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी एक पोस्ट किया इसमें उन्होंने कहा, ''पराक्रम दिवस पर भारत के लोगों को बधाई। आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हम उनके जीवन और साहस का सम्मान करते हैं। हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए उनका अटूट समर्पण आज भी प्रेरित करता है।''

ममता बनर्जी का विवादित भाषण हुआ वायरल, भाजपा भड़की

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक विवाद में फंसती नजर आ रही हैं। ममता बनर्जी पर 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन साम्प्रदायिक भाषण देने का आरोप है। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ममता का एक वीडियो शेयर करके उनपर तुष्टिकरण का आरोप लगाया है और उन्हें पश्चिम बंगाल की शांति और विकास के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। वीडियो शेयर करते हुए अमित मालवीय ने लिखा, 22 जनवरी को, अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन, ममता बनर्जी ने हिंदू भावनाओं की घोर उपेक्षा करते हुए, सर्व धर्म समभाव रैली आयोजित की और अपनी नग्न सांप्रदायिकता को उजागर किया। काफिर का मजाक उड़ाया और धमकी दी। अमित मालवीय ने लिखा, ममता बनर्जी को एहसास है कि मुसलमानों का उनसे मोहभंग हो गया है, जो हाल के चुनावों में लगातार हार से स्पष्ट है।

अटकलों के बीच राज्यपाल से मिलने पहुंचे सीएम नीतीश

पटना। बिहार में पिछले कई दिनों से राजनीतिक हलचल लगातार जारी है। इन सब के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक की बिहार के राज्यपाल से मिलने के लिए राज्य भवन पहुंच चुके हैं। इस दौरान उनके साथ जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी भी मौजूद है। हालांकि, राजभवन पहुंचने से पहले नीतीश कुमार एक सरकारी कार्यक्रम में पहुंचे थे। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर नीतीश कुमार क्या करने वाले हैं क्योंकि बिहार में लगातार राजनीतिक हलचल तेज है। यह दावा किया जा रहा था कि नीतीश कुमार एनडीए में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा यह भी दावा है कि नीतीश कुमार विधानसभा भंग कर एक बार फिर से चुनाव में जा सकते हैं। कुल मिलाकर देखें तो बिहार के राजनीतिक हलचल फिलहाल तेज है। आगे क्या होगा इसको लेकर सभी के सामने कई बड़े सवाल है। इससे पहले राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल-यूनाइटेड के बीच बढ़ते तनाव की खबरों के बीच, लालू प्रसाद यादव ने तेजस्वी यादव के साथ शुक्रवार को बिहार के सीएम नीतीश कुमार के साथ उनके आवास पर बैठक की थी।

फरवरी में रामलला के दर्शन करने जाएगा पूरा कैबिनेट: हिमंत

गुवाहटी। असम कैबिनेट ने 22 फरवरी को अयोध्या राम मंदिर का दौरा करने का फैसला किया है। यह फैसला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक के दौरान लिया गया। सीएम सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, कैबिनेट ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही भारत के लोगों को भी बधाई दी। पूरा कैबिनेट 22 फरवरी को रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या जाएगा। सीएम ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने दस जिलों में भूमिहीन मूलनिवासियों को भूमि देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, सोनितपुर, तिनसुकिया, धेमाजी, नागांव, विश्वनाथ, कामरूप (महानगर), कामरूप, बोंगाईगांव, गोलपारा और धुबरी जिलों में मिशन बसुंधरा 2.0 के तहत भूमिहीन मूलनिवासियों को भूमि दिया जाएगा।

सीबीआई ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ जांच बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तृणमूल कांग्रेस की नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोपों पर जांच आगे बढ़ाई है। एजेंसी ने इस मामले में मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाले वकील जय अनंत देहाद्राई को पूछताछ के लिए समन भेजा है। उन्हें 25 जनवरी को प्राथमिक जांच के लिए पेश होने को कहा गया है। गौरतलब है कि भाजपा के नेता निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ लोकपाल में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने टीएमसी सांसद पर संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने का आरोप लगाया था। इतना ही नहीं उन्होंने मोइत्रा पर आर्थिक लाभ के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का भी आरोप लगाया है। टीएमसी नेता के खिलाफ लोकपाल की तरफ से शिकायत करने के बाद सीबीआई ने प्राथमिक जांच शुरू की थी।

असम में राहुल गांधी का आरोप

गृह मंत्री ने निजी विश्वविद्यालय में छात्रों से बातचीत करने से रोका

गुवाहाटी। असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जनता को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपके विश्वविद्यालय में आना चाहता था और आपसे बात करना चाहता था, समझना चाहता था कि आप क्या सामना कर रहे हैं और अपने तरीके से यह देखने का प्रयास करना चाहता था कि क्या मैं आपकी मदद कर सकता था। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के गृह मंत्रालय ने असम के सीएम को फोन किया और सीएम कार्यालय ने आप के विश्वविद्यालय के नेतृत्व को फोन किया और कहा कि राहुल गांधी को इस विश्वविद्यालय के छात्रों से बात करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी आएं या न आएं ये महत्वपूर्ण नहीं है. जो महत्वपूर्ण है वह यह है कि आपको जिसे भी सुनना है उसे सुनने की अनुमति है। ऐसा केवल असम में ही नहीं बल्कि भारत के हर एक विश्वविद्यालय, कॉलेज या स्कूल में हो रहा है। राहुल का मंगलवार की सुबह असम की सीमा से लगते मेघालय के री भोई जिले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, मेघालय में छात्रों, नागरिक समाज के सदस्यों और पार्टी नेताओं से अलग अलग बातचीत करने का कार्यक्रम था। कांग्रेस ने सोमवार दोपहर को निजी विश्वविद्यालय में इन कार्यक्रमों की घोषणा की लेकिन बाद में उन्हें एक होटल में आयोजित करने की जानकारी दी क्योंकि विश्वविद्यालय ने कार्यक्रमों के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया।

राहुल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, ''वे आपको गुलाम बनाना चाहते हैं लेकिन मैं जानता हूं कि कोई भी, ब्रह्मांड में कोई भी ताकत ऐसा नहीं कर सकती है।'' उन्होंने यह भी कहा कि ''यह केवल असम में नहीं बल्कि भारत के हर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय में हो रहा है'', जहां विद्यार्थियों को ''अपनी मर्जी के अनुसार सोचने तक नहीं दिया जा रहा है। इससे पहले राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश के आधार पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' भारत की अवधारणा की रक्षा के लिए शुरू की गई है।

हिमंता ने राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करने का दिया निर्देश

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गुवाहाटी में प्रवेश करने से रोके जाने के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को राज्य पुलिस से राहुल गांधी के खिलाफ भीड़ को उकसाने के लिए मामला दर्ज करने को कहा। पार्टी द्वारा आज असम में अपनी प्रमुख भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर से शुरू करने के बाद मंगलवार को गुवाहाटी में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी के साथ लगभग 5,000 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक दिया गया। इसके बाद, पार्टी कार्यकर्ता पुलिस अधिकारियों से भिड़ गए और पुलिस अवरोधकों को तोड़ दिया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। हिमंता ने अपने ट्वीट में लिखा कि ये असमिया संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। हम एक शांतिपूर्ण राज्य हैं। ऐसी नक्सली रणनीति हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग हैं। उन्होंने कहा कि मैंने डीजीपी असम पुलिस को भीड़ को उकसाने के लिए आपके नेता राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज करने और आपके द्वारा अपने हैंडल पर पोस्ट किए गए फुटेज को सबूत के रूप में उपयोग करने का निर्देश दिया है। आपके अनियंत्रित व्यवहार और सहमत दिशानिर्देशों के उल्लंघन के परिणामस्वरूप अब गुवाहाटी में बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम हो गया है।

गुवाहाटी सीमा के करीब एक सभा को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता कभी भी नियम नहीं तोड़ेंगे और कानून-व्यवस्था को बाधित नहीं करेंगे; हालाँकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमज़ोर हैं। उन्होंने कहा कि असम के सीएम, केंद्रीय गृह मंत्री और पीएम नियम तोड़ सकते हैं, लेकिन हम (कांग्रेस) ऐसा कभी नहीं करेंगे। हालाँकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमज़ोर हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं। गुवाहाटी के लिए रवाना होने से पहले, पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के सीएम को उन्हें छात्रों से मिलने से रोकने का निर्देश दिया, जो आज के लिए निर्धारित था।

ममता बनर्जी के साथ नहीं लड़ेंगे चुनाव : अधीर रंजन

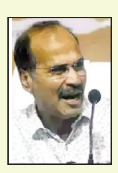

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा यह आरोप लगाने के एक दिन बाद कि वाम दल इंडिया ब्लॉक के एजेंडे को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता की आलोचना करते हुए उन्हें अवसरवादी बताया। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ममता की मदद से चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जानती है कि अपने बल पर कैसे लड़ना है और ममता बनर्जी को याद रखना चाहिए कि कांग्रेस के समर्थन से ही वह बंगाल में सत्ता में आई थीं। कोलकाता में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने इंडिया ब्लॉक बैठक के एजेंडे को नियंत्रित करने वाले सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे को स्वीकार करने में अनिच्छा व्यक्त की। इससे पहले जनवरी के पहले सप्ताह में चौधरी ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बंगाल में सीट बंटवारे को लेकर ममता की आलोचना की थी। वह उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि टीएमसी ने बंगाल में कांग्रेस को दो सीटों की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सीटों के लिए भीख नहीं मांगेगी।

देश को 2024 में फिर से प्रधानमंत्री मोदी की जरूरत

कांग्रेस ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की : नड्डा

गांधीनगर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के साथ गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हम न सिर्फ जीतेंगे बल्कि पहले से ज्यादा सीटें भी हासिल करेंगे। गुजरात में हम सभी 26 सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र कार्यालय का उद्घाटन करना गुजरात के सभी हिस्सों में विकास सुनिश्चित करने की हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम गुजरात को प्रथम रखना चाहते हैं और पीएम मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम भारत को प्रथम बनाना चाहते हैं!

नड्डा ने कहा कि इस देश के सांस्कृतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और राजनीतिक विरासत में गुजरात प्रदेश का एक अनूठा योगदान है। आजादी की लड़ाई से लेकर आजाद भारत में भी गुजरात का एक विशेष योगदान रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का संबंध भी गुजरात के पोरबंदर से था। वहीं, इस देश को एक सूत्र में पिरोने का काम सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि आज विकसित भारत को आगे बढ़ाने का काम, सक्षम बनाने का काम, स्वाभिमान से ओत-प्रोत बनाने का काम, देश की विरासत को स्वाभिमान से आगे बढ़ाने का काम... अगर किसी ने किया है तो इस देश के सपूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने देश की राजनीति की संस्कृति को बदल डाला है, क्योंकि 70 साल तक कांग्रेस पार्टी ने राजनीति जाति के आधार पर की। भाई को भाई से बांटकर की, सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कहा कि भारत में सिर्फ 4 जातियां हैं- गरीब, युवा, किसान और महिलाएं। जबकि कांग्रेस ने वोटबैंक के लिए जातियों में बांट दिया था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेज गति से विकास कर रहा है। 2014 में अर्थव्यवस्था में हम 11वें नंबर पर थे, आज हम ब्रिटेन को पछाड़कर 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए हैं।

नड्डा ने कहा कि हमारी सरकार की पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, एक ऐसी योजना जिसका कांग्रेस पार्टी ने मजाक उड़ाया था, आईएमएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा इसकी सराहना की जा रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाने और चिल्लाने के अलावा कुछ नहीं किया और केवल भाजपा ने ही सही मायने में विकास सुनिश्चित किया है। आज, लगभग 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है, और %अंत्योदय% को एक मिशन और विजन के रूप में, भारत अभूतपूर्व परिवर्तन देख रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमारे देश को 2024 में फिर से पीएम मोदी की जरूरत है! इस प्रकार, हमारे देश को 2024 में फिर से भाजपा की आवश्यकता है! यदि हम 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के सपने को साकार करना चाहते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि 2024 में कमल फिर से खिले!

खेल
प्रमुख समाचार

2023 की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम की कमान रोहित को

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने साल 2023 की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम की घोषणा कर दी है। आईसीसी ने इस टीम की कमान रोहित शर्मा को सौंपी है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया को विश्व विजेता बनाने वाले कप्तान पैट कमिंस को प्लेइंग-11 में भी जगह नहीं मिली है। इस टीम में भारत के छह खिलाड़ी हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के दो-दो, जबकि न्यूजीलैंड का एक खिलाड़ी है। 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में खेलने वाले आठ खिलाड़ी इस टीम में हैं। खिताबी मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था। प्लेइंग-11 में पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका जैसी बड़ी टीमों क कोई खिलाड़ी नहीं है।

कप्तान रोहित के अलावा इस टीम में बतौर ओपनर शुभमन गिल को शामिल किया गया है। इनके अलावा विराट कोहली पर मध्यक्रम की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, टीम इंडिया के तीन गेंदबाज प्लेइंग-11 में हैं। इनमें दो तेज गेंदबाज और एक स्पिनर शामिल है। मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी इस टीम में हैं, जबकि कुलदीप यादव को भी शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और एडम जाम्पा भी प्लेइंग-11 में हैं। दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन टीम में विकेटकीपर होंगे और इसके अलावा मार्को यानसेन को भी शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल भी प्लेइंग-11 में शामिल हैं।

आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम 2023

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, ट्रेविस हेड, विराट कोहली, डेरिल मिचेल, हेनरिक क्लासेन, मार्को यानसेन, एडम जाम्पा, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 1,000 से ज्यादा अंक गिरा, निफ्टी 21,238 पर बंद

नईदिल्ली। एशियाई बाजारों में तेजी के रुख के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में आज बड़ी गिरावट आई जिससे सेंसेक्स एक हजार से ज्यादा अंक फिसलकर बंद हुआ। चीन सरकार के लड़खड़ाते शेयर बाजार को स्थित करने के लिए लगभग 2 ट्रिलियन युआन (278 बिलियन डॉलर) की निवेश की योजना के बाद हांगकांग और शंघाई में तेज आई और इसका असर एशियाई शेयर बाजारों में भी दिखा। तीस शेयरों बीएसई सेंसेक्स आज जोरदार तेजी के साथ खुला और शुरूआती कारोबार के दौरान 72 हजार के स्तर को पार भी कर गया था। हालांकि, सेंसेक्स ज्यादा देर तक तेजी को संभाल नहीं सका और थोड़ी देर बाद लाल निशान में आ गया। अंत में यह 1053.10 अंक या 1.47 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 70,370.55 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी-50 में 1.54 प्रतिशत या 333 अंक की गिरावट लेकर 21,238.80 पर बंद हुआ।

दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बना भारत

नई दिल्ली। भारत के शेयर बाजार ने एक और उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार हॉन्गकॉन्ग को पीछे छोड़ दिया है। भारतीय बाजार की विकास से जुड़ी संभावनाओं और नीतिगत सुधारों ने इसे निवेशकों का प्रिय बना दिया है। ब्लूमबर्ग की ओर से संकलित आंकड़ों के अनुसार, भारतीय एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध शेयरों का संयुक्त मूल्य शनिवार को बाजार बंद होने तक 4.33 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि हॉन्गकॉन्ग के लिए के बाजार का समेकित मूल्य सोमवार को बाजार बंद होने के दौरान 4.29 ट्रिलियन डॉलर रहा। भारत में सोमवार को श्री राम जन्मभूमि की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मौके पर बाजार बंद थे। भारत इस उपलब्धि के साथ वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा इक्विटी बाजार बन गया है। इसका शेयर बाजार पूंजीकरण 5 दिसंबर को पहली बार 4 ट्रिलियन को पार कर गया।

एचडीएफसी बैंक के शेयर 52 सप्ताह के निचले लेवल पर

नईदिल्ली। एचडीएफसी बैंक के शेयर मंगलवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर लगभग 4 प्रतिशत गिरकर 52 सप्ताह के निचले स्तर 1,425.05 रुपये पर पहुंच गए। देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक का शेयर प्रैस 26 अक्टूबर, 2023 के पिछले लो लेवल 1,460.55 रुपये से भी नीचे गिर गया। बीएसई डेटा से पता चलता है कि अब यह अक्टूबर 2022 (एचडीएफसी विलय से पहले) के बाद से बैंक के शेयर का सबसे निचले स्तर पर है। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही के निराशाजनक आंकड़ों की रिपोर्ट के बाद पिछले एक सप्ताह में एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की अगुवाई में तेज बिकवाली के कारण एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 1.9 ट्रिलियन रुपये कम हो गया है। दिसंबर तिमाही के अंत में विदेशी संस्थागत के पास एचडीएफसी बैंक में 52.3 फीसदी हिस्सेदारी थी।

पीएनबी समेत इन बैंकों ने ब्याज दरों में किया बदलाव

नईदिल्ली। देश में कई बड़े बैंकों ने जनवरी 2024 में फिक्स्ड डिपॉजिट यानी स्नष्ठ पर मिलने वाली ब्याज दरों में इजाफा या बदलाव किया है। इनमें पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक शामिल हैं। पीएनबी ने इस महीने दो बार 2 करोड़ से कम राशि वाली एफडी पर मिलने वाली ब्याज दरों में इजाफा किया है। संशोधन के बाद पीएनबी आम नागरिकों को 7 दिनों से 10 साल के बीच मैच्योर होने वाली जमा राशि यानी एफडी पर 3.5 प्रतिशत से 7.25 फीसदी तक की ब्याज की पेशकश कर रहा है। कर्नाटक बैंक सामान्य नागरिकों के लिए 2 करोड़ से कम राशि वाली स्नष्ठ पर 3.5 से 7.25 प्रतिशत का रिटर्न ऑफर कर रहा है। नई दरें 20 जनवरी से लागू हो गई है।

आर्थिक केंद्र भी है राम मंदिर

डॉ अश्विनी महाजन

आज अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा हो रही है। देश भर में उत्साह का वातावरण है। हर व्यक्ति प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या में जाना चाहता है। यह समझते हुए कि सभी का एक ही समय में अयोध्या में होना संभव नहीं, आने वाले कुछ महीनों में करोड़ों लोग अयोध्या में रामलला के दर्शन करने की योजना बना रहे हैं। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तो बन ही रहा है, दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु होटल और अन्य प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर का भी निर्माण भी तेजी से हो रहा है। इससे न केवल शहर में और इसके आसपास पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह शहर एक क्षेत्रीय विकास केंद्र में बदल जायेगा, जिससे बेहतर कनेक्टिविटी के कारण व्यापक क्षेत्र में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वैश्विक मानकों का एक मेगा पर्यटक शहर, जो प्रतिदिन लाखों पर्यटकों को आकर्षित करेगा, पड़ोसी जिलों की अर्थव्यवस्था में भी क्रांति का स्रोत बन सकता है। अयोध्या के लोग उत्साहित हैं कि पर्यटन का विकास अयोध्या के आर्थिक विकास के नये रास्ते खोलेगा। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद लगभग तीन लाख लोगों की दैनिक उपस्थिति की आवश्यकता पूरी करने के लिए पवित्र शहर को उन्नत करने हेतु मास्टर प्लान 2031 के अनुसार अयोध्या का पुनर्विकास 85 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ 10 वर्षों में पूरा किया जायेगा।

जब राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन चल रहा था, तब कुछ लोग सुझाव दे रहे थे कि मंदिर के स्थान पर यदि अस्पताल या शिक्षण संस्थान खोले जाएं, तो लोगों को फायदा होगा। कांग्रेस शासन के दौरान

सरकार के निकट और हाल ही में राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा में उनके साथ गये टेक्नोक्रेट सैम पित्रोदा ने कहा था कि मंदिर रोजगार पैदा नहीं करते। स्वाभाविक तौर पर वर्तमान में मंदिरों के प्रति आग्रह के संदर्भ में उनकी यह टिप्पणी रही होगी। सैम पित्रोदा चाहे कुछ भी कहें, मंदिरों का अर्थशास्त्र भी समझने की बहुत जरूरत है। यह सही है कि कृषि, उद्योग और सेवाओं का अपना-अपना अर्थशास्त्र होता है, जिसके आधार पर हम देश के विकास की रूपरेखा तैयार करते हैं। लेकिन मंदिरों के विरुद्ध बोलने वाले लोग भूल जाते हैं कि धार्मिक सेवाओं और मंदिरों का भी अपना अर्थशास्त्र होता है। जहां मंदिर होते हैं, उसके आसपास विकास कार्य स्वतः हो जाते हैं। प्राचीन भारत में हर क्षेत्र को धन लाभ तीर्थस्थलों से होता था। हर मंदिर में आकर्षक शिल्प कला, भव्यता, अलौकिक विग्रहों के कारण यह आध्यात्मिक होने के साथ-साथ पर्यटन स्थल भी थे।

हमें यह समझने की जरूरत है कि मंदिर, धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन हमारे देश और जनता के लिए कितने लाभकारी हो सकते हैं। मंदिरों से भी भारी रोजगार सृजन होता है। मंदिरों के आसपास असंख्य लोग अपना जीवनयापन करते हैं और मंदिरों में भी आधुनिकीकरण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से न केवल उन सेवाओं का स्तर बढ़ाया जा सकता है, बल्कि जीडीपी में भी उनके योगदान में वृद्धि की जा सकती है। इसलिए अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों की भांति मंदिर अर्थव्यवस्था के बारे में भी विचार करना जरूरी है। बीस लाख से अधिक मंदिरों वाले भारत में चार करोड़ लोग पर्यटन और यात्रा के उद्योग से सीधे जुड़े हुए हैं। धार्मिक और मंदिर पर्यटन उसका एक बड़ा हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार भी योजनाबद्ध रूप से इस मंदिर अर्थव्यवस्था को अधिक पुष्ट करने का कार्य कर रही है। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के लिए महाकाल लोक, काशी विश्वेश्वर के लिए काशी कॉरिडोर, केदारनाथ में मंदिर जीर्णोद्धार एवं शंकराचार्य स्थल, ओंकारेश्वर में एकात्म धाम, कश्मीर में शारदा पीठ का जीर्णोद्धार, उत्तराखंड में कैलाश दर्शन का विकास उसी दिशा में कदम हैं। उत्तर प्रदेश में वाराणसी, मथुरा-वृंदावन, अयोध्या, कुशीनगर, उत्तराखंड में हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री मंदिर प्रसिद्ध हैं।

स्वच्छता को सम्मान: छग की 16 स्वच्छता दीदियां अपने परिजन के साथ देखेंगी गणतंत्र दिवस परेड

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय न विशेष अतिथि के रूप में किया आमंत्रित

स्वच्छता दीदियां अपने परिजन के साथ 24 जनवरी को विमान से होंगी रवाना

रायपुर. छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छ बनाने में लगीं 16 स्वच्छता दीदियां 26 जनवरी को नई दिल्ली के कर्तव्यपथ पर अपने परिजन के साथ गणतंत्र दिवस परेड देखेंगी। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने इन महिलाओं को गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। ये स्वच्छता दीदियां अपने परिजन के साथ 24 जनवरी को रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव सवेरे साढ़े 11 बजे हरी झंडी दिखाकर माना विमानतल से इन महिलाओं, उनके परिजनों और नगरीय प्रशासन विभाग की टीम को रवाना करेंगे।

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने गणतंत्र दिवस परेड में विशेष अतिथि के रूप में गंडई नगर पंचायत की दो, कुम्हारी नगर पालिका की दो, खैरागढ़ नगर पालिका की एक, बिलासपुर नगर निगम की तीन तथा राजनांदगांव, दुर्ग, अंबिकापुर और कोरबा नगर निगम की दो-दो स्वच्छता दीदियों को आमंत्रित किया है। इन महिलाओं के साथ इनके एक-एक परिजन को भी आमंत्रित किया गया है। ये स्वच्छता दीदियां 25 जनवरी को नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात भी करेंगी।

इन स्वच्छता दीदियों को मिल मौका- केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के विशेष आमंत्रण पर स्वच्छता दीदी के रूप में काम कर रही बिलासपुर नगर निगम की श्रीमती किरण सिंह, श्रीमती पुष्पा कटरे और श्रीमती लक्ष्मी अय्यर, दुर्ग नगर निगम की श्रीमती किरण साहू और श्रीमती लक्ष्मी जांगड़े, अंबिकापुर नगर निगम की सुश्री शशि सिन्हा और श्रीमती कुसुम मिंज, कोरबा नगर निगम की श्रीमती गीता तोमर और श्रीमती विजय लक्ष्मी तिवारी, राजनांदगांव नगर निगम की श्रीमती अनिता फ्रांसिस और श्रीमती वीणा टंडन नई दिल्ली जा रही हैं। गंडई नगर पंचायत की श्रीमती गायत्री देवांगन और श्रीमती राखी खान, कुम्हारी नगर पालिका की श्रीमती शोभा चक्रधारी और श्रीमती बिमला साहू तथा खैरागढ़ नगर पालिका की श्रीमती जयश्री ताम्रकर को भी नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह देखने के लिए आमंत्रित किया गया है।

हमारे लिए यह खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ से भेजे चावल से श्री रामलला को लगाया गया भोग: साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के कोटा गुढ़ियारी में आयोजित बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर और कथावाचक पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के श्री हनुमंत कथा एवं दिव्य दरबार में शामिल होकर भक्ति रस का आनंद लिया। उन्होंने बागेश्वर बाबा से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पावन अवसर पर श्री रामायण की आरती में भी भाग लिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि आज का दिन बहुत मंगलमय है, हम सभी को बाबा बागेश्वर का दिव्य प्रवचन सुनने को मिल रहा है। कल 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है और यह हम सब छत्तीसगढ़ वासियों के लिए बहुत खुशी की बात है कि श्री रामलला को धान का कटोरा कहे जाने वाले और प्रभु राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से भेजे गए चावल से भोग लगाया गया है। हमारे छत्तीसगढ़ से चावल, सब्जी के साथ ही डॉक्टर और नर्सों की टीम अयोध्या भेजी गई है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ की ओर से अयोध्या में अभी दो महीने तक भंडारा चलाया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से रामलला दर्शन योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्री राम के दर्शन के लिए अयोध्या भेजा जायगा। इसे सुनकर बाबा बागेश्वर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस योजना की सराहना की। बागेश्वर बाबा ने छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राजिम में कुंभ के स्वरूप में राजिम मेला को आयोजित करने संबंधी प्रयासों के लिए भी प्रसन्नता जाहिर की।

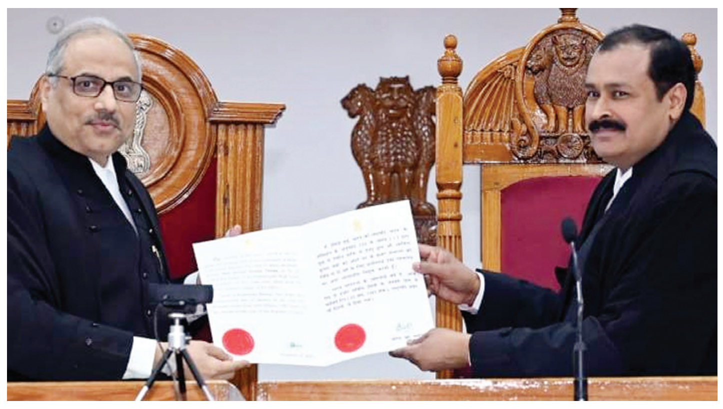

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने आज छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के नव नियुक्त अतिरिक्त न्यायाधीश श्री अरविंद कुमार वर्मा को पद की शपथ दिलायी।

परिवहन विभाग द्वारा चलाया जा रहा विशेष जागरूकता अभियान

बिलासपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 15 जनवरी से 14 फरवरी तक मनाया जा रहा है। जिसके तहत यातायात विभाग बिलासपुर द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लोगो को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में नेहरू चौक में छात्रों ने रैली निकालकर सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का संदेश दिया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव 24 से, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव का शुभारंभ 24 जनवरी 2024 को राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में करेंगे। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा प्रदर्शनी और नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2024 के तहत आयोजित किये जा रहे विभन्न सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात संबंधी जनजागरूकता शैक्षणिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के प्रथम सत्र में देश के विभिन्य राज्यों से प्राप्त अनेक भाषाओं की 460 प्रविष्टियों में से श्रेष्ठ चिन्हित 44 लघु फिल्मों का प्रदर्शन सुबह 10 बजे से किया जाएगा। प्रातः 11:30 बजे सड़क सुरक्षा पर आधारित ''स्टे फिट विथ मी ग्रुप'' द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन किया जायेगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे सड़क सुरक्षा प्रदर्शनी, यातायात संदर्शिका का विमोचन और फिल्म महोत्सव के विजेताओं को पारितोषिक वितरण और उत्कृष्ट एवं पुरस्कृत फिल्मों का प्रदर्शन का कार्यक्रम होगा। 24 जनवरी के द्वितीय सत्र में शाम 4 बजे से सड़क सुरक्षा से संबंधित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। अगले दिन 25 जनवरी को तृतीय सत्र में सुबह 10 बजे से चयनित विशिस्ट लघु फिल्मों का प्रदर्शन जनसामान्य के लिए किया जाएगा। अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) छत्तीसगढ़, परिवहन विभाग एवं छत्तीसगढ़ पुलिस ने आम नागरिकों से सड़क सुरक्षा के प्रति चलाए जा रहे इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव के लिए अब तक उत्तर प्रदेश गुजरात, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब, असम, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, हरियाणा, झारखण्ड, दिल्ली, उड़ीसा सहित अन्य राज्यों से तथा छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों के पंजीकरण हुए है।

बाबू भैया की कलम से

हिन्दू आस्था का सैलाब और लोकसभा चुनाव

22 जनवरी को अयोध्या में राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के साथ देश-दुनिया के हिंदुओं के लिए नए भारत का नव इतिहास गढ़ने का कठिन उद्देश्य सफल हुआ। इसके साथ ही दुनिया के हिंदुओं की आस्था का नया सूर्य चमक उठा है। यह बात अब तक आलोचना करने वाले भी स्वीकार कर रहे हैं। देश दुनिया के सभी अखबार, चैनल राम राम के गुणगान से अटे पड़े हैं। हर पन्ने पर बस श्रीरामलला ही रामलला दिखाई पड़ रहे हैं। वे भी जो आज तक मंदिर निर्माण के तरीकों व प्रक्रियाओं और तारीखों की आलोचना कर रहे थे, रामलला के विग्रह दर्शन के साथ ही भावविभोर हो गए हैं। नयनाभिराम मूर्ति ने सबको उत्साहित कर दिया है।राजनीति को एक किनारे करते हुए सभी हिन्दूओं को एक मंच पर देखने का सौभाग्य मां भारती को आखिर कई शतकों के बाद पहली बार देखने को मिल ही गया। सबने एक स्वर में कहा कि इनके व उनके नहीं बल्कि हमारे रामलला को अपना घर मिल ही गया। वैसे भी रामलला से किसी को कोई आपत्ति थी ही नहीं। बस रामनाम की धर्म की राजनीति ने नाराजी रखते थे। दरअसल वे धर्म की राजनीति के स्वरूप से गुरेज कर रहे थे,धर्म आधारित राजनीति से नहीं। राज करने का तरीका धर्म आधारित होना चाहिए,धर्म पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। सभी आलोचकों का इशारा इसी ओर था। राममंदिर बन गया रामलला के विग्रह की प्राणप्रतिष्ठा के साथ उनके दर्शनों के लिए द्वार आम रामभक्तों के लिए खोल दिये जायेंगें। प्राण प्रतिष्ठा व मंदिर उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया उनके साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। मोदी के साथ पूजा में डॉ.मोहन भागवत ने भी बराबर साथ दिया। इसके साथ ही भारत के इस नव इतिहास में इन सभी का नाम अंकित हो गया। हजारों साल तक रामलला के इस मंदिर के निर्माण व उनके घर वापसी की कथा का स्मरण किया जाएगा, तब तब इन महानुभावों के योगदान की भी गाथा को याद किया जाएगा। इसके साथ ही इस प्राणप्रतिष्ठा को प्रत्यक्ष देखने वाले विविध क्षेत्र के विशिष्ठ सज्जन वृन्द व साधु संतों व अन्य धर्मानुवलम्बियों को भले ही हजारों साल याद नहीं किया जाएगा। आज की पीढ़ी जिसने किसी भी माध्यम से इस प्राणप्रतिष्ठा के भव्य कार्यक्रम को देखा है वे जरूर अपने जेहन में इन यादों को सहेज कर रखेंगें। हजारों साल बाद इस मंदिर को किस स्वरूप में मान्यता मिलेगी, अगले युगों में किस तरह देखा जाएगा। यह तो आज कहा जाना मुश्किल है। अनुमान ही लगाया जा सकता है।आज जरूर दुनिया के हिंदुओं को एक मंच पर लाने में सफलता मिली सी प्रतीत हो रही है। इसमें किसी को कोई शक नहीं है। टीवी कार्यक्रम को माध्यम माने तो अमेरिका,मॉरीशस,इंग्लैंड के साथ अनेक देशों में कल जश्न मनाया गया। वहां भी भारतवंशियों ने भगवा झंडों के साथ राममंदिर में रामलला की स्थापना की खुशी का इजहार रैली निकाल कर किया । हनुमान चालीसा का पाठ किया। रामगीतों व सीताराम की धुनों के साथ उत्सव मनाया। दुनिया के हिंदुओं ने इसे एक विशिष्ट गर्व के रूप में प्रतिष्ठा दी। दुनिया की नजर रामलला के इस भव्य उत्सव की ओर आकर्षित हुई। प्रत्येक भारतीयों में इस बात का गर्व पैदा हुआ। इस अवसर में अतिथियों द्वारा दिये गए उद्बोधन का भी अपना अंतरराष्ट्रीय महत्व दिखाई दिया। हमारे अतिथियों ने जो कुछ भी कहा उसमें भविष्य के भारत की आवाज ध्वनित हुई। डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि भारत का स्व लौटा है। सम्पूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला भारत खड़ा होकर रहेगा,आज का यह कार्यक्रम इसी बात का प्रतीक है। इस उद्बोधन के माध्यम से भागवत ने दुनिया को भारत के विश्व गुरु बनने की दिशा में उठे कदम के रूप में प्रतिष्ठा दिलाने का इशारा किया है। यह भी कह दिया कि छोटे छोटे विवादों को पीछे छोड़ना होगा। संयम रख कर काम करना होगा। धर्म के चार मूल्यों सत्य,करुणा,शुचिता और तपस पर आधारित राज्य चलाना होगा। यह भी कहा कि जिस धर्म की स्थापना के लिए रामावतार हुआ था उसी धर्म के अनुकूल हमें भी आचरण रखना होगा। यही हमारा रामराज्य का कर्तव्य भी है। यजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा राम विवाद नहीं समाधान हैं, आग नहीं ऊर्जा हैं। लोग कहते थे राममंदिर बनेगा तो आग लग जायेगी। उन्हें जवाब मिल गया है। यह भी कह दिया राम सिर्फ हमारे नहीं सबके राम हैं। यह भी कहा कि हम रामकाज को राजकाज के जरिये जोड़ देंगें। सारे परिदृश्य में देखा जाए तो लगने लगा है कि राममंदिर निर्माण का श्रेय जिन्हें मिलना चाहिए वे भले ही कार्यक्रम में नहीं आ पाए हों। मंदिर के लक्ष्यकर्ता शिल्पकार की भूमिका निभाने वाले,आलोचनाओं को ,तिरस्कार को झेल कर भी प्राणप्रतिष्ठा करने वाले नरेंद्र मोदी के नाम यह श्रेय मंदिर निर्माण के इतिहास के पन्नों में स्वमेव ही दर्ज हो गया। उन्हें अनेकों के दिल में युग पुरुष, नए शकराचार्य, राजा विक्रमादित्य, छत्रपति शिवजी महाराज और ना जाने किन किन रूपों में प्रतिष्ठा मिल चुकी है। बुद्धिजीवियों ने भी कहा कि राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा के माध्यम से नरेंद्र मोदी ने 2024 के लिए भाजपा की पुनः राज प्रतिष्ठा सुनिश्चित कर दी है। विपक्ष को यह संदेश भी दे दिया है कि की यदि धर्म की आंधी आ रही हो तो उससे मुकाबला करने व टकराने की बजाय बचने के लिए कहीं आड़ लेकर छिप जाना ही बेहतर होता है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

राममय हो गया अशोका कोहिनूर

रायपुर। 22 जनवरी को अयोध्या मंदिर में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर अशोका रतन परिसर में स्थित अशोका कोहिनूर सोसायटी पूरी तरह से राममय हो गया।इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।शाम 4 बजे पूरे अशोका रतन परिसर में राम झांकी निकाली गयी। शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया। राम भक्ति के भजन में पूरा कोहिनूर झूम उठा। अयोध्या मे राम मंदिर के निर्माण के इतिहास को बच्चों द्वारा नृत्य नाटिका के माध्यम से बताया गया। पूरे परिसर मे 1100 दीप प्रज्वलित किये गये एवं भंडारा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम से सफल आयोजन में श्रीमति पायल केडिया,श्रीमति माधवी राठी,श्रीमति श्रुति माधोगडिया,श्रीमति अनुराधा रतेरिया,श्रीमति रश्मि सिंह,श्रीमति रिचा केडिया,श्रीमति खुशबू गोयल एवं श्रीमति रितिका राठी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन को हटाने पर रोक

बिलासपुर। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन महेंद्र छाबड़ा को पद से हटाने पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है. बता दें कि प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होते ही राजनीतिक नियुक्तियों को निरस्त किया गया था. जिसमें अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन महेंद्र छाबड़ा ने पद से हटाया गया था. जिसके खिलाफ महेंद्र छाबड़ा ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी. भाजपा के सत्ता में आते ही आदिम जाति अनुसूचित जाति एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने 15 दिसंबर को महेंद्र छाबड़ा को सेवा मुक्त करने का आदेश जारी किया था. इस आदेश के खिलाफ महेंद्र छाबड़ा ने अधिवक्ता संदीप दुबे और मानस बाजपेई के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस राकेश मोहन पांडे ने कहा कि राजनीतिक नियुक्ति की आड़ में आयोग व संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को समय से पूर्व हटाया नहीं जा सकता. उनको हटाने के लिए कानून के तहत प्रक्रिया निर्धारित है, जिसका पालन किया जाना चाहिए. कोर्ट ने राज्य शासन के आदेश पर रोक लगा दी है.

खाकी ने किया मासूम की मौत का सौदा ! बच्चे की हार्टअटैक से मौत

बलरामपुर. रघुनाथनगर थाने के अंतर्गत तीन महीने पहले संतोष कुशवाहा के नवजात बच्चे की मौत हो गई थी. वाड्रफनगर पुलिस चौकी की पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया था. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्चे की मौत का करण हृदयाघात बताया गया. अब इस मामले में नया मोड़ आया है. दरअसल, रघुनाथनगर थाने में पदस्थ एएसआई पीड़ित से ये कहकर पैसे मांग रहा था कि उसने बच्चे को दूध पाउडर पिलाया है. जिस वजह से उसकी मौत हुई है. ऐसा कहकर एएसआई बार बार पीड़ित से पैसे की मांग करने लगा था. पैसे नहीं दिये जाने पर एएसआई जाबलून कुजूर ने एक आरक्षक को साथ लेकर पीड़ित संतोष कुशवाहा के घर पहुंच गया. जिसके बाद थाने में बुलाकर संतोष से 20 हजार रुपये की मांग कर दी. जिसकी प्रथम किस्त 9 हजार रुपये पीड़ित के पिता से एएसआई जाबलून कुजूर ने लिए. वहीं 11 हजार रुपये एक दिन बाद दिये जाने की बात पर संतोष को थाने से छोड़ा गया. जब मामला मीडिया के संज्ञान में आया तो एएसआई ने मीडिया के सामने ही पीड़ित से लिये गये 9 हजार रुपये वापस कर दिये. बताया जा रहा है कि संतोष कुशवाहा की पत्नी की मौत डिलीवरी के दौरान हो गई थी और एक बच्ची ने जन्म लिया था. जिसका पालन पोषण पिता के द्वारा किया जा रहा था. लेकिन 15 दिनों बाद बच्ची की भी मौत इलाज के दौरान हो गई थी.

आईएएस प्रियंका को स्टेट स्वीप अवार्ड

रायपुर। आईएएस प्रियंका शुक्ला को निर्वाचन कार्य में उल्लेखनीय कामों के लिए स्वीप अवार्ड दिया जायेगा। कलेक्टर रहते कांकेर में डॉ प्रियंका ने 2023 निर्वाचन में बेहतरीन काम किया था। उनके ही प्रयासों का नतीजा था कि तीन विधानसभा वाले कांकेर जिला में पिछली बार से बेहतर वोटिंग परसेंटेज रहा। 2023 विधानसभा के अंतिम अधिकारिक आंकड़ों में कांकेर का कुल वोटिंग परसेंटेज 80.67 रहा था, जिसमें अंतागढ़ में 79.79, भानुप्रतापपुर में 81 और कांकेर में 81.14 वोटिंग हुई थी। नक्सली क्षेत्र होने के बावजूद कांकेर में बढ़े वोटिंग प्रतिशत को निर्वाचन आयोग ने भी काफी सराहा था। कांकेर में अब तक के हुए चुनावों में ये सर्वाधिक वोटिंग परसेंटेज था।

राष्ट्रीय रंगशाला में छग की झांकी ने जीता दिल

रायपुर। नई दिल्ली की राष्ट्रीय रंगशाला में आयोजित प्रेस-रिव्यू में छत्तीसगढ़ की झांकी ने जीता नेशनल-मीडिया का दिल। जगदलपुर का मुरिया दरबार और बड़ेडोंगर का लिमऊ राजा है केंद्रीय विषय। जनजातीय समाज में आदि काल से उपस्थित लोकतांत्रिक चेतना का प्रमाण प्रस्तुत करती है झांकी।

अग्रसेन महा. में उमंग-2024 की शुरुआत

रायपुर. अग्रसेन महाविद्यालय पुरानी बस्ती में आज से वार्षिकोत्सव उमंग-2024 का रंगारंग शुभारम्भ हुआ. नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर से मशाल जुलूस के साथ इस आयोजन की शुरुआत हुई. इस अवसर पर अपने संबोधन में महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष तथा महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ वी.के. अग्रवाल ने कहा कि नेताजी के आदर्शों को याद करते हुए महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव शुरू होना एक प्रेरक प्रयास हैं. उन्होंने भारत की गुलामी के दौर में भी अपने उच्च विचारों से आजादी की आकांक्षा को प्रकट किया. इसीलिए आज भी हम उन्हें अपना आदर्श मानते हैं. महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के सचिव तथा महाविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि उमंग 2024- महाविद्यालय के सभी छात्रों के लिए एक मंच है, जिसमें वे अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकते हैं. इस मौके पर प्राचार्य डॉ युलेन्द्र कुमार राजपूत ने कहा कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के विचारों को अपनाकर युवा अपना भविष्य दोनों संवार सकते हैं.

स्कूल शिक्षा सचिव ने कलेक्टरों को कार्यक्रम में सहभागिता के संबंध में दिए निर्देश

प्रधानमंत्री मोदी का 29 को 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम

रायपुर. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी स्कूली बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ परीक्षा को उत्सव की तरह मनाने एवं विद्यार्थियों में तत्संबधी तनाव दूर करने के लिए सीधा संवाद करेंगे। 'परीक्षा पे चर्चा-2024' का कार्यक्रम 29 जनवरी को प्रातः 11 बजे भारत मण्डपम, प्रगति मैदान नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

सचिव स्कूल शिक्षा ने 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में सहभागिता के लिए सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर आवश्यक व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कलेक्टरों से कहा है कि यह समय है कि जब परीक्षाओं को हम सब एक उत्सव के रूप में मनाये विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु प्रेरित करने के साथ-साथ उनके परीक्षा संबंधी तनाव को दूर करने में सहयोग करें तथा उन्हें अपना सर्वोत्तम प्रदान करने हेतु प्रोत्साहित करें। सचिव स्कूल शिक्षा ने कलेक्टरों को जारी पत्र में कहा है कि इस कार्यक्रम का लाईव प्रसारण दूरदर्शन राष्ट्रीय चैनल, दूरदर्शन न्यूज, दूरदर्शन भारत, यू-ट्यूब व रेडियो आदि के माध्यम से उपलब्ध रहेगा। इसके लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, आयुक्त नगर निगम और जिला शिक्षा अधिकारी के मध्य समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार कराया जाए। जिले के केन्द्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों, शासकीय एवं निजी विद्यालयों के साथ-साथ जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में स्मार्ट टीव्ही, डिजीटल क्लासरूम के प्रोजेक्टर स्क्रीन का उपयोग करते हुए कक्षा 6वीं से 12वीं तक के अधिक से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को इस लाईव प्रसारण से लाभान्वित करें। कलेक्टरों से कहा गया है कि जिन स्थलों में इंटरनेट अथवा टेलीविजन की सुविधा सुगम नहीं वहां ऑलइंडिया रेडियो एवं एफएम चैनल के द्वारा इस कार्यक्रम का लाईव प्रसारण सुनाया जाए।

शहरों में विकास और सुविधाएं बढ़ाने प्रतिबद्धता के साथ काम करें अधिकारी - अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी नगर पालिकाओं तथा बस्तर, सरगुजा और बिलासपुर संभाग के नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं अभियंता को अपने-अपने निकायों में विकास और सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों और अभियंताओं को अपने मुख्यालय में ही निवास करने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने सभी निर्माण कार्यों और निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने काम में विलंब और लापरवाही करने वाले ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने और नियमानुसार ब्लैक-लिस्ट करने की कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे आवासों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सप्ताह में तीन दिन टीम के साथ वार्डों का दौरा कर निर्माण और सफाई कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में आयोजित बैठक में नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अधोसंरचना विकास, राज्य एवं केंद्र प्रवर्तित तथा 15वें वित्त आयोग की राशि से निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इन नगरीय निकायों में आय-व्यय की स्थिति, कर संग्रहण की स्थिति, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति, साफ-सफाई की व्यवस्था और वेतन भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.